सूर्योदय दि. 30-12-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

आर्थिक विकास को रफ्तार...पृष्ठ-8

वर्ष : 06 अंक : 271 | नई दिल्ली, गुरूवार 30 दिसंबर-2021 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

दीवारो से निकले पैसे से होगा प्रदेश का विकास : योगी आदित्यनाथ

आज अपराधी जेल में हैं और बहन-बेटी सुरक्षित हैं : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

फर्रूखाबाद (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के कानपुर और कन्नौज में इत्र कारोबारी के ठिकानो पर छापे में मिली अघोषित संपत्ति का जिक्र करते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दीवारों के भीतर छिपा कर रखा गया पैसा अब प्रदेश के विकास के काम में लाया जायेगा। क्रिश्चियन इण्टर कॉलेज के मैदान में बुधवार को जन विश्वास यात्रा के मौके पर आयोजित जनसभा में करीब 200 करोड़ रूपये की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने के बाद योगी ने कहा कि पिछली सरकार में अपराध एवं अराजकता के साथ भ्रष्टाचार का आलम था। 2017 के बाद प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ने जो कार्य किये उससे प्रदेश में विकास की गंगा बही है। आज अपराधी जेल में हैं और बहन-बेटी सुरक्षित हैं। उन्होने कहा कि कानपुर और कन्नौज में भ्रष्टाचार से जमा धन से तिजोरी भर गयी, वहीं पैसा अब पिछले चार दिनों में दीवारों से निकल रहा है। अब समझ में आया कि बबुआ (अखिलेश यादव) नोटबंदी का विरोध क्यों कर रहे थे। दीवारों के अन्दर से निकला पैसा अब उत्तर प्रदेश के विकास में लगाया जायेगा। यदि पिछली सरकार होती तो यह पैसा विरोधियों के घर चला जाता। योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने लोगों को डबल राशन मिल रहा है। जब अच्छी सरकारें आएंगी तो अच्छी योजनाएं लाएंगी और बुरी सरकारें आएंगी तो पैसा सपा-बसपा- और कांग्रेस नेताओं के घर चला जायेगा। उन्होने कहा कि देश और प्रदेश में सबसे ज्यादा शासन करने वाली कांग्रेस ने आंतकियों को प्रात्साहित किया। अब सत्ता से बाहर रहने पर मौजूदा सरकार के हर काम का विरोध करना उसकी आदत बन चुका है जो जनता के हित में है। सपा सरकार में एक भी आवास गरीब को नहीं मिला। सपा सरकार में नौकरियां निकलती थीं तो चाचा-भतीजे वसूली के लिये निकल पड़ते थे और नौकरी भी नहीं मिलती थी लेकिन भाजपा ने 4.50 लाख बेरोजगारों को नौकरी दी तथा किसानों के कर्जे माफ किये। 150 करोड़ किसानों के गन्ना का भुगतान कराया गया। योगी ने कहा बुआ (मायावती) -बबुआ और भाई (राहुल गांधी)-बहन (प्रियंका वाड्रा) कोरोना काल में जनता की मदद में नहीं दिखे लेकिन आज वोट मांगने आये तो उन्हे जनता जवाब देगी। अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण सपा-बसपा व कांग्रेस नहीं कराती। अब कांवर यात्रा पर लाठियां नहीं फूल-बरसाए जाते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को नववर्ष में सौगात देने की घोषणा करते हुये कहा कि आगामी तीन जनवरी को लखनऊ में एक बड़ा कार्यक्रम होगा जिसमें आंगनबाड़ियों का मानदेय बढ़ाने का ऐलान किया जायेगा लेकिन तीन महीने सभी लोग अब भाजपा को दें। प्रदेश प्रगति करेगा तो हम सबकी प्रगति होगी। इस अवसर पर प्रदेश शासन के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा, जन विश्वास यात्रा के प्रदेश संयोजक बाबूराम निषाद, क्षेत्रीय संयोजक रामकिशोर साहू, सांसद आर.के. पटेल, सांसद मुकेश राजपूत व विधायकगणों में मेजर सुनील दत्त द्विवेदी, सुशील शाक्य, नागेन्द्र सिंह राठौर आदि ने संबोधित किया।

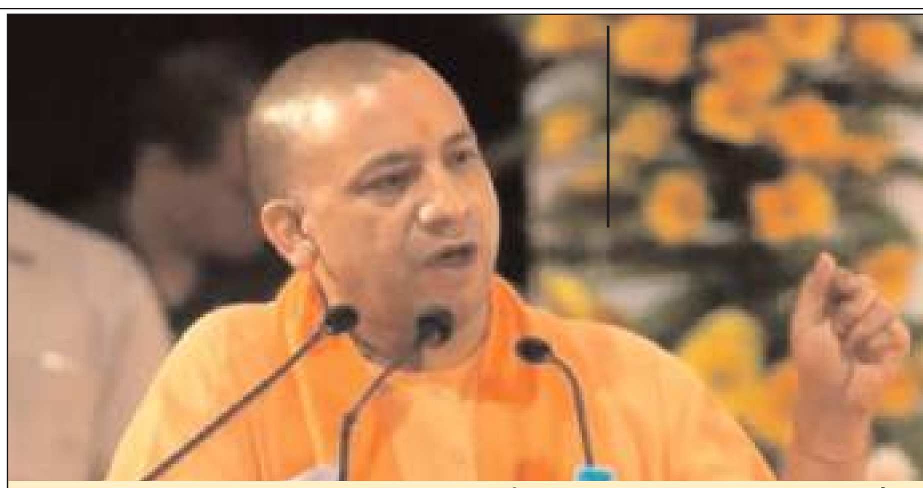

2017 के बाद प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ने जो कार्य किये उससे प्रदेश में विकास की गंगा बही है। आज अपराधी जेल में हैं और बहन-बेटी सुरक्षित हैं। उन्होने कहा कि कानपुर और कन्नौज में भ्रष्टाचार से जमा धन से तिजोरी भर गयी,वहीं पैसा अब पिछले चार दिनों में दीवारों से निकल रहा है।

पूज्य आचर्य डॉ. लोकेश मुनि श्री धर्मपुर तीर्थ अन्जानशलका प्रतिष्ठा महोत्सव कों संबोधित करते हुए।
छाया : ओपन सर्च

राज्यों के साथ बजट पूर्व बैठक करेंगी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)
आगामी वित्त वर्ष 2022-23 के बजट को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गुरुवार को राज्यों के साथ बैठक करेंगी।

राज्यों के साथ वित्त मंत्री मुख्य रूप से प्रदेशों की वित्तीय जरूरतों के अलावा कर्ज लेने की सीमा में बढ़ोतरी को लेकर चर्चा कर सकती है। कोरोना महामारी की वजह से कई राज्य वित्तीय दबाव में हैं और वे वित्त मंत्री के साथ वित्तीय संसाधन बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक राज्यों के साथ होने वाली बैठक में 15वें वित्त आयोग की सिफारिश के मुताबिक राज्यों के वित्तीय आवंटन को लेकर भी चर्चा हो सकती है। दूसरी तरफ एमवी कामथ सेंटेनरी मेमोरियल लेक्चर के वर्चुअल संबोधन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रोडक्शन लिंक्ड स्कीम गेम चेंजर साबित हो रही है और इससे देश में निवेश में बढ़ोतरी के साथ मैन्यूफैक्चरिंग क्षमता के विकास में मदद मिलेगी। चालू वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में पीएलआई स्कीम के लिए 1.97 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था।

एक नज़र

पश्चिमोत्तर भारत में शीत लहर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली समेत पश्चिमोत्तर भारत में शीत लहर जारी है तथा न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस और गिरावट की संभावना है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पश्चिमोत्तर भारत के कई स्थानों पर शीत लहर की स्थिति बनी हुई है और अगले दो दिनों में अधिकांश क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। उन्होंने बताया कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात में अगले दो दिनों में घना कोहरा छाया रहा वहीं पूर्वी भारत में अगले तीन दिनों तक यही स्थिति बनी रहेगी। इसके साथ ही जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में चार से सात जनवरी तक पश्चिमी विक्षोभ के दौरान बारिश और हिमपात होने की संभावना है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक आर. के. जेनामानी ने कहा कि दिल्ली में शीत लहर जारी है तथा 31 दिसंबर और एक जनवरी की रात तापमान में और गिरावट आयेगी। दिल्ली के आसपास क्षेत्रों में पांच व छह जनवरी को बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने देश के पूर्वी क्षेत्रों में बारिश के साथ ओला वृष्टि पड़ने की संभावना जतायी है। बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अगले 24 घंटे में हल्की एवं मध्यम बारिश हो सकती है।

58 हजारी होकर गिरा शेयर बाजार

मुंबई (एजेंसी) वैश्विक स्तर की तेजी और अर्थव्यवस्था के मजबूत रहने की उम्मीद से उत्साहित निवेशकों की लिवाली की बदौलत आज 58 हजार के शिखर पर पहुंचा सेंसेक्स अंतिम समय में हुई बिकवाली के दबाव में पिछले सत्र की तेजी गंवाकर गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 90.99 अंक उतरकर 57,806.49 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 19.65 अंक की मामूली गिरावट लेकर 17,213.60 अंक पर रहा। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत छोटी और मझौली कंपनियों के प्रति निवेशकों की निवेश धारणा मजबूत रही। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.13 फीसदी चढ़कर 24,684.86 अंक और स्मॉलकैप 0.49 प्रतिशत उछलकर 29,066.03 अंक पर रहा।

औरों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल न होने के आधार पर किसी आरोपित के खिलाफ रद नहीं की जा सकती कार्रवाई : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी आरोपित के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को केवल इसलिए रद नहीं किया जा सकता कि अपराध करने वाले कुछ अन्य लोगों के

खिलाफ आरोप पत्र दायर नहीं किया गया है। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस बीवी नागरत्न की पीठ ने कहा कि मुकदमे के दौरान यदि यह पाया जाता है कि अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोप-पत्र दायर नहीं किया गया है, तो अदालत उन्हें दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 319 के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए आरोपित के रूप में पेश कर सकती है। पीठ ने हाल के एक आदेश में कहा कि किसी आरोपित के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही केवल इस आधार पर खारिज नहीं की जा सकती कि अपराध करने वाले कुछ अन्य लोगों के खिलाफ आरोप-पत्र दायर नहीं किया गया है और उसका नाम जांच के बाद उसके खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनने की जरूरत महसूस करते हुए आरोप-पत्र में दायर किया गया है।

शीर्ष अदालत कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुवर्णा सहकारी बैंक लिमिटेड द्वारा दायर एक अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसने भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी (आपराधिक साजिश), 408 (आपराधिक विश्वास भंग), 409 (लोकसेवक द्वारा विश्वास भंग, 420 (धोखाधड़ी) और 149 के तहत आरोपित बनाए गए व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद कर दी थी।

घरेलू एयरलाइंस पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का 2,636 करोड़ रुपए का बकाया

एयर एशिया इंडिया ने चुकाई कर्ज की रकम

नई दिल्ली (एजेंसी)

एयर एशिया इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के बकाया का भुगतान कर दिया है। विमानन कंपनी करोड़ रुपये था। देश की प्रमुख घरेलू विमानन कंपनियों पर एक जनवरी, 2020 तक 2,306.59 करोड़ रुपये बकाया था। जो 31 अक्टूबर, 2021 तक 14.29 फीसदी बढ़कर 2,636.34 करोड़ रुपये हो गया है।

सितंबर 2021 से देय तारीखों पर कर्ज की शर्तों के अनुसार सभी भुगतान कर रही है। मीडिया खबरों के मुताबिक एएआइ के आंतरिक दस्तावेजों के अनुसार एयरएशिया इंडिया का बकाया बढ़कर अक्टूबर 2021 में 3.58 करोड़ रुपये हो गया था, जो जनवरी 2020 में 1.47 आपको बतादें, विमानन कंपनियों को एयर नेविगेशन, लैंडिंग और पार्किंग के लिए एएआइ के एयरपोर्ट पर सुविधाओं का इस्तेमाल करने के लिए भुगतान करना पड़ता है। नागर विमानन मंत्रालय के तहत आने वाले एएआइ के एयरपोर्ट की संख्या 100 से अधिक है। एयरएशिया इंडिया के प्रवक्ता ने बताया, हमने एएआइ के साथ समझौते के अनुसार अपने सभी बकाया का भुगतान कर दिया है। हम सितंबर से देय तारीखों पर ऋण शर्तों के अनुसार सभी भुगतान कर रहे हैं और आज तक कोई बकाया नहीं है। प्रवक्ता ने कहा कि परिचालन लागत हमेशा उड़ानों की संख्या और उड़ान भरने वाले यात्रियों की संख्या के अनुपात में बढ़ती है। उन्होंने कहा, सितंबर से आज तक हमने हवाई अड्डा प्राधिकरण की नीति के अनुसार तय तारीखों पर 59 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

एएआइ के दस्तावेजों के मुताबिक भारत की छह प्रमुख घरेलू विमानन कंपनियों-इंडिगो, स्पाइसजेट, गोएयर, एयरएशिया इंडिया, एयर इंडिया और विस्तारा पर एक जनवरी, 2020 तक 2,306.59 करोड़ रुपये बकाया था। दस्तावेजों के मुताबिक ये बकाया 31 अक्टूबर, 2021 तक 14.29 प्रतिशत बढ़कर 2,636.34 करोड़ रुपये हो गया है।

नये साल में किसानों को मोदी का तोहफा, प्रधानमंत्री किसान योजना की अगली किस्त करेंगे जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश भर के 11 करोड़ से अधिक किसानों को नए साल के उपहार के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक जनवरी को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम-किसान) की अगली किस्त जारी करेंगे। एक रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गयी। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थी किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये का वित्तीय लाभ दिया किया जाता है, जो कि 2,000 रुपये की तीन समान किस्तों में मिलेगा। पीएम किसान योजना के तहत 11.60 करोड़ से अधिक किसानों को विभिन्न किश्तों के माध्यम से लगभग 1.60 लाख करोड़ रुपये का वित्तीय लाभ दिया जा चुका है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी किसानों की आय दोगुनी करने को लेकर किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को इक्विटी अनुदान भी जारी करेंगे। केंद्र ने 6,865 करोड़ रुपये के कुल बजटीय परिव्यय के साथ 2027-28 तक 10,000 नए एफपीओ बनाने और बढ़ावा देने के लिए 10,000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन और संवर्धन की केंद्रीय क्षेत्र की योजना को मंजूरी दी और लॉन्च किया। श्री मोदी एक जनवरी को दोपहर 12 बजे इस योजना के तहत किस्त जारी करेंगे तथा किसान उत्पादक संगठनों को इक्विटी अनुदान भी जारी किया जायेगा। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली : भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू को जन्मदिन की बधाई देते हुए अजय बसोया व सीमा कंधारी। छाया : ओपन सर्च

देश में ओमिक्रोन संक्रमितों का आंकड़ा 800 के पार पहुंचा

राजस्थान में 23, तमिलनाडु में 11 और आंध्र प्रदेश में 10 नए केस

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में ओमिक्रोन के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। बुधवार को राजस्थान में 23, पश्चिम बंगाल में पांच, ओडिशा और यूपी में एक-एक, तमिलनाडु में 11 और आंध्र प्रदेश में 10 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही देश में ओमिक्रोन के संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर आठ सौ के पार पहुंच गया है।

कोरोना का यह वैरिएंट अब तक 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पहुंच गया है। दिल्ली में सबसे अधिक 238 मामले दर्ज किए गए हैं जबकि इसके बाद महाराष्ट्र का नंबर है जहां ओमिक्रोन के 167 मामले आए हैं। इस बीच दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का कहना है कि कई अंतरराष्ट्रीय यात्री जिनकी हवाई अड्डे पर जांच

की गई थी और जिन लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आई थी। ऐसे लोग कुछ दिनों के बाद संक्रमित पाए जा रहे हैं। यही नहीं इन लोगों के परिवार के सदस्य भी संक्रमित हो रहे हैं।

देश में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के कारण ही मामले बढ़े हैं। जैन ने कहा कि अब जोखिम वाले देशों से आने वाले लोगों की जांच रिपोर्ट हवाई अड्डे पर निगेटिव आती है तो भी उनको एक हफ्ते के लिए होम क्वारंटीन के नियम का पालन करना होगा। इस बीच सार्स कोव जीनोम कंसोर्टियम इंसाकाग का कहना है कि ओमिक्रोन के उच्च प्रतिरक्षा से बचने की क्षमता के समर्थन में स्पष्ट प्रयोगात्मक और क्लीनिकल आंकड़े हैं। हालांकि प्रारंभिक अनुमान बीमारी की गंभीरता को पिछली लहरों की तुलना में कम आंकते हैं। इंसाकाग ने यह भी कहा कि देश में ओमिक्रोन को लेकर अध्ययन किए जा रहे हैं। यही नहीं मौजूदा वक्त में दुनिया के कई हिस्सों में कोरोना का डेल्टा वैरिएंट अभी भी वैरिएंट आफ कंसर्न बना हुआ है। हालांकि दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रोन ने संक्रमण के लिहाज से डेल्टा को पीछे छोड़ दिया है। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में एक दिन में कोरोना संक्रमण के 9,195 नए मामले सामने आए हैं जिससे संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 3,48,08,886 हो गया है।

एक नज़र

बिजनौर में बदमाश पुलिस से लूट ले गए इंसास राइफल, सिपाही को किया घायल

बिजनौर (एजेंसी) अफजलगढ़ थाना क्षेत्र क्षेत्र के भूतपुरी तिराहे पर मंगलवार रात सिपाही व होमगार्ड से बदमाश इंसास राइफल लूटकर ले गए। मारपीट में सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना का वीडियो वायरल हो गया है। पुलिस बाइक नंबर के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुटी है। अफजलगढ़ थाने में तैनात सिपाही ललित कुमार और होमगार्ड भीम सिंह रात में भूतपुरी तिराहे पर ड्यूटी पर तैनात थे।

रात में मैली का एक ट्रक तिराहे पर पलट गया। दोनों पुलिसकर्मी सड़क पर ट्रैफिक पास करा रहे थे, तभी बाइक सवार दो युवक वहां आए। सड़क पर मेली फैला होने से नाराज होकर ट्रक चालक को गाली-गलौज करने लगे। इस पर सिपाही ललित ने उन्हें मना किया। इस पर बाइक सवार युवक सिपाही और होमगार्ड से भिड़ गए। सिपाही से मारपीट कर उसके सिर में तमंचे से बट मार दी। उसे बुरी तरह पीटा गया। हमले में सिपाही लहूलुहान हो गया। इस दौरान बदमाश उसकी इंसास लेकर बाइक से फरार हो गए।

होमगार्ड ने कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। घटना की सूचना पर पुलिस में हड़कंप मच गया। जानकारी पर एसपी देहात रामअर्ज, सीओ अफजलगढ़ सुनीता दहिया समेत कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। बदमाशों की तलाश शुरू की गई। सिपाही ललित को काशीपुर के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। वहीं मारपीट का वीडियो वायरल हो गया है। सिपाही की ओर से बताए गए बाइक नंबर के आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि बदमाशों पर काले कलर की स्पलेंडर बाइक थी।

पीएम मोदी और सीएम योगी पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर फंसे यूपी के विधायक असलम चौधरी

हापुड़ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 की आहट शुरू होते ही आपत्तिजनक बयानों और टिप्पणियों का दौर भी तेज हो गया है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के सीएम आदित्यनाथ के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी और बयानबाजी के चलते धौलाना के विधायक की मुश्किलें बढ़ गई है। भाजपा की शिकायत पर उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी और सीएम योगी पर आपत्तिजनक टिप्पणी रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन पर रालोद की संभावित प्रत्याशी के कार्यालय पर की गई। दरअसल, कार्यकर्ताओं ने सोमवार को रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी का जन्मदिन मनाया था।

इस दौरान धौलाना विधायक असलम चौधरी को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री पर अशोभनीय टिप्पणी करना महंगा पड़ गया। मामले का वीडियो इंटनेट मीडिया पर वायरल होने पर भाजपाइयों में आक्रोश व्याप्त हो गया है। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष की तहरीर पर हापुड़ पुलिस ने विधायक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गौरतलब है कि सपा-रालोद गठबंधन से प्रीता हरित हापुड़ विधानसभा सीट से संभावित प्रत्याशी हैं। नगर के मेरठ रोड पर उनका कार्यालय स्थित है। दो दिन पूर्व रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के जन्मदिन के मौके पर कार्यालय पर कार्यकर्ता एकत्र हुए थे।

इस दौरान धौलाना विधायक असलम चौधरी भी मौजूद थे। कार्यकर्ताओं ने केक काटकर जयंत चौधरी का जन्मदिन मनाया। इस दौरान विधायक असलम चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ जमकर विवादित बयानबाजी करते हुए अशोभनीय टिप्पणी कर दी। वहीं, इस दौरान कार्यक्रम के दौरान मौजूद किसी शख्स ने विधायक असलम चौधरी की वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो की जानकारी भाजपाईयों को हुई तो उनमें आक्रोश व्याप्त हो गया। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष डा. शिवकुमार ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सोमवीर सिंह ने बताया कि बसपा विधायक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कानपुर संजीत हत्याकांड : बहन ने वाट्सएप पर मैसेज कर सीबीआइ अधिकारी से लगाई न्याय की गुहार, यह मिला आश्वासन

कानपुर (एजेंसी) बर्रा के चर्चित संजीत अपहरण-हत्याकांड के मामले में बहन ने सीबीआइ अधिकारी को वाट्सएप पर मैसेज कर भाई को न्याय दिलाने की गुहार लगाई। अधिकारी ने एक दूसरे केस की जांच पूरी करने के बाद संजीत के केस की जांच करने का आश्वासन दिया। स्वजन सीबीआइ की जांच शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। बर्रा पांच निवासी लैब टेक्नीशियन संजीत यादव के अपहरण और हत्या के मामले को करीब 18 माह बीच चुके हैं। मामले की जांच शुरू करते हुए सीबीआइ की टीम 22 अक्टूबर को बर्रा थाने पहुंची थी। टीम ने यहां से केस से संबंधित सभी दस्तावेज लिए थे।

23 अक्टूबर को सीबीआइ लखनऊ यूनिट के डिप्टी एसपी हरजीत सचान दो सदस्यीय टीम के साथ संजीत के घर पहुंचे और बयान दर्ज करते हुए स्वजन के बयान दर्ज किए थे। टीम चार दिन फिरौती देने, फिरौती मांगने, घटनास्थल, शव फेंकने वाले स्थानों का भौतिक सत्यापन करने के बाद वापस लौटी थी। बयान दर्ज करने के दौरान टीम को नानी के मोबाइल पर फिरौती के लिए काल आना गले नहीं उतरा तो स्वजन से फोन पर संपर्क कर फिरौती के लिए अपहर्ताओं से बातचीत में इस्तेमाल हुआ मोबाइल मांगा।

सीबीआइ अधिकारी का नंबर स्वजन को मिला तो उसके बाद संजीत की बहन रूचि ने उनसे बीच बीच में केस की प्रगति रिपोर्ट के बारे में जानकारी की। कुद दिन पहले रुचि ने अधिकारी को वाट्सएप पर मैसेज कर संजीत को न्याय दिलाने की गुहार लगाई। इस पर अधिकारी ने उन्हें मैसेज कर कहा कि अभी वह दूसरे केस में लगे हैं। उनकी जांच पूरी होने के बाद संजीत के केस की जांच करेंगे। रुचि ने बताया कि अधिकारी आश्वासन तो दे रहे हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है।

पड़ोसी के नाम पर 36 साल से कर रहा सरकारी नौकरी, जांच के बाद किया गया निलंबित

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश सरकार ने गोरखपुर में 36 साल से फर्जी नाम से नौकरी करने के आरोपित रवि प्रकाश चतुर्वेदी को निलंबित कर दिया। वे जिला समाज कल्याण अधिकारी गोरखपुर में प्रधान सहायक के पद पर तैनात थे। गोरखपुर के जिलाधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर समाज कल्याण निदेशक राकेश कुमार ने सोमवार को निलंबन के आदेश जारी कर दिए। रवि प्रकाश चतुर्वेदी को 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होना है। दरअसल, गोरखपुर समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में तैनात प्रधान सहायक रवि प्रकाश चतुर्वेदी पर आरोप है कि वे अपने गांव के ही पड़ोसी रवि प्रकाश मिश्रा के नाम पर नौकरी कर रहे हैं।

खुद रवि प्रकाश मिश्रा ने इसकी शिकायत जिलाधिकारी से की है। जिलाधिकारी ने तत्काल दो सदस्यीय जांच समिति गठित कर जांच कराई। जांच में पाया गया कि चार फरवरी 1985 को रवि प्रकाश मिश्रा के नाम से नियुक्ति पत्र जारी हुआ था, तभी से रवि प्रकाश मिश्रा के नाम पर रवि प्रकाश चतुर्वेदी नौकरी कर रहे हैं। जिलाधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर समाज कल्याण निदेशक राकेश कुमार ने रवि प्रकाश चतुर्वेदी को निलंबित कर दिया। उन्हें मंडलीय उप निदेशक समाज कल्याण गोरखपुर मंडल से संबद्ध कर दिया गया है। इस मामले की जांच मंडलीय उप निदेशक समाज कल्याण, वाराणसी मंडल को सौंपी गई है। पिछले दिनों गोरखपुर जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में प्रधान सहायक पद पर फर्जी नियुक्ति से जुड़े विवाद में दोनों पक्ष आमने सामने आ गए थे। आरोपित ने अपनी नियुक्ति को सही बताया तो दूसरी ओर एक व्यक्ति ने सामने आकर दावा किया है कि वही रवि प्रकाश मिश्रा हैं, जिनके नाम पर रवि प्रकाश चतुर्वेदी ने पूरी नौकरी कर ली।

अब जांच के बाद रवि प्रकाश चतुर्वेदी को निलंबित कर दिया गया है। आरोपित रवि प्रकाश चतुर्वेदी ने दावा कि था उन्हें दोषी नहीं बताया गया है बल्कि नियुक्ति पर संदेह जताया गया है। रवि प्रकाश चतुर्वेदी का कहना है कि फरवरी 1985 में उनकी नियुक्ति कनिष्ठ लिपिक के पद पर जिगना में हुई थी। चित्तौरा बहराइच में उनकी नियुक्ति नहीं की गई थी।

महिला संवाद कार्यक्रम में पहुंचीं प्रियंका गांधी वाड्रा, आधी आबादी पूछ रही वादों की क्या है गारंटी

आगरा (एजेंसी)
प्रियंका गांधी वाड्रा ने फीरोजाबाद के सिरसागंज में नारा लगवाकर शुरू किया महिला संवाद। महिलाओं की भीड़ से आई श्वेता ने पूछा आपके वादे की गारंटी क्या है। इस पर प्रियंका बोलीं इसीलिए मैं चाहती हूं कि महिलाएं समझें कि किस तरह की राजनीति हो रही है। इसे बदलें। हम अपनी घोषणाएं पूरी करने का वचन दे रहे हैं। हम गारंटी कार्ड घर घर भेज रहे हैं। गृहणी नेहा ने कहा कि प्रियंका जी ने महिलाओं के लिए नारा दिया है। समस्याएं तो तब खत्म हो जाएंगी जब आप सत्ता में आएंगी।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका ने महिलाओं को साल में तीन सिलेंडर मुफ्त देने। गांव में महिलाओं के लिए रोजगार देने और महिलाओं के संम्मान की बात छेड़ी। फीरोजाबाद में चूड़ियां बनाने का काम करने वालीं शाइन ने पूछा कि ऐसा कुछ करें कि गांव गांव महिलाओं को रोजगार मिले और बराबरी का हक मिले। प्रियंका बोलीं ये मेहरबानी नहीं आपका हक है। हम भर्तियां कैसे करेंगे रोजगार। कैसे देंगे इस पर प्लान तैयार किया जा रहा है। जल्दी जारी होगा। यूपी में बड़ी संख्या में नौकरियां खाली हैं। जो परीक्षाएं रदद् हो गई हैं। उन पर प्लान बनाएंगे। अधिवक्ता रीना कुशवाहा ने पूछा कि अधिवक्ताओं के लिए किसी सरकार ने नहीं सोचा। कभी भी हत्याएं हो जाती हैं। न पेंशन है और न सुरक्षा। इसके लिए कुछ करें। प्रियंका ने धन्यवाद दिया। पुलिसभर्ती में 25 फीसद भर्ती होगी मुफ्त कानूनी सहायता दी जाएगी। महिलाओं के साथ होने वाले अपराध पर कार्रवाई कड़ी होगी। नीतू ने सवाल किया कि महिला आरक्षण बिल अब तक संसद से पास नहीं हुआ है। प्रियंका बोलीं हम ये बिल लेकर आए थे। हम सरकार को मजबूर करेंगे। हमने 40 फीसद टिकट की घोषणा की तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं की रैली की। अखिलेश ने वादे किए। आशा समूह की मनीषा ने कहा कि आंगनबाड़ी की तरह हमारी समस्या है। 24 घण्टे काम करना होता है। अपने बच्चों को नहीं

देख पाते हैं। हमें सम्मान मिले। प्रियंका बोलीं आप सभी ने बहनों की समस्याओं को सुना। सबका कहना है कि शोषण हो रहा है। ये सरकार महिलाओं के हक को नकारती है। महिलाओं की शक्ति नहीं समझ रही। एक सिलेंडर दे दिया ये नहीं पूछा दूसरा कहां से आएगा। घोषणाएं की जाती हैं पूरा नहीं किया जाता। अब महिलाओं को नकारा नहीं जा सकता। महिलाओं के जन्म से ही संघर्ष शुरू होता है। पढ़ाई के लिए संघर्ष करना पड़ता है। इसके बाद शादी के बाद नया संघर्ष होता है। अब शक्ति दिखानी होगी। प्रियंका ने आगे कहा कि आज आवाज आपकी बुलंद हुई है। सरकार अब आशा और आंगनबाड़ी का मानदेय बढ़ा रही है। हर पीएचसी पर महिला डॉक्टर बहनों के लिए हैं। दक्षता के लिए ट्रेनिंग सेंटर बनाएंगे। 20 लाख रोजगार देंगे इनमें से 8 लाख महिलाओं को देंगे। 40 फीसद महिलाओं को टिकट देंगे इससे राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। नेता घोषणा करके चले जाते हैं। इसमें आपकी भी गलती है। जब वोट की बारी आती है तो आप जातियों में बंट जाते हैं। नेताओं की जवाबदेही तय करनी होगी। आपने बच्चों के भविष्य की सोचिए।

हमारी पार्टी नकारात्मक नहीं सिर्फ सकारात्मक बातें कर रही है। हम आपके लिए क्या करेंगे ये बताएंगे। चूड़ी बनाती महिला को एक तोड़े के 3 रुपये मिलते हैं। महंगाई में कैसे होगा। प्रधानमंत्री अपने उद्योगपति मित्रों को सरकारी संस्थाएं दे रहे हैं। जब प्राइवेट कंपनियां आएंगी तो आरक्षण कैसे मिलेगा। महिलाएं आएंगी तो बदलाव लाएंगी। अपनी शक्ति को पहचानो। लड़की हूं का नारा चुनावी नहीं है। आपके लिए है। आपको सशक्त करने के लिए है। देश के हर घर में महिलाएं हैं। सब एकजुट हो जाएं। महिलाओं से संवाद समाप्त करने के बाद कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव महिलाओं से व्यक्तिगत मुलाकात कर रही हैं। फीरोजाबाद के सिरसागंज के गिरधारी इंटर कॉलेज मैदान पर प्रियंका गांधी वाड्रा पहुंच चुकी हैं। ढोल बजाकर स्वागत हो रहा है। कांग्रेस के महिला संवाद कार्यक्रम से पहले प्रियंका गांधी वाड्रा मक्खनपुर के तुर्किया पहुंच गइ हैं। तुर्किया में सितारा देवी के घर पहुंची कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका ने चूड़ी सजाने की जानकारी ली। साथ बैठकर उनके कपड़े तह किया। प्रियंका के अपनत्व से स्थानीय महिलाएं गदगद हो गईं। उधर फीरोजाबाद की महिलाएं प्रियंका गांधी वाड्रा की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में पहुंच चुकी हैं। चार सौ फीट लंबा रैंप इंतजार कर रहा है। बस कुछ ही देर में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सिरसागंज पहुंचने वाली हैं। लड़की हूं लड़ सकती हूं के नारे से साथ चुनावी समर में उतरी कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी बुधवार को सिरसागंज में सुहागनगरी की महिलाओं से संवाद करने वाली हैं।

ठण्ड में ह्रदय रोगियों की ह्रदय रोग से सुरक्षा एवं बचाव जरूरी : डॉ असित खन्ना

ओपन सर्च. संवाददाता

गाजियाबाद। यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी, गाजियाबाद के वरिष्ठ ह्रदयरोग विशेषज्ञ डॉ असित खन्ना ने मौसम परिवर्तन और बारिश के बाद बढ़ती हुई ठण्ड में अपने ह्रदय की सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ठण्ड के दिनों में ह्रदय रोगियों को दिक्कत बढ़ जाती है, तापमान कम होने से खून की नालियां सिकुड़ जाती हैं और ह्रदय को रक्त पहुंचने वाली धमनियों में खून का संचार अवरोधित हो सकता है और ह्रदय तक ऑक्सीजन पहुंचने की मात्रा कम हो जाती है। इससे ह्रदय को शरीर में खून और ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए अतिरिक्त श्रम करना पड़ता है जिसकी वजह से अन्य कारणों के मिलाने से ह्रदयाघात का ख़तरा बढ़ जाता है और मरीजों के अस्पताल में भर्ती होने की संख्या भी बढ़ जाती है। साथ ही ह्रदय गति रुकने से मौत होने के मामले भी बढ़ जाते हैं। उन्होंने बताया कि ठण्ड के दिनों में धूप निकलने के बाद ही ह्रदय रोगी टहलने निकलें, पर्याप्त ऊनी कपड़े के साथ अंदर वार्मर भी पहनें। जहां तक हो आयल वाले हीटर का प्रयोग कर अपने घर को गर्म रखें। शारीरिक ऊर्जा प्राप्त करने के अल्कोहल, धूम्रपान, वसा युक्त भोजन से बचें। उसकी जगह संतुलित भोजन एवं ड्राई फ्रूट्स लें। घर में नियमित व्यायाम करें और अचानक से घर से बाहर न निकलें। अपने ब्लड प्रेशर को मॉनिटर करें और इसे बढ़ने ना दें। अपनी दवाइयां समयानुसार लेते रहे और जांचें नियमित रूप से कराते रहें। यदि कोई असुविधा महसूस हो तो तुरंत अपने ह्रदय रोग चिकित्सक से संपर्क करें। डॉ असित खन्ना ने कहा कि ह्रदय रोगियों को अपनी जेब में या एक आई डी कार्ड या

बैंड बना कर अपने पास जरूर रखना चाहिए और यदि ह्रदयाघात के कोई भी लक्षण महसूस हों जैसे कि अगर छाती में दबाब, पसीना आना, दोनों बाजू में दर्द या बाएं हाथ में दर्द, पसीना आना, घबराहट होना तो ये हार्ट अटैक हो सकता है। आमतौर पर लोग इन लक्षणों को गैस समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि यह एक गंभीर समस्या है, जो मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। सीने में दर्द, जलन व भारीपन हार्ट अटैक की निशानी है। इन लक्षणों को नजरअंदाज करने की बजाय तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉ खन्ना ने जोर देते हुए कहा कि दिल का दौरा पड़ने की स्थिति में सभी ह्रदय रोगियों एवं बुजुर्गों के पास जीवन रक्षक दवाएं एक पाउच में हमेशा उपलब्ध होनी चाहिए, जिनमें 6 गोलियाँ प्रमुख हैं = जोर से चक्कर आने पर, अचानक से घबराहट, पसीना और उल्टी होने पर तुरंत डिस्प्रिन 325 मिली ग्राम की 1 टैबलेट (1 कटोरी पानी में घोल कर लेनी है), क्लोपिडोग्रिल 75 मिली ग्राम की 4 टैबलेट (एक साथ पानी से लेनी है) और एटोरवास्टेटिन 80 मिली ग्राम की 1 गोली (पानी से लेनी है) और अतिरिक्त एक गोली सॉर्बिट्रेट की तब लेनी है जब सीने में भारीपन और दर्द हो, विशेषतः सीने में बायीं तरफ तो जीभ के नीचे सॉर्बिट्रेट की 5 मिलीग्राम की 1 गोली पानी से लेनी है। और यह दवाइयां लेने के बाद जल्द से जल्द नजदीक के ह्रदय रोग के इलाज की सुविधा वाले या इमरजेंसी वाले हॉस्पिटल में मरीज को पहुँचाना है। डॉ खन्ना ने बताया कि अगर ह्रदय संबंधी बीमारियों से बचना है तो अपने ह्रदय को स्वस्थ रखने के लिए निम्नलिखित उपाय करें, ये सहायक सिद्ध हो सकते हैं - पहला, प्रतिदिन अन्य कार्यों की तरह ही व्यायाम के लिए भी समय निकालें।

आत्म निर्भर करता दिव्यांग

ओपन सर्च ब्यूरो

मेरठ। राजबाला दिव्यांग सेवा समिति मेरठ के तत्वाधान में दिव्यांग जनों के सामाजिक व आर्थिक पुनर्वास के उद्देश्य से प्रयासरत को ध्यान में रखते हुए दिव्यांग जन हेतु धूप बत्ती बनने के लिए निशुल्क व्यवसायिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कराया जाना सुनिश्चित हुआ है, जिसके उपरांत आपको प्रमाण पत्र दिया जाए, जो आपके अपने कार्यो, बैंक लोन, आदि में मान्य होगा, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक विशेष बैठक का आयोजन ग्राम खजूरी में विकलांग साथी ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष परवेज अली के कार्यालय मीटिंग का आयोजन हुआ मीटिंग की अध्यक्षता कर रहे राजबाला दिव्यांग सेवा समिति से श्री शिवकेश तिवारी जी ने पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यक्रम की जानकारी दिव्यांग जनों को दी इस अवसर पर विकलांग साथी ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष परवेज अली खजूरी नवाबुद्दीन सैफी गोलू पवार नितिन कुमार नारायण सिंह बंटी कुमार मनोज कुमार आदि दिव्यांगजन उपस्थित रहे

वो पी रहे, हम घुट-घुट कर जी रहे; पति के नशे की लत बढ़ा रही महिलाओं का तनाव

गोरखपुर (एजेंसी)
पति की नशे की लत महिलाओं का स्वास्थ्य बिगाड़ रही है। वे मानसिक रोग की शिकार हो रही हैं। रोज घर में कलह व मारपीट की घटनाएं होने से वे तनाव में हैं। यह तनाव बढ़कर उदासी (डिप्रेशन) में परिवर्तित हो रहा है। जिला अस्पताल में रोज लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं तनाव, उदासी, सिर दर्द, घबराहट व बैचेनी की शिकायत लेकर आ रही हैं।

पूछने पर बताती हैं कि पति बेहिसाब पी रहे और हम घुट-घुटकर जी रहे हैं। उपचार के लिए इन बीमारियों से पीड़ित लगभग सभी महिलाएं कमजोर आय वर्ग की हैं। बसंतपुर की एक महिला ने जिला अस्पताल के मानसिक रोग विभाग के ओपीडी में पहुंचकर अपनी परेशानी बताई। उन्होंने कहा कि हमेशा तनाव में रहती हूं। हमेशा सिर दर्द बना रहता है। छोटी-छोटी बात पर बच्चे को मार देती हूं, फिर बाद में पछताती हूं। किसी काम में मन नहीं लगता। हमेशा रोना आता है। कहीं भाग जाने का मन करता है। मानसिक रोग विशेषज्ञ ने जब परिवार के बारे में पूछा तो वह बताने लगीं कि उनके पति रोज शराब पीकर आते हैं। मारपीट करते हैं। मेरी व बच्चों की जिम्मेदारियां नहीं उठाते हैं। घर की जरूरतें पूरी करने के लिए मुझे मोहल्ले में काम करना पड़ता है। मियां बाजार की एक महिला रोगी ने बताया कि उसे घबराहट बहुत होती है। नींद नहीं आती है।

उसे ज्यादातर बातें भूल जाती हैं। हमेशा तनाव में रहती है। पति रोज पीकर आते हैं, मारपीट करते हैं। वह ठेला लगाते हैं, खुद जो कमाते हैं, उसका शराब पी जाते हैं। मैं मेहनत-मजदूरी करके जो कमा कर लाती हूं, वह भी छीनने लगते हैं। उन्हें न परिवार के खर्च से मतलब है न किसी के स्वास्थ्य से। यह रोज की कहानी है। मैं ऊब गई हूं। लगभग इसी तरह की कहानी जिला अस्तपाल के मानसिक रोग विभाग के ओपीडी में आ रही 70 प्रतिशत महिलाओं की है।

जनता के लिए खुल गए कानपुर मेट्रो के दरवाजे, आइआइटी से मोतीझील तक नौ स्टेशन की खास बातें और तस्वीरें

कानपुर (एजेंसी)
कानपुरवासियों का दो साल का इंतजार खत्म हो गया और सुबह छह बजते ही मेट्रो के गेट सफर के लिए खुल गए। छह बजते ही मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों का पहुंचना शुरू हुआ और सबसे पहली ट्रेन में सफर करके यादगर पल को अपने कैमरे में कैद किया। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सफर करने के बाद बुधवार से मेट्रो ट्रेन जनता की सेवा के लिए समर्पित हो गई।

कानपुर मेट्रो के दो कॉरीडोर में आइआइटी से मोतीझील तक प्राथमिक कॉरीडोर में नौ स्टेशन शुरू हो गए हैं। इन स्टेशनों के बीच तीन कोच वाली मेट्रो ट्रेन की शुरुआत हुई है। आइए, नौ स्टेशन वाले प्राथमिक कॉरीडोर की मेट्रो की कुछ खास बातें...। मेट्रो का प्राथमिक कॉरीडोर आइआइटी से मोतीझील तक बनाया गया है, इसके बीच में नौ स्टेशन हैं। इसमें आइआइटी, कल्याणपुर, एसपीएम, विश्वविद्यालय, गुरुदेव, गीतानगर, रावतपुर, एलएलआर और मोतीझील स्टेशन हैं। इनके बीच की दूरी नौ किमी है और यात्रियों को हर पांच मिनट में एक ट्रेन मिलेगी। फिलहाल चार मेट्रो ट्रेनों का संचालन होगा और दो ट्रेनें रिजर्व में डिपो में खड़ी रहेंगी। मेट्रो ने कनपुरियों की पान मसाला खाने की आदत छुड़ाने पर ध्यान दिया है, सभी स्टेशन के गेट पर यात्रियों की तलाशी के बाद प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद यात्री टिकट खरीद कर प्लेटफार्म तक जा सकेंगे। मेट्रो के हर स्टेशन पर क्यूआर कोड वाली पर्ची वाला टिकट दिया जाएगा। ध्यान रखने वाली बात यह है कि इसे मोड़ना नहीं है वरना एंट्री प्वाइंट पर पर्ची स्कैन न होने पर यात्रा से वंचित रह सकते हैं। मेट्रो ने न्यूनतम किराया दस रुपये और अधिकतम तीस रुपये रखा है। पहली मंजिल पर टिकट लेने के बाद यात्री दूसरी मंजिल पर बने प्लेटफार्म पर जा सकेंगे। स्टेशन की हर मंजिल पर सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए हैं, जो असुविधा होने पर यात्री की मदद भी करेंगे।

मेट्रो स्टेशन के गेट पर मेन स्कैनर के अलावा लगेज स्कैनर भी लगाया गया है। इसमें बैग आदि रखने के बाद स्कैन होने पर दूसरे छोर पर प्राप्त कर सकेंगे। इस प्रक्रिया के बाद ही प्लेटफार्म तक पहुंच सकते हैं। मेट्रो ट्रेन के अंदर ऑटोमेटिक वायस एड्रेसिंग सिस्टम काम करेगा, जो स्टेशन आने से पहले यात्रियों को उसकी सूचना उपलब्ध कराएगा। मेट्रो ट्रेन के कोच के गेट का कमांड चालक दल के हाथ में होगा। स्टेशन आने पर गेट ऑटोमेटिक न खुलकर चालक के कंट्रोल से खुलेंगे और बंद होंगे। हर कोच में पैनिक बटन होगा, जो खासकर महिलाओं की मदद के लिए होगा। किसी अप्रिय स्थिति में उसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। इससे सूचना चालक के पास पहुंच जाएगी।

यूपी में अब 31 मार्च तक लागू रहेगा कोरोना महामारी अधिनियम, बढ़ते संक्रमण की वजह से फैसला

लखनऊ (एजेंसी)
उत्तर प्रदेश में कोरोना महामारी अधिनियम अब 31 मार्च, 2022 तक लागू रहेगा। उत्तर प्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिनियम 2020 की अवधि अभी 31 दिसंबर, 2021 को खत्म हो रही थी लेकिन कोरोना के लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए अवधि को तीन महीने बढ़ाने का फैसला किया गया है।

इसके तहत लोगों को कोरोना प्रोटोकाल का पालन करना जरूरी होगा। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद की ओर से इसके आदेश जारी कर दिए गए हैं। राज्य सरकार की ओर से यह भी घोषित किया गया है कि पूरा प्रदेश कोविड-19 से प्रभावित है। प्रदेश में अब कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में लोगों को कोविड प्रोटोकाल का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। यूपी में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या में हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए संसाधन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। 30 दिसंबर को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी जिलों में तैयारियों की जानकारी लेंगे। फिर इन तैयारियों को तीन व चार जनवरी 2022 को फिर से माकड्रिल की जाएगी। कोरोना की संभावित तीसरी लहर से मुकाबले

के लिए इंतजाम कितने पुख्ता हैं, इसकी थाह लेकर कमियों को दूर किया जाएगा। पहले 16 व 17 दिसंबर को माकड्रिल की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश में मेडिकल कालेजों से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक कोरोना से निपटने के लिए इंतजाम किए गए हैं। मेडिकल कालेजों में पीडियाट्रिक आइसीयू (पीकू) व नियोनेटल आइसीयू (नीकू) के 100 बेड तैयार किए गए हैं। 100 से कम बेड वाले जिला अस्पतालों में 20 सामान्य बेड, आठ एचडीयू व चार आइसीयू बेड बढ़ाए गए हैं।

100 से अधिक बेड वाले जिला अस्पतालों में 30 सामान्य बेड, आठ एचडीयू व चार आइसीयू बेड बढ़ाए गए हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चार-चार बेड बढ़ाए गए हैं। प्रदेश में कुल 1.50 लाख बेड की व्यवस्था की गई है। अभी तक 551 आक्सीजन प्लांट अस्पतालों में शुरू किए जा चुके हैं। करीब 30 हजार आक्सीजन कंसंट्रेटर अस्पतालों को उपलब्ध कराए गए हैं। हर जिले में अब कोरोना की आरटीपीसीआर जांच के लिए लैब स्थापित की जा चुकी है।

कोरोना से बचाव के लिए टेस्ट की संख्या में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। 80 हजार निगरानी समितियों की मदद से बाहर से आ रहे लोगों पर नजर रखी जा रही है। सरकारी व निजी कार्यालयों और प्रतिष्ठानों में करीब 67 हजार कोविड हेल्प डेस्क तैयार कर लोगों की स्क्रीनिंग की जा रही है।

एक नज़र

ज़म ज़म फाउन्डेशन में बदलाव की तैयारी

ओपन सर्च. संवाददाता

नई दिल्ली। ज़म ज़म फाउन्डेशन ने पिछले एक वर्ष में धुंआधार तरीके से एक के बाद एक कार्यक्रम का आयोजन करके अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है पिछले एक वर्ष में 15 सफल कार्यक्रमों का आयोजन करके ज़म ज़म फाउन्डेशन का नाम भी दिल्ली की जानी मानी संस्थाओं में शुमार हो गया है यही कारण है कि सामाजिक, धार्मिक व राजनेतिक क्षेत्र में रहकर मानव सेवा के कार्यो में रुचि रखने वाले लोग ज़म ज़म फाउन्डेशन से जुड़ने की इच्छा जता रहे है सबसे अच्छी बात यह है कि ज़म ज़म फाउन्डेशन सभी धर्मो के लोगों को साथ लेकर चल रही है और सिर्फ मानव सेवा की ही बात करती है ज़म ज़म फाउन्डेशन के प्रमुख संरक्षक श्री योगेन्द्र सिंह मान ने बताया कि अभी तक के सारे कार्यक्रम फाउन्डेशन के पदाधिकारियों और सदस्यों के सहयोग से ही हुए है और बाहर के किसी भी व्यक्ति से कोई भी आर्थिक सहयोग नही लिया गया है श्री योगेन्द्र सिंह मान ने कहा कि जल्द ही फाउन्डेशन का विस्तार किया जाएगा और जो सदस्य फाउन्डेशन में अच्छा काम कर रहें है उन्हें दायित्व देकर मेन टीम में जगह दी जाएगी ज़म ज़म फाउन्डेशन के अध्यक्ष शमीम अहमद खान ने बताया कि जल्द ही फाउन्डेशन की टीम में कुछ बदलाव करके काम करने वाले लोगों को ही तरजीह दी जाएगी ताकि फाउन्डेशन निरन्तर अपने मानव सेवा के कार्य करती रहें

जेएनयू ने काउंसलिंग दिशानिर्देशों से आपत्तिजनक टिप्पणी हटाई, दोबारा जारी होगी गाइडलाइंस

नई दिल्ली (एजेंसी) परिसर में यौन उत्पीड़न के मामलों को रोकने के लिए जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय काउंसलिंग करेगा। जनवरी से हर माह काउंसलिंग सेशन आयोजित किए जाएंगे। जिसके लिए छात्र-छात्राओं से पंजीकरण करने को कहा जा रहा है। इस बाबत जेएनयू ने विस्तृत दिशानिर्देश भी जारी किए थे। हालांकि छात्र संगठनों ने काउंसलिंग के संबंध में जारी दिशानिर्देश की भाषा पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि दिशानिर्देश की भाषा छात्राओं को ही दोषी मानने की प्रवृति पर आधारित है।

जेएनयू ने पहले पहल तो काउंसलिंग दिशानिर्देश बदलने से इनकार कर दिया था। हालांकि चौतरफा दबावों के सामने झुकते हुए जेएनयू ने दोबारा काउंसलिंग दिशानिर्देश जारी किए हैं। जेएनयू दिशानिर्देशों में कहा गया था कि परिसर में सामने आए हालिया यौन उत्पीड़न के मामलों में आरोपी घनिष्ट मित्र थे। लड़के आमतौर पर (कभी जानबूझकर कभी अनजाने में) दोस्ती और यौन उत्पीड़न के बीच की रेखा को लांघ जाते हैं। लड़कियों को यह जानना चाहिए कि वह ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए (खुद और अपने पुरुष दोस्तों के बीच) एक वास्तविक रेखा कैसे खींचें। पुरुष दोस्तों से उचित दूरी बनाकर रखी जाए। जेएनयू ने कहा था कि यह काउंसलिंग पूरी तरह एच्छिक होगा। 17 जनवरी तक आनलाइन पंजीकरण करवाना होगा। यौन उत्पीड़न की काउंसिलिंग मसले पर जेएनयू की चौतरफा आलोचना हो रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने आंतरिक शिकायत समिति को पत्र लिखा था।

पकड़े गए दो कर्मचारी, निजी लैब के लिए करते थे काम

नई दिल्ली (एजेंसी) एम्स में मंगलवार को अलग-अलग निजी लैब के लिए काम करने वाले दो कर्मचारी पकड़े गए हैं, जो मरीजों को कम कीमत पर जांच कराने का लालच देकर बाहर जांच कराने ले जाते थे। एक की पहचान जितेंद्र नाम के व्यक्ति के रूप में हुई है, जो मदनगीर खानपुर का रहने वाला है। दूसरा आरोपित राहुल पाठक है, जो बुराड़ी का रहने वाला है। एम्स के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने उन्हें पुलिस के हवाले कर मामला दर्ज करने के लिए कहा है। पुलिस को दी गई शिकायत में एम्स ने उन पर मरीजों को बरगलाने का आरोप लगाया है।

एम्स के अनुसार जितेंद्र के पास से चार पेट सीटी स्कैन की रिपोर्ट भी मिली हैं। राहुल पाठक नाम का आरोपित एक लैब में मार्केटिंग मैनेजर के पद पर काम करता है। एम्स का कहना है कि संस्थान में अत्याधुनिक लैब मौजूद हैं, जहां ख्याति प्राप्त डाक्टरों की देखरेख में जांच की जाती है और रिपोर्ट बिल्कुल सही होती है। इसलिए मरीज किसी के बहकावे में न आएं। उधप दिल्ली में कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है।

दिसंबर के शुरुआती दिनों में जहां प्रतिदिन राजधानी में 20-30 कोरोना के मरीज आ रहे थे, वहीं अब यह संख्या 300 को पार कर गई है। यही नहीं, कोरोना के ओमिक्रोन वैरिएंट से संक्रमित मरीजों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। सोमवार को ओमिक्रोन के जहां 63 नए मामले सामने आए थे, वहीं मंगलवार को भी इसके 23 नए मरीज मिले, जो दर्शाता है कि ओमिक्रोन का संक्रमण भी दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। ऐसे में हालात की गंभीरता को समझते हुए ग्रेप के नियम लागू किए गए हैं, तो इनका पालन कराने के प्रति पूरी सख्ती भी बरती जानी चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता की झूठी घोषणा करना जनप्रतिनिधत्व अधिनियम के तहत भ्रष्ट आचरण : दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी) एक लंबित याचिका को रद करने की मांग करते हुए आम आदमी पार्टी के विधायक विशेष रवि के आवेदन पर दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि किसी उम्मीदवार की शैक्षणिक योग्यता के संबंध में झूठी घोषणा को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 के तहत भ्रष्ट आचरण के दायरे में लाया जा सकता है। न्यायमूर्ति राजीव शकधर की पीठ ने कहा कि अधिनियम की धारा 123(4) को केवल पढ़ने से पता चलता है कि एक उम्मीदवार द्वारा अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी भी गलत बयान का प्रकाशन एक भ्रष्ट आचरण में आता है और इसमें उसकी शैक्षणिक योग्यता से संबंधित जानकारी भी शामिल है।

पीठ ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि मतदाताओं को उम्मीदवारों के पूर्ववृत्त को जानने का मौलिक अधिकार है। पीठ ने उक्त टिप्पणी विशेष रवि के उस आवेदन पर की, जिसमें उन्होंने उनके निर्वाच को चुनौती देने वाली भाजपा नेता योगेंद्र चंदोलिया की याचिका को रद करने की मांग की है। चंदोलिया ने विशेष रवि पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने शपथ पत्र में शैक्षणिक योग्यता की गलत जानकारी दी है, ऐसे में उन्हें अयोग्य घोषित किया जाए। चंदोलिया ने पिछले विधानसभा चुनाव में रवि के खिलाफ चुनाव लड़ा था। रवि ने अपने आवेदन दाखिल करके योगेंद्र चंदोलिया की चुनौती याचिका को खारिज करने की मांग की थी। हालांकि, पीठ ने इस स्तर पर योगेंद्र चंदोलिया कीआपत्तियों को खारिज करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि याचिका से पता चलता है कि रवि ने उच्चतम शैक्षणिक शिक्षा के संबंध में अलग-अलग जानकारी दी है।

ओमिक्रोन संक्रमण से पुलिसकर्मियों को बचाने के लिए दिल्ली पुलिस ने जारी एसओपी, डीसीपी को बनाया नोडल अधिकारी

वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए सभी डीसीपी को निर्देश दिए गए कि वे पहली व दूसरी लहर के दौरान पुलिसकर्मियों के इलाज के लिए रोहिणी व शाहदरा में बनाए गए 8 वेलनेस व 2 कोविड केयर सेंटरों को फिर से चालू कराकर वहां पहले की तरह जल्द मेडिकल इमरजेंसी सुविधाएं बहाल करा दें।

नई दिल्ली (एजेंसी)
कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रोन संक्रमण से पुलिसकर्मियों को बचाने के लिए दिल्ली पुलिस ने सभी तरह की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

पुलिस मुख्यालय ने बुधवार को सभी 15 जिलों व यूनिटों के डीसीपी को इलाज की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए नोडल स्वास्थ्य अधिकारी नियुक्त कर दिया। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए सभी डीसीपी को निर्देश दिए गए कि वे पहली व दूसरी लहर के दौरान पुलिसकर्मियों के इलाज के लिए रोहिणी व शाहदरा में बनाए गए 8 वेलनेस व 2 कोविड केयर सेंटरों को फिर से चालू कराकर वहां पहले की तरह जल्द मेडिकल इमरजेंसी सुविधाएं बहाल करा दें। उक्त सेंटरों में हर तरह की सुविधाएं हों ताकि किसी को कोई दिक्कत न आए।

ओमिक्रोन से बचने के लिए संशोधित एसओपी (मानक आपरेटिंग प्रक्रिया) भी जारी कर दिया गया है, जिसे सभी को हर हाल में पालन करने को कहा गया है। विशेष आयुक्त वेलफेयर शालिनी सिंह ने बुधवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों व इकाइयों के डीसीपी के साथ बैठक की। बैठक में ओमिक्रोन के सामुदायिक प्रसार के मद्देनजर समग्र तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य कल्याण पर पुलिस आयुक्त द्वारा जारी संशोधित एसओपी की सख्ती से पालन करने पर जोर दिया गया। बैठक में कहा गया कि संशोधित एसओपी अधिक लाभकारी है।

इसमें किसी भी तरह की बीमारी से पीड़ित और चिकित्सा उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कर्मियों के संपूर्ण स्वास्थ्य को शामिल किया गया है। जिलों के डीसीपी और यूनिटों के प्रमुखों को नोडल स्वास्थ्य अधिकारी बनाया गया है। अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी एसीपी अनिल मित्तल के मुताबिक बैठक में निर्देश दिए गए कि नोडल स्वास्थ्य अधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि इंस्पेक्टर या उनसे ऊपर के अधिकारी नियमित रूप से अस्पताल में भर्ती कर्मियों व उनके स्वजनों से तबतक मिलते रहेंगे जब तक वे ठीक नहीं हो जाते। बीमार कर्मियों के स्वास्थ्य पर जानकारी रखने के लिए कर्मियों व उनके स्वजनों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए भी संपर्क में रहें। जिला टीकाकरण केंद्रों को बदलने के लिए डीसी से संपर्क करें। सभी डीसीपी आक्सीजन सिलिंडर, कंसंट्रेटर, सेनिटाइजर, मास्क, दवा आदि के बारे में नियमित जायजा लेते रहें।

सभी उपकरणों को तैयार स्थिति में रखें। वे संक्रमण की रोकथाम और इलाज में कर्मियों को परामर्श देने के लिए डॉक्टरों के संपर्क में रहें। बूस्टर डोज के लिए कर्मचारियों के डाटा को अपडेट करना शुरू कर दें। पुलिसकर्मियों के परिवार के सदस्यों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करते रहें। 15-18 वर्ष के आयु वर्ग के उनके किशोरों को टीका के लिए कोविन एप पर पंजीकरण करने के लिए कहें। संपदा अधिकारी को एप डाउनलोड करने और पंजीकरण प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए पुलिस कालोनियों में हेल्प डेस्क स्थापित करने के लिए अनुरोध करें। सुबह और शाम की ब्रीफिंग के दौरान पुलिसकर्मियों को आवश्यक सावधानियों जैसे मास्क पहनने, दूरी बनाकर रहने और नियमित स्वच्छता को लेकर जागरूक करते रहें। वीसी में थानों, कार्यालय परिसर और वाहनों को नियमित रूप से साफ करने को कहा गया।

यह भी कहा गया कि आवश्यकता पड़ने पर कर्मियों को इम्युनिटी बूस्टर किट और कोविड सुरक्षा किट उपलब्ध कराएं। पहली व दूसरी लहर के दौरान कुछ सरकारी व निजी अस्पतालों में पुलिसकर्मियों के इलाज के लिए बेट आरक्षित कराए गए थे उसे फिर से कराने के निर्देश दिए गए। दिल्ली से बाहर रहने वाले कर्मियों के लिए क्वारंटाइन रूम की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया। ज्ञात रहे कोरोना की पहली लहर 2020 में 36 व दूसरी लहर 2021 में 43 पुलिसकर्मियों की कोरोना से मौत हो गई थी। उसे देखते हुए इस बार अत्यधिक सर्तकता बरती जा रही है।

स्कूलों ने नियम 134ए के तहत नहीं दिखा दाखिला तो एसडीएम दरबार पहुंचे बच्चों के अभिभावक

ओपन सर्च.संवाददाता

गुरुग्राम। अभिभावकों की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं और आखिरकार उन्हें अपने बच्चों के लिए लड़ी जा रही इस लड़ाई में बच्चों को भी साथ लेकर मैदान में उतरना पड़ा। इसी उमीद में कि शायद अब तो हमारी आवाज़ प्रशासन के कानों तक पहुँचेंगी। सभी अभिभावक बीईओ कार्यालय पहुँचे जहाँ बच्चों के हाथो में विनती भरें पर्चे थे जिन पर लिखा था कि डीसी अंकल हमारा दाखिला करादो। बीईओ कार्यालय से सभी अभिभावक बच्चों के साथ विनती भरे नारेबाज़ी करते हुए राजीव चोक से होते हुए डीसी कार्यालय पहुँचे। वहाँ पहुँचकर बच्चों ने कक्षा की तरह पढ़ायी की। बच्चों की उस गुहार पर भी जब डीसी साहब उनके समक्ष नहीं आए तो अभिभावको का आक्रोश सामने आया। मातायें अपने बच्चों के भविष्य के लिए विनती करते हुए बिखर पड़ी और आँसुओं के जिस सैलाब को वो रोकें हुए थे वो टूट ही गया।

सबने जब डीसी साहब की गाड़ी का घिराव करा तो डीसी ने अपना प्रतिनिधित्व करते हुए एडीसी साहब को भेजा। शायद बच्चों और अभिभावकों का सामना करने से वो क़तरा रहे थे या उन्हें शर्म आ रही थी। एडीसी साहब ने आकर एक सप्ताह का समय माँगा और दे दिया फिर से वही आश्वासन कि बच्चों का दाखिला होगा। साथ ही अपना रुख़ बदलते हुए एडीसी साहब ने कह दिया हम अपना काम अपने तरीक़े से करेंगे आपको जो करना हो वो करो। अभिभावकों ने फ़ैसला करा हैं कि जब तक हमें इंसाफ़ नहीं मिलेगा तब तक हम इसी तरह धरने पर बैठें रहेंगे।

विधायक आतिशी द्वारा गोविंदपुर स्थित नवजीवन कैम्प छेत्र में पानी की समस्या का समाधान

कालकाजी के गोविंदपुरी स्थित नवजीवन कैम्प में हर घर तक पानी, जल्द ही। पाइपलाइन बिछाने के काम का उद्घाटन किया, विधायक आतिशी ने

कालकाजी के गोविंदपुरी स्थित नवजीवन कैम्प में पानी की पुरानी समस्या से निजाद मिलने वाला है।

ओपन सर्च. संवाददाता

नई दिल्ली। कालकाजी के विधायक आतिशी द्वारा गोविंदपुर स्थित नवजीवन कैम्प छेत्र को बड़ी राहत देने जा रही आम आदमी की केजरीवाल सरकार। कालकाजी में गोविंदपुरी स्थित नवजीवन कैम्प के लिए ऐतिहासिक दिन।

सालों से लंबित सुद्ध पानी की पाइपलाइन द्वारा सप्लाई की समस्या का समाधान किया गया। 100त्त गलियों में पानी की नई पाइपलाइन बिछाने के काम का उद्घाटन किया, विधायक आतिशी ने। इस प्रोजेक्ट के साथ, दिल्ली जल बोर्ड कुछ ही दिनों में हर घर तक पानी पहुंचाने में सक्षम होगा। कुछ ही दिनों में दिल्ली जल बोर्ड ये काम खत्म कर देगा, और उसके बाद गली बनाने का, नाली बनाने का और जाली बिछाने का काम शुरू हो जाएगा।

आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार द्वारा ऐलान किया गया है कि पानी के कनेक्शन अब सीधे जल बोर्ड द्वारा दिए जाएंगे। इससे बिचौलियों से लोगों को निजात मिलेगी। दिल्ली सरकार जल प्रदूषण की समस्या को दूर करने के लिए सभी अधिकारी युद्ध स्तर पर काम करें। दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार 200 युनिट बिजली मुफ्त में दे रही है। इसके अलावा पानी भी फ्री में दिया जा रहा है। अब लोगों को मुफ्त में सीवर कनेक्शन भी दिया जा रहा है। सरकार के इस फैसले से हजारों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और साथ ही उनका पैसा भी बचेगा। नजीवन कैम्प में विधायक आतिशी की पदयात्राओं में महिलाएं इस समस्या को लगातार सामने रख रही थीं।

विधायक आतिशी समझती हैं कि महिलाओं के लिए पानी की पाइपलाइन सप्पलाई कितना ज़रूरी है। अपने वादे पर खरा उतरना केजरीवाल सरकार की पहचान है, और यही बात नवजीवन कैम्प की गलियों में आज लोग कह रहे हैं। लोग ये भी कह रहे हैं कि अब नगर निगम में भी आम आदमी पार्टी की सरकार बनाकर गन्दगी और भ्रष्टाचार से निजाद पाना है।

उद्घाटन पर स्थानीय निवासियों को संबोधित करते हुए विधायक आतिशी ने कहा ÷महिलाओं की शिकायत थी कि गलियों में फ़िसल जाते हैं तो चोट लगती है। इसलिए हमने साथ ही ये निर्णय लिया है कि पानी की नई पाइपलाइन बिछने के बाद, नालियों और गलियों का भी पुनः निर्माण होगा।

जारी रहेगी रेजिडेंट डाक्टरों की हड़ताल, केंद्रीय मंत्री के रुख से नाराज फोरडा ने किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)
नीट-पीजी काउंसलिंग में विलंब के विरोध में दिल्ली में डाक्टरों की हड़ताल के चलते लोगों को परेशानी हो रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया की ओर से काउंसलिंग शुरू करने और पुलिस द्वारा डाक्टरों पर दर्ज एफआइआर को वापस लेने का आश्वासन न मिलने से नाराज फेडरेशन आफ रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन (फोरडा) ने हड़ताल जारी रखने का ऐलान किया है। राजधानी दिल्ली में अब तक चलने वाली सबसे लंबी हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित हो रही हैं। उधर, मरीजों की परेशानी को देखते हुए पश्चिमी दिल्ली स्थित दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में रेजिडेंट डाक्टरों ने हड़ताल खत्म करने का ऐलान किया और बुधवार सुबह से ही ओपीडी में डाक्टर मौजूद हैं। वहीं, बुधवार सुबह ही गीता कालोनी स्थित चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय का गेट बंद है, जिस कारण बाहर खड़े मरीज और तीमारदार परेशान हैं।

बता दें कि सोमवार को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाल रहे रेजिडेंट डाक्टरों को पुलिस हिरासत में लेने और उन पर एफआइआर दर्ज करने से गुस्साए डाक्टरों ने मंगलवार को अधिकतर अस्पतालों में ओपीडी के साथ इमरजेंसी सेवाएं भी ठप कर दीं। इससे राजधानी दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई, यह स्थिति बुधवार को भी बरकरार है।

इससे पहले मंगलवार को किसी भी अस्पताल में भर्ती न किए जाने के कारण स्वजन ने निजी अस्पतालों में मरीजों को भर्ती कराया। लोकनायक, जीबी पंत, राम मनोहर लोहिया (आरएमएल), कस्तूरबा गांधी, हिंदू राव, बालकराम और लेडी हार्डिग मेडिकल कालेज से संबद्ध कलावती सरन और सुचेता कृपलानी अस्पताल में भी डाक्टरों ने काम नहीं किया।

कई मरीजों की सर्जरी भी टाल दी गई। वरिष्ठ डाक्टरों ने भी कम मरीजों को देखा। यमुनापार में अभी तक हड़ताल का असर जीटीबी अस्पताल तक सीमित था, लेकिन पुलिस कार्रवाई से भड़के डाक्टरों ने स्वामी दयानंद और चाचा नेहरू अस्पताल में भी काम ठप कर दिया। गीता कालोनी स्थित चाचा नेहरू अस्पताल में मुख्य द्वार ही मरीजों के लिए बंद था। जीटीबी में पिछले दस दिन से लगभग 40 फीसद क्षमता के साथ डाक्टर ओपीडी में बैठ रहे थे। मंगलवार को इसे भी बंद कर दिया गया। स्वामी दयानंद अस्पताल में ओपीडी के साथ गाइनी के मरीजों को भी भर्ती नहीं किया गया। उधर, अंबेडकर, संजय गांधी, वाल्मीकि और राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भी रेजिडेंट डाक्टरों ने काम नहीं किया। डाक्टरों ने इन अस्पतालों में बुधवार को पूरी तरह हड़ताल का ऐलान किया है। इसके लिए अस्पताल परिसर में नोटिस भी लगा दिए गए हैं।

हरिनगर स्थित दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में डाक्टरों की हड़ताल का ज्यादा असर नहीं दिखा। यहां वरिष्ठ चिकित्सक के साथ ही कंसल्टेंट भी चिकित्सा व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वहीं, एम्स में स्वास्थ्य सेवाएं समान्य रहीं। उधर, फोर्डा के अध्यक्ष डाक्टर मनीष ने बताया कि डाक्टरों पर दर्ज केस वापस लेने और नीट-पीजी काउंसलिंग शुरू होने तक हड़ताल जारी रहेगी।

दिल्ली मेट्रो के यात्रियों की परेशानी शुरू, स्टेशनों के बाहर लगी लंबी कतार

नई दिल्ली (एजेंसी)
कोरोना के बढ़ते मामलों की रोकथाम के लिए बुधवार से ग्रेडेड एक्शन रिस्पांस प्लान (ग्रेप) लागू हो गया है। इसके बाद दिल्ली मेट्रो 50 प्रतिशत सीटिंग कैपिसिटी के साथ दौड़ रही है, जिससे यात्रियों को दिक्कत आनी शुरू हो गई है।

दिल्ली मेट्रो के ज्यादातर स्टेशनों के बाहर यात्रियों की लंबी-लंबी कतार लग रही है। दरअसल, अब फिर पहले की तरह यात्री बुधवार सुबह से ही एक सीट छोड़कर ही बैठ रहे हैं। यह नजारा बुधवार सुबह से ही देखने को मिल रहा है। दिल्ली मेट्रो के कोच में खड़े होकर यात्रा करने की भी अनुमति नहीं मिली है, ऐसे में लोग सिर्फ बैठकर ही यात्रा कर रहे हैं। वहीं, सभी मेट्रो स्टेशनों पर औसतन दो गेट ही खुले हैं। इससे यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। बुधवार सुबह लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन के बाहर खड़े एक युवक ने बताया कि मैं यहां एक घंटे से रुका हुआ हूं। मेट्रो स्टेशन के बाहर इतनी लंबी लाइनें हैं कि मुझे समझ नहीं आ रहा है कि मैं अंदर कैसे जाऊं। मुझे

लाइन में ही घंटों लग जाएंगे। वहीं, दिल्ली के हौज़ खास मेट्रो स्टेशन पर एक महिला ने कहा कि सरकार द्वारा अच्छा निर्णय है। इससे कोविड मामले नियंत्रित होंगे।

थोड़ी परेशानी तो होगी, लेकिन सरकार का सहयोग करेंगे। मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति ने बताया कि मेट्रो के अंदर लाइन लगी हुई थी। थोड़ी दिक्क़त तो हुई पर सरकार ने अच्छा निर्णय लिया है।

दिल्ली सरकार कोरोना को लेकर हर स्तर पर तैयार, हमारे पास पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन, दवाइयां और बेड मौजूद : सत्येंद्र जैन

हम कोरोना की स्थिति पर लगातार नज़र बनाए हुए हैं और आवश्यकता के अनुसार हर संभव कदम उठाने के लिए तैयार हैं : सत्येंद्र जैन

विदेश से आ रहे यात्रियों में सबसे ज्यादा ओमिक्रॉन के मामले पाए जा रहे हैं, दिल्ली में अब तक ओमीक्रॉन के 238 मामले आए हैं, इसमें से 57 हुए डिस्चार्जः सत्येंद्र जैन

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री श्री सत्येंद्र जैन ने दिल्ली के लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार कोरोना को लेकर हर स्तर पर तैयार है। हमारे पास पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन, दवाइयां और बेड मौजूद हैं।

हम कोरोना की स्थिति पर लगातार नज़र बनाए हुए हैं और आवश्यकता के अनुसार हर संभव कदम उठाने के लिए तैयार हैं। विदेश से आ रहे यात्रियों में ओमिक्रॉन के सबसे ज्यादा मामले पाए जा रहे हैं। दिल्ली में ओमीक्रॉन के अब तक 238 मामले आएं हैं। इनमें से 57 लोग स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि हमने वैक्सीनेशन की क्षमता बढ़ा दी है और हम रोजाना तीन लाख तक वैक्सीनेशन करने में सक्षम हैं। जनवरी के पहले हफ्ते से बच्चों को वैक्सीन और बुजुर्गों को बूस्टर डोज़ देने के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी से अपील है कि ओमिक्रॉन से घबराने की नहीं, बल्कि सावधानी बरतने की जरूरत है।

सभी लोग मास्क लगाएं और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री श्री सत्येंद्र जैन ने मंगलवार को प्रेस को संबोधित कर कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन पर दिल्ली की स्थिति पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली में कुल 238 ओमिक्रॉन के मामले सामने आए हैं। इनमें से 57 मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं। दिल्ली में कुल 4 जीनोम सिक्वेंसिंग लैब हैं, जो अपनी पूरी क्षमता से कार्य कर रही हैं। डेल्टा वेरिएंट के मुक़ाबले ओमिक्रॉन वेरिएंट ज्यादा माइल्ड और कम घातक हैं। विदेशों से दिल्ली आने वाले लोग इस वेरिएंट से सबसे संक्रमित पाए जा रहे हैं। फिलहाल किसी भी मरीज को ऑक्सीजन लगाने की जरूरत नहीं पड़ी है और ज्यादातर मरीजों में मामूली लक्षण ही मिले हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली सरकार कोरोना के मामले बढ़ने पर और पाबंदियां लागू कर सकती है। यदि लगतार 2 दिन तक संक्रमण दर (पाजिटिविटी रेट) 1 फीसद से ज्यादा रहती है, तो दिल्ली में लेवल दो का अम्बर अलर्ट जारी कर दिया जाएगा। अम्बर अलर्ट जारी होने पर दिल्ली में स्कूल-कॉलेज, पार्क, रेस्टोरेंट (होम डिलीवरी छोड़कर) इत्यादि सब बंद रहेंगे, केवल आवश्यक सेवाओं को छूट रहेगी। नाइट कर्फ्यू को और सख्त कर दिया जाएगा। दिल्ली के हालातों पर स्वास्थ्य विभाग पैनी नज़र बनाए हुए हैं।

जरूरत पड़ने पर हर संभव कदम उठाने के लिए दिल्ली सरकार तैयार है। महामारी एवं स्वास्थ्य से संबंधित सभी विशेषज्ञ दिल्ली सरकार के साथ संपर्क में हैं और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े हर क़दम में सरकार का सहयोग दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्री सत्येंद्र जैन ने आगे कहा कि दिल्ली सरकार कोरोना पर काबू पाने के लिए हर संभव संसाधनों के साथ तैयार है। हमारे पास पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन, दवाइयां और अस्पतालों में बेड मौजूद हैं। जनवरी के पहले हफ्ते से बच्चों की वैक्सीन और बुजुर्गों को बूस्टर डोज़ लगाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। पहले से मौजूद वैक्सीनेशन सेंटर में ही बच्चों की वैक्सीन और बुजुर्गों को बूस्टर डोज़ लगेंगे। स्वास्थ्य मंत्री श्री सत्येंद्र जैन ने दिल्ली के लोगों से कोरोना से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन करने का आग्रह किया।

उन्होंने लोगों से सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षा के लिए मास्क पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील की और कहा कि कोरोना से घबराने की जरूरत नहीं है, केवल सावधानी ही इसका बचाव है। ओमिक्रॉन वेरिएंट कोरोना का ही वेरिएंट है और इसके इलाज़ एवं इस से बचने का प्रोटोकॉल भी पहले की तरह ही है। सभी लोग मास्क लगाएं और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। इस दौरान उन्होंने लोगों से कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज़ लेने की अपील भी की।

सम्पादकीय
ओपन सर्च

जिन्हें ईसा से नफ़रत है, मसीहाई वह क्या जानें

मानव इतिहास में ईसा मसीह का नाम प्रत्येक धर्म व जाति के लोगों द्वारा अत्यंत सम्मान से लिया जाता है। ईसाईयों का एक वर्ग ईसा को ईश्वर मानता है और प्रभु यीशु मसीह कहकर संबोधित करता है तो दूसरा वर्ग उन्हें ख़ुदा का बेटा इसलिये कहता है क्योंकि उनका जन्म अविवाहित व पवित्र मां मरियम के पेट से ईश्वरीय चमत्कार से हुआ था। उधर मुसलमानों में भी ईसा को इसलिये पूरा सम्मान दिया जाता है क्योंकि मुस्लिम मान्यताओं के अनुसार धरती पर अवतरित होने वाले एक लाख चौबीस हज़ार पैग़म्बरों में ईसा भी एक थे। उन्होंने मुहम्मद साहब से पहले अवतार लिया था।

धार्मिक मान्यताओं व विश्वासों से इतर ईसा मसीह धरती पर मानवता के लिये आदर्श मानव रूप में अवतरित हुये। करुणा, क्षमा, प्रेम, सेवा, सत्कार, शिक्षा, ग़रीबों, निर्बल, दुर्बल, असहाय,बीमार व कुष्ठ लोगों की सेवा को ही वे सबसे बड़ा धर्म व कर्तव्य मानते थे। किसी परोपकारी अथवा उद्धार करने वाले को मसीहा कहकर पुकारना ईसा के सेवा भाव का ही परिणाम है। आज भारत सहित पूरे विश्व में अनेकानेक शिक्षण संस्थान, अस्पताल, कुष्ठ रोगी अस्पताल, लावारिसों के लिये खुले होम्स आदि तमाम लोकहितकारी संस्थायें व संस्थान इन्हीं ईसा के मानने वालों द्वारा संचालित किये जा रहे हैं जिसका लाभ ईसाई तो कम ग़ैर ईसाई ज़्यादा उठा रहे हैं। भारत में अकेली मदर टेरेसा ने ही लाखों ग़ैर ईसाई अपेक्षित, तिरस्कृत व प्रताड़ित लोगों को नया जीवन प्रदान किया।

सेवा भाव में उनकी दूसरी मिसाल मौजूद नहीं। उनकी इन्हीं सेवाओं के लिये उन्हें भारत रत्न प्रदान किया गया था। परन्तु हर समय आँखों पर संप्रदायवाद का चश्मा लगाये रखने वालों को मानवता के प्रति इनकी सेवा, इनका त्याग व बलिदान नज़र नहीं आता। इन्हें सिर्फ़ यह दिखाई देता है कि चूँकि यह ईसाई संस्थायें हैं लिहाज़ा यह सारी सेवायें लोगों का धर्म परिवर्तन कराने के लिये ही की जाती हैं। सांप्रदायिकता की नज़रों से हर चीज़ को देखने वाले इन लोगों को यह भी बताना चाहिये कि मिशनरीज़ द्वारा चलाये जा रहे इन्हीं स्कूल व कॉलेज से शिक्षित होकर निकले करोड़ों छात्रों में से अब तक कितने छात्रों ने धर्म परिवर्तन किया और मिशनरीज़ संचालित अस्पतालों से स्वास्थ्य लाभ पाने वाले कितने मरीज़ों ने धर्म परिवर्तन किया ? इन्हें ईसा से भी दुश्मनी है, माँ मरियम से भी और अब तो गत 25 दिसंबर को हमारे देश में आगरा में तोहफ़े बांटने के प्रतीक सेंटा क्लॉज़ का भी पुतला यह कहकर फूँक दिया गया कि धर्म परिवर्तन हेतु लालच देने के लिये सेंटा क्लॉज़ तोहफ़े बांटता है। क्या पूरे विश्व में और इस परंपरा की शुरुआत से ही सेंटा क्लॉज़ धर्म परिवर्तन हेतु तोहफ़े बांटता है ? विश्व हिन्दू परिषद् के लोगों ने वाराणसी में भी सेंटा क्लॉज़ का पुतला फूंकने की योजना बनाई थी जिन्हें पुलिस ने नज़रबंद कर दिया क्योंकि पुलिस को कार्यक्रम की ख़बर पुतला दहन से पहले ही लग गई थी। गत 25 दिसंबर को तो हरियाणा का अंबाला जिला भी इन संप्रदायिकतावादियों की चपेट में आ गया। अंबाला ज़िले की गिनती आम तौर पर देश के शांतिप्रिय ज़िलों में की जाती है। साम्प्रदायिक दंगों अथवा धर्म जाति आधारित नफ़रत अथवा संघर्ष का भी इस ज़िले अथवा शहर का कोई इतिहास नहीं है।

परन्तु पिछले दिनों क्रिसमस के दिन अंबाला के इस शांतिपूर्ण वातावरण को न केवल अशांत करने का कुत्सित प्रयास किया गया बल्कि अंबाला को कलंकित भी कर दिया गया। अंबाला छावनी स्थित होली रिडीमर कैथोलिक चर्च के बाहर लगी यीशु मसीह की मूर्ति को कुछ असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया। 1843 में निर्मित यह चर्च अंबाला छावनी के सबसे प्राचीन भवनों में प्रमुख है। बताया जाता है कि 1948 में इटेलियन कैपुचिन की निगरानी में होली रिडीमर कैथोलिक चर्च का निर्माण किया गया था। अंबाला के इतिहास की इस तरह की यह पहली घटना है जिसकी वजह से यहां रहने वाले ईसाई समुदाय के लोगों में अपने व अपने धर्मस्थलों की सुरक्षा के प्रति चिंता को बढ़ा दिया है। देश के अनेक राज्यों में चर्च में तोड़ फोड़ करने,आगज़नी करने,ईसा मसीह व मरियम की मूर्तियों को खंडित करने के समाचार अक्सर आते रहते हैं। जिन शिक्षिकाओं द्वारा मिशनरीज़ स्कूल्स में शिक्षा दी जाती है,जिन्हें नन्स के नाम से जाना जाता है उनके साथ बलात्कार करने तक की दुःखद व शर्मनाक ख़बर सुनी जा चुकी है। क्या कोई धर्म यही सिखाता है कि जो हमारे बच्चों को शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाये उसका इस आरोप में बलात्कार किया जाये कि वह धर्म परिवर्तन कराती है? 1999 में ओड़िसा के मनोहरपुर क्षेत्र में इन्हीं क्रूर सांप्रदायिक शक्तियों द्वारा ऑस्ट्रेलियन मिशनरी ग्रहम स्टेंस व उनके दस वर्षीय पुत्र फ़िलप व छः वर्षीय पुत्र टिमोथी, तीनों को सोते समय उन्हीं के वाहन में ज़िंदा जला दिया गया था।

उस समय भी पूरी दुनिया में देश की बहुत बदनामी हुई थी। आज उसी मनोहरपुर के लोग प्रतिदिन ग्रहम स्टेंस व उनके बच्चों की याद में शोक मनाते आ रहे हैं। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफ़ग़ानिस्तान जैसे कई देश हैं जहां सक्रिय सांप्रदायिकतावादी शक्तियां जो स्वयं किसी का कल्याण नहीं कर सकतीं, जिन्हें दया करुणा प्रेम, अहिंसा, सहयोग,परोपकार पर नहीं बल्कि नफ़रत, हिंसा, क्रूरता पर यक़ीन है वही लोग किसी भी धर्म के किसी भी आराध्य अथवा महापुरुष के दुश्मन बने बैठे हैं। नफ़रत, वैमनस्य संभवतः इनके संस्कारों में शामिल है। अन्यथा मंदिर-मस्जिद-चर्च व गुरुद्वारों ने बनाने के सिवा किसी का बिगाड़ा ही क्या है ? यह धर्मस्थल व महापुरुष हमेशा से संपूर्ण मानवता के लिये प्रेरणादायी रहे हैं।

शिक्षा बेचने का गंदा धंधा

डा. वरिंदर भाटिया

देश के अनेक राज्यों में समय-समय पर छात्रों के लिए परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। हर वर्ष करोड़ों की संख्या में विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की परीक्षाएं देते हैं। स्कूलों व कोलेजों में भी बहुत प्रकार की परीक्षाएं आयोजित करवाई जाती हैं। अगर किसी अच्छे स्कूल या कॉलेज में दाखिला लेना हो तो परीक्षा देनी पड़ती है। किसी प्रकार की नौकरी प्राप्त करनी हो तो परीक्षा देनी पड़ती है, किसी कोर्स का दाखिला लेना हो तो परीक्षा देनी पड़ती है। लेकिन जब परीक्षा के भवन में नकल की जाती है तो परीक्ष प्रणाली पर एक प्रश्नचिन्ह लग जाता है। परीक्षा के दौरान नकल देश में कोई नई बात नहीं है और इसे समाज में बुरी नज़र से देखा जाता है। इसके बावजूद नकल का प्रचलन दशकों से देश के ज्यादातर हिस्सों में फल-फूल रहा है। इससे हमारी परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता भी कम हो जाती है।

आइए, इससे जुड़े कुछ चुनिंदा पहलुओं पर विचार करें। सबसे पहले कुछेक अभिभावक भी बच्चों को नकल करवाने के लिए चारों तरफ फिरते रहते हैं। उनके लिए उनके बच्चे का परीक्षा में हर कीमत पर पास होना इज्ज़त का सवाल बन जाता है। इसके लिए पैसे लगें, सिफारिश लगे या फिर कोई भी हथकंडा अपनाना पड़े, सब जायज होता है। आसपास का इतना दबाव होता है कि कहीं कम मार्क्स आ गए या फिर मुन्ना या मुन्नी फेल हो गई तो इज्ज़त ख़राब हो जाएगी। हमारे छात्र भी अभिभावकों के इस दबाव के कारण नकल की तरफ अग्रसर हो जाते हैं और अपनी नैसर्गिक प्रतिभा का विनाश कर बैठते हैं। पैसे बनाने के लिए खुले कुछ शिक्षा संस्थान तो नकल की गारंटी पर ही छात्रों का दाखिला करवाते हैं। कुछ बरस पहले पंजाब के बॉर्डर जिले में एक उच्च शिक्षा अधिकारी को स्कूल में नकल रोकने पर कुछ घंटे के लिए बंधक बना लिया गया था और बड़े लेवल पर हस्तक्षेप होने पर स्थिति काबू में हुई। ऐसी घटनाएं सुन कर कई बार तो ऐसा महसूस होता है कि नकल से जुड़ा सब कुछ एक बड़ा नेक्सस और चक्रव्यूह है जिसे भेदने के लिए सरीखे नेतृत्व की हम सबको जरूरत है। नकल की प्रवृत्ति एक लत है। हमारे कुछ शिक्षा संस्थान भी देश में शिक्षा की गुणवत्ता को निचले स्तर पर अपने फायदों के लिए धकेल रहे हैं। उच्च शिक्षा में भी कभी-कभी ऐसी स्थितियां देखने को मिल जाती हैं। हाल ही में मुजफ्फरपुर स्थित एक यूनिवर्सिटी में परीक्षा में नकल करने से रोकने

पर छात्रों ने जमकर उत्पात मचाया। शिक्षकों के साथ मारपीट की गई। एग्जाम हॉल में एक छात्र को नकल करने के आरोप में शिक्षकों ने पकड़ा। उसे एक्सपेल्ड कर बाहर निकाल दिया। उक्त छात्र ने बाहर निकलकर अपने साथियों को कॉल कर बुला लिया। दर्जनों की संख्या में पहुंचे छात्र अचानक से परीक्षा हॉल में प्रवेश कर गए। फिर शिक्षक के साथ मारपीट करने लगे। आंसर शीट फाड़ने का प्रयास करते हुए जमकर उत्पात मचाने लगे। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि हम छात्रों को शिक्षित करने के साथ नकल के दुष्परिणामों के बारें में समझा नहीं पाए हैं। नकल करने की जिद पर छात्रों का इस तरह का बर्ताव समाज के लिए चिंता जताने वाला है। शिक्षकों के लिए ऐसे माहौल में परीक्षा ड्यूटी करना आसान नहीं होता। परीक्षा रेगुलेटरी अर्थॉरिटी के लिए इस नैतिक प्रहार से निपटना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। देखने में तो यह भी आता है कि नकल करना और करवाना अब पैसा कमाने का माध्यम बन गया है। अगर नकल करवानी है तो माता-पिता के पास धन होना जरूरी हो गया है। कुछ विद्यार्थी दूसरों के लिए आज भी नकल करवाने और चिट बनाने का काम करते रहते हैं। बहुत से विद्यार्थी तो ब्लू-टूथ और एसएमएस के द्वारा भी नकल करते रहते हैं। बच्चों के मूल्यांकन में भी बहुत गड़बड़ी होने लगी है। सच यह है कि कोई भी परीक्षा प्रणाली विद्यार्थी के चरित्र के गुणों का मूल्यांकन नहीं करती है। हमारी परीक्षा प्रणाली अत्यंत दोषपूर्ण है। जो परीक्षा प्रणाली केवल कंठस्थ करने पर जोर देती है, विश्लेषण और अभिव्यक्ति पर कम ध्यान देती है, वो विद्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन नहीं कर सकती। हमें सतत चलने वाली परीक्षा प्रणाली को स्कूलों और कॉलेजों में विकसित करने की जरूरत है। विद्यार्थी के ज्ञान, गुण और क्षमता का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए। अकादमिक परीक्षाओं में नकल करने और करवाने वालों को सोचना चाहिए कि ऐसा कब तक चलेगा। आगे चलकर जब किसी छात्र को कोई व्यावसायिक कार्य या फिर नौकरी पाने के लिए स्किल का प्रदर्शन करना होगा, तब वे क्या करेंगे? इसी साल फरवरी में भारत के सुप्रीम कोर्ट ने पेपर लीक होने के मामले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि ऐसी घटनाएं देश की शिक्षा प्रणाली को बर्बाद कर रही हैं। भारत में स्कूल-कॉलेज की परीक्षाओं में ही नहीं, सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी नकल बहुत ज्यादा बढ़ रही है और अधिकारियों को नकलार्थियों के आधुनिक तरीकों से निपटने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। राजस्थान में हाल में हुई एक परीक्षा में नकल कराने वाले गिरोह को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने नकल के ऐसे तरीकों का खुलासा किया जिन्हें सुनकर सब हैरान रह गए थे। परीक्षा में चप्पल और सैनिटरी नैपकिन में डिवाइस छिपाकर नकल कराने के तरीके के साथ ही अभ्यर्थियों का एग्जाम से पहले एक ट्रेनिंग सेशन भी कराया गया था। नकल करने के तरीकों में किसी अन्य के स्थान पर प्रॉक्सी कैंडिडेट के जरिए परीक्षा देना भी शामिल है जिसे कुछ लोगों ने तो अपना पेशा ही बना लिया है। इसके अलावा पेपर चुराना और उन्हें बेचना भी एक पेशेवर अपराध बन चुका है। यह शिक्षा बेचने का गंदा धंधा है। जरूरत इस बात की है कि हम सब नकल के दुष्परिणामों के बारे में बड़े स्तर पर जागरूकता मुहिम चलाएं, ठीक जैसे वातावरण और पर्यावरण को बचाने के लिए कर रहे हैं। छात्रों का भविष्य धूमिल करने के लिए स्लो प्वाइजन का काम कर रही परीक्षाओं में नकल की प्रवृत्ति हमरी शिक्षा से जुड़ी गुणवता को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। इसके लिए जन जागरण की भी आवश्यकता है। हमारे छात्र इसके विरोध में खुद आगे आएं तो कमाल हो जाए।

प्रण इस बात का भी लेना होगा कि नकल की बीमारी को किसी भी कीमत पर न तो सपोर्ट किया जाना चाहिए और न ही प्रमोट किया जाना चाहिए। नकल करने की प्रवृत्ति और नकल कराने की मनोवृत्ति का मूल कहां से पैदा होता है, इसे समझने की जरूरत है। नंबरों की होड़ और फेल होने का डर इसके दो बड़े कारण हैं। फेल होने के बाद निराशा का शिकार होने वाले और सार्वजनिक रूप से अपमानित होने वाले छात्रों के लिए नकल एक टॉनिक की तरह है। सभी नकल करने वाले एक जैसे होते हैं। नकल करने वालों में प्रतिभा नहीं होती। नकल करने वाले जीवन में कुछ कर नहीं पाते। जिस समाज में फेल होना अपराध होता है, वहां नकल करना सामाजिक रूप से वैधता पा जाता है। दोनों बातें एक सिक्के के दो पहलू सरीखी हैं। नकल करने की प्रवृत्ति से छात्रों का भविष्य बिगड़ रहा है। इसके लिए शिक्षा जगत से जुड़े सभी लोगों को शिक्षा के साथ जोड़ने का सकारात्मक रास्ता खोजना चाहिए, ताकि नकल कराने के लिए दीवारों पर चढ़ने की जरूरत न पड़े।

घातक होगी ओमिक्रोन संक्रमण मामले में लापरवाही

योगेश कुमार गोयल

देश में ओमिक्रोन के लगातार बढ़ते मामलों से दहशत का माहौल बनने लगा है। बढ़ रहे मामलों को देखते हुए फरवरी माह में कोरोना की तीसरी लहर की भविष्यवाणी की जा रही है। ऐसे में पहले से ही रोजी-रोटी के संकट से जूझ रहे करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के साथ-साथ एक और लॉकडाउन का डर अभी से सताने लगा है। दरअसल, चंद दिनों में ही ओमिक्रोन के देशभर में 500 से भी ज्यादा मरीज सामने आ चुके हैं और यह आंकड़ा प्रतिदिन तेजी से बढ़ रहा है। इसी के चलते कुछ राज्यों द्वारा नाइट कर्फ्यू लगाए जाने की शुरुआत हो चुकी है। हालांकि ओमिक्रोन को लेकर सरकार द्वारा स्पष्ट कर दिया गया है कि इसमें ऑक्सीजन की जरूरत कम ही है।

फिर भी संक्रमण की रफ्तार से तीसरी लहर की चिंता स्वाभाविक ही है। इन परिस्थितियों के मद्देनजर इससे निपटने के लिए समय रहते केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा प्रभावी उपाय किए जाने की सख्त आवश्यकता है। 24 नवम्बर 2021 को जहां ओमिक्रोन का पहला मामला दक्षिण अफ्रीका में सामने आया था, वहीं भारत सहित पूरी दुनिया में केवल एक महीने के अंदर ही यह 110 से भी ज्यादा देशों में फैल चुका है। इस एक महीने में दुनियाभर में इस वेरिएंट के लाखों मामले सामने आ चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना संक्रमण के 95 फीसदी मामलों की प्रमुख वजह ओमिक्रोन ही है। ब्रिटेन में जहां 29 नवम्बर तक ओमिक्रोन के 0.17 फीसदी मामले सामने आ रहे थे, वहीं 23 दिसम्बर तक इसके 38 फीसदी मामले दर्ज किए गए। यही हाल अमेरिका का भी है, जहां ओमिक्रोन की वजह से संक्रमण दर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। हाल यह रहा कि 22 दिसम्बर तक हर चौथा मामला ओमिक्रोन की वजह से आया।भारत में भी यह संक्रमण फैलने की रफ्तार काफी तेज है। चिंताजनक स्थिति यह है कि ओमिक्रोन में अब तक कुल 53 म्यूटेशन हो चुके हैं और यह डेल्टा के मुकाबले बहुत तेजी से फैलता है। डेल्टा में कुल 18 और इसके स्पाइक प्रोटीन में दो म्यूटेशन हुए थे लेकिन ओमिक्रॉन के स्पाइक प्रोटीन में 32 म्यूटेशन हो चुके हैं। इसके रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन में भी 10 म्यूटेशन हो चुके हैं। वायरस स्पाइक प्रोटीन के जरिये ही मानव शरीर में प्रवेश करता है। लंदन के इंपीरियल कॉलेज के वायरोलॉजिस्ट डा. टोम पीकॉक के मुताबिक वायरस में जितने ज्यादा म्यूटेशन के जरिए वेरिएंट बनेगा, वह उतना ही अधिक खतरनाक होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ओमिक्रोन को कई दिनों पहले ही वेरिएंट ऑफ कर्सन घोषित करते हुए कह चुका है कि तेजी से फैलने वाला यह वेरिएंट लोगों के लिए काफी खतरनाक साबित हो सकता है। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी के मुख्य चिकित्सा सलाहकार डा. सुसान हॉपकिंस का कहना है कि कोरोना का यह वेरिएंट दुनियाभर में प्रमुख डेल्टा स्ट्रेन सहित अन्य किसी भी वेरिएंट के

मुकाबले बदतर होने की क्षमता रखता है। विशेषज्ञों के अनुसार डेल्टा वेरिएंट की आर वैल्यू 6-7 थी अर्थात् एक व्यक्ति वायरस को 6-7 व्यक्तियों में फैला सकता है। ओमिक्रोन की आर वैल्यू तो डेल्टा के मुकाबले करीब छह गुना ज्यादा है।

इसका अर्थ है कि ओमिक्रोन से संक्रमित मरीज 35-45 लोगों में संक्रमण फैलाएगा। भारत में ओमिक्रोन का पहला मामला 2 दिसम्बर को सामने आया था और उसके बाद से मूल वायरस के मुकाबले तीन गुना से भी ज्यादा तेज रफ्तार से फैल रहा है। दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रोन का सबसे पहले पता लगाने वाली साउथ अफ्रीकन मेडिकल एसोसिएशन की अध्यक्ष डा. एंजेलिक कोएत्जी का भारत के संदर्भ में कहना है कि कोरोना वायरस के इस नए वेरिएंट के कारण यहां संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी दिखेगी। हालांकि, मौजूदा टीकों से इस रोग को फैलने से रोकने में निश्चित ही मदद मिलेगी।टीकाकरण नहीं कराने वाले लोगों को शत-प्रतिशत खतरा है। यही वजह है कि इस समय टीकाकरण पर बहुत ज्यादा जोर दिया जा रहा है और बहुत सारी सेवाओं में टीकाकरण प्रमाण पत्र को अनिवार्य किया जा रहा है।

एंजेलिक कोएत्जी का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति का टीकाकरण हो चुका है या जो व्यक्ति पहले भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुका है, उससे संक्रमण कम लोगों को फैलेगा और टीकाकरण नहीं कराने वाले लोग वायरस को संभवतः शत-प्रतिशत फैलाएंगे। डा. एंजेलिक कोएत्जी के मुताबिक ओमिक्रोन उच्च संक्रमण दर के साथ तेजी से फैल रहा है, लेकिन अस्पतालों में गंभीर मामले अपेक्षाकृत कम हैं। यह बच्चों को भी संक्रमित कर रहा है और वे भी औसतन 5 से 6 दिन में ठीक हो रहे हैं लेकिन ओमिक्रोन भविष्य में अपना स्वरूप बदलकर अधिक घातक बन सकता है। अधिकांश विशेषज्ञों की भांति उनका भी यही मानना है कि टीकाकरण के अलावा कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन ओमिक्रोन संक्रमण को नियंत्रित करने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। लापरवाहियों के चलते भारत कोरोना की दूसरी लहर के दौरान तबाही का जो मंजर देख चुका है, ऐसे में यदि चुनावी रैलियों में सभी राजनीतिक दलों द्वारा इसी प्रकार भारी भीड़ जुटाई जाती रही तो डर यही है कि कहीं फिर से वही हालात न पैदा हों, जैसे मार्च-अप्रैल में चुनाव प्रचार के लिए पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम, पुडुचेरी राज्य विधानसभा चुनावों की रैलियों में जुटाई गई भारी भीड़ के चलते हुए थे।

सवाल यह भी उठता है, जब भी ऐसे सवाल उठते हैं तो संबंधित राज्यों में नाइट कर्फ्यू जैसी पाबंदियां लगाकर कोरोना के खिलाफ सख्त कदम जैसी बातें दोहराई जाने लगती हैं लेकिन यह कैसी हास्यास्पद स्थिति है कि अधिकांश जगहों पर जहां रात में सड़कें पहले ही सुनसान रहती हैं, वहां कर्फ्यू और दिन में शादी-ब्याह जैसे समारोहों में 100-200 लोग, तो रैलियों में लाखों की भीड़ इकट्ठा करने की अनुमति होती है। अदालतें इसके लिए बार-बार फटकार लगाते हुए सचेत भी करती रही हैं किन्तु डर इसी बात का है कि कहीं महज कागजों तक ही सीमित कोरोना पाबंदियां तीसरी लहर को खौफनाक न बना दें।

भाई को भाई का दुश्मन बनाती हरियाणा सरकार

प्रियंका सौरभ

सोच कर देखिये सौ अंकों के पेपर में अगर बीस अंकों की खैरात बांटी जाये तो किसका चयन होगा? क्या वहां कोई भी मेहनती बच्चा जिसके पास ये बीस अंक नहीं है वो टिक पायेगा? ये अंक उन बच्चों को नहीं मिलेंगे जिस घर में पति-पत्नी, भाई, बहन, सास-ससुर या परिवार में कोई भी नौकरी पर हो. क्या ये भाई की नौकरी से दूसरे भाई और बहन से अन्याय नहीं ? क्या ये माँ-बाप के नौकरी पर होने से बच्चों की प्रतिभा से अन्याय नहीं या फिर हरियाणा के मुख्यमंत्री ने अपने भाई का घर बसाने का ठेका ले रखा है और उन्होंने पति-पत्नी के बीच कभी तलाक न होने का फरमान जारी कर दिया है

(ये अंक उन बच्चों को नहीं मिलेंगे जिस घर में पति-पत्नी, भाई, बहन, सास-ससुर या परिवार में कोई भी नौकरी पर हो. क्या ये भाई की नौकरी से दूसरे भाई और बहन से अन्याय नहीं ? क्या ये माँ-बाप के नौकरी पर होने से बच्चों की प्रतिभा से अन्याय नहीं या फिर हरियाणा के मुख्यमंत्री ने अपने भाई का घर बसाने का ठेका ले रखा है और उन्होंने पति-पत्नी के बीच कभी तलाक न होने का फरमान जारी कर दिया है.) जी हाँ, कन्फ्यूज्ड सरकार की कन्फ्यूज्ड पॉलिसी ने अभ्यर्थियों को कंफ्यूज कर दिया है. हरियाणा में हर भर्ती के लिए सोसियो इकोनॉमिक के अंक देने का नियम चला है।

सोच कर देखिये सौ अंकों के पेपर में अगर बीस अंकों की खैरात बांटी जाये तो किसका चयन होगा? क्या वहां कोई भी मेहनती बच्चा जिसके पास ये बीस अंक नहीं है वो टिक पायेगा? ये अंक उन बच्चों को नहीं मिलेंगे जिस घर में पति-पत्नी, भाई, बहन, सास-ससुर या परिवार में कोई भी नौकरी पर हो. क्या ये भाई की नौकरी से दूसरे भाई और बहन से अन्याय नहीं ? क्या ये माँ-बाप के नौकरी पर होने से बच्चों की प्रतिभा से अन्याय नहीं या फिर हरियाणा के मुख्यमंत्री ने अपने भाई का घर बसाने का ठेका ले रखा है और उन्होंने पति-पत्नी के बीच कभी तलाक न होने का फरमान जारी कर दिया है. पहली बात तो ऐसी पॉलिसी की ज़रूरत ही नहीं थी और जरूरत हुई तो किसी का गला काटकर मेरिट का अपमान करने की जरुरत क्या है ? बिना अंकों वाले अभ्यर्थी सोचने पर मजबूर हो गए हैं कि एग्जाम देने का फायदा भी है या नहीं? बिना सोचे समझे वोटों के चक्कर में कोई भी पॉलिसी बना देना, उसका परिणाम जांचे परखे बिना बस ऐसे ही लागू कर देने की वजह से आज प्रदेश की हज़ारों विवाहित महिलाओं पर गाज गिर गयी है. जब बहन के नौकरी पर होने से भाई के सोसिओ इकनोमिक अंकों पर कोई फर्क नहीं पड़ता तो भाई के नौकरी पर होने से बहन पर क्यूँ? भाई को भाई का दुश्मन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गयी है, नौकरीशुदा माँ बाप आज खुद को कोसने पर मजबूर हैं कि हमारी नौकरी की वजह से हमारे बच्चे नौकरियों से वँचित कर दिए इस सरकार ने. कोरोना वारियर्स कहकर सम्मानित करने वाली सरकार ने उनके बच्चों को दरकिनार कर दिया.. जैसे कि सज़ा मिली हो किसी जुर्म की. भला करना अच्छी बात है, ऐसे बच्चे जो वंचित रहे, अभाव में रहे.. उनकी शिक्षा मुफ्त कर दीजिये, उन्हें फ्री कोचिंग उपलब्ध करवाइये, उनसे एप्लीकेशन फॉर्म भरने की फीस मत लीजये, उनसे बस का किराया भाड़ा मत लीजिये, उन्हें सब सुख सुविधाएं उपलब्ध करवाइये. अनाथ और विधवा को मैक्सिमम दो अंक दे भी दीजये. बस. लेकिन यूँही नौकरियां प्लेट में सजा कर देनी हैं तो उन बच्चों से फॉर्म भरने का अधिकार छीन लीजिये जिनके पास यह अंक नहीं हैं, ना उम्मीद रहेगी ना फिर ध्यान जाएगा यहाँ, एटलीस्ट कुछ और काम धंधा देख लेंगे. सरकार का तर्क कि हमने ऐसे युवाओं को नौकरी देने का काम किया है जिनके घर में पहले से कोई नौकरी नहीं. कितना मजाकिया लगता है? क्या सरकार इस बात को अपने पर भी लागू करेगी कि हरियाणा में जिस पार्टी की अभी तक कोई सरकारी नहीं बनी उसे अब तक सरकार न बनने के लिए एक्स्ट्रा पांच सीट और बाकी की पंद्रह सीटे भी दी जाएगी. पांच सीट अनाथ होने के लिए, पांच सीट विधवा या विधुर होने के लिए. पांच सीट लगतार राजनीतिक अनुभव के लिए? क्या ऐसा कानून वो बना पाएंगे? बिलकुल नहीं. दरअसल बात ये है कि सरकार ने सस्ती लोकप्रियता के लिए एक ऐसा कानून बनाया जो राज्य के उन लोगों को अपने आकर्षण में बाँध कर रखे जिनके घर या आस-पड़ोस में कोई नौकरी में नहीं था. पहले उनको खुश किया गया फिर उनका क़त्ल किया गया. ये बात इस तथ्य से जुडी है कि ये अंक केवल ग्रुप सी और डी के लिए निर्धारित किये गए जहां सामान्य परिवारों के बच्चे ही नौकरी के लिए आवेदन करते है या कम पढ़े- लिखे युवा फार्म भरते है. ग्रुप ए और बी में ये प्रावधान सोच समझकर नहीं किया गया क्योंकि उनके लिए इन्ही नेताओं या अफसरों के बच्चे अप्लाई करते और वो इस साजिश को समझ जाते या फिर कोर्ट-कचहरी में जाकर लड़ने का माद्दा रखते तो कानून को चुनौती मिलती. क्या किसी सरकारी नौकरी के मामले में डबल रिजर्वेशन या सौं में से बीस अंकों का फायदा पहुँचाना जायज़ है? क्या सरकारी नौकरी न होने का परिवार के किसी एक सदस्य को फायदा पहुंचना संवैधानिक तरीके से सही है? पहला तो ये परीक्षा में बैठने वाले आवेदकों के साथ भेदभाव है। दूसरा पांच अंक लेने वाले आवेदक के साथ धोखा है। तीसरा उस परिवार के बाकी सदस्यों के साथ साजिश है। अगर सरकार को उन आवेदकों को ही नौकरी देनी है जिनके घर नौकरी नहीं तो उन्ही से आवेदन मांगे जाये बाकी आवेदकों को क्यों इस अंधी दौड़ शामिल किया जाता है? जो आवेदक एक बार ग्रुप डी में लग गया आगे के लिए उसके सारे रास्ते अब बंद हो गए। क्योंकि अब उसे ये फायदा आगे मिलने वाला नहीं। जैसे कि दो साल पहले लगे हरियाणा के बीस हज़ार ग्रुप डी के युवाओं के साथ हुआ जिनको योग्यता होने के बावजूद बाकी की ग्रुप सी की नौकरी से हाथ धोना पड़ा. परिवार में अगर भाई या बहन नौकरी लग गया तो बाकी के साथ तो ये साजिश हुई ही क्योंकि पांच अंकों के अभाव में अब उनको तो नौकरी मिलने से रही. हरियाणा भर में इन खैरात के अंको की वजह से लिखित परीक्षा के टॉपर भी नौकरी से वंचित होते देखे जा रहें है. अब रही बात हर बार लीक होने वाले पेपरों की. हरियाणा कर्मचारी आयोग का पिछले सात सालों में ऐसा एक भी पेपर नहीं हुआ जो लीक नहीं हुआ हो. अपवाद को छोड़कर हर पेपर के लीक होने की ख़बरें अखबारों में छपी. आयोग के कर्मचारी जेल भी गए मगर सिलसिला अब तक बदसूरत जारी है. बात साफ़ है कि सरकार भर्ती के माले में सुर्ख़ियों बटोरने के अलावा कुछ नहीं कर रही. वो भी तब जब प्रदेश के हर महकमे में लाखों पद खाली पड़े है. अकेले शिक्षा विभाग में ही चालीस हज़ार शिक्षकों के पद खाली है. आखिर भर्ती क्यों नहीं कर पा रही सरकार? आखिर क्यों जो भर्ती शुरू की जाती है वहां पेपर लीक के मामले हो जाते है या फिर कोर्ट में लटक जाती है? सच तो ये है कि अगर सरकार चाहे तो सब कर सकती है।

ये सब निर्भर करता है सरकार की सोच और मंशा पर. वर्तमान सरकार को सबसे पहले सोसिओ इकोनॉमिक के क्राइटेरिया को संतुलित करना होगा. पांच या बीस अंकों का सीधा फायदा बहुत बड़ा अंतर पैदा करता है जब प्रतियोगता कुछ पॉइंट्स की चल रही हो. सोचकर देखिये एक सीट से अटल सरकार बन और गिर सकती है. ये मेधावी छात्रों के साथ सोचा समझा धोखा और अयोग्य को चुनने का तरीका है. दूसरा हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को भंग करके नए सिरे से चुना जाये. सालों से बैठे इस आयोग के सदस्य और कमर्चारी इसको अपनी जागीर समझ बैठे है जो केवल अपना फायदा देखते है, प्रदेश भर के युवाओं का नहीं. पेपर लेने के लिए व्यवस्था को तो सरकार कभी भी सुधार सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

हरियाणा सरकार ने नए साल में सेट किया रोजगार का एजेंडा, आय बढ़ाने के लिए जल्द लाई जाएंगी नई योजनाएं

मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि सात जनवरी से प्रदेश भर में अंत्योदय मेलों का दूसरा चरण शुरू होगा। पहले चरण में 156 मेले आयोजित किए गए थे।

इसमें डेढ़ लाख परिवारों में से 90 हजार ने हिस्सा लिया। इसमें आए बहुत से लोगों का ऋण भी मंजूर हो गया है।

चंडीगढ़ (एजेंसी)
हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गरीब परिवारों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार आने वाले दिनों में नई योजनाएं लेकर आएगी।

इसके साथ-साथ पुरानी योजनाओं की समीक्षा कर लाभार्थियों को ज्यादा से ज्यादा लाभ दिए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य लाइन में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि सात जनवरी से प्रदेश भर में अंत्योदय मेलों का दूसरा चरण शुरू होगा। पहले चरण में 156 मेले आयोजित किए गए थे। इसमें डेढ़ लाख परिवारों में से 90 हजार ने हिस्सा लिया। इसमें आए बहुत से लोगों का ऋण भी मंजूर हो गया है। इन मेलों का उद्देश्य गरीब परिवारों को रोजगार दिलाने का है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल मंगलवार को हरियाणा निवास में प्रदेश भर के अतिरिक्त जिला उपायुक्तों की बैठक ले रहे थे।

इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी उमाशंकर व सभी उपायुक्त वर्चुअल बैठक में जुड़े। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला उपायुक्तों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार पहचान पत्र की तारीफ न केवल प्रदेश में हो रही है बल्कि देश भर में इसकी चर्चा की जा रही है। दूसरे प्रदेशों से लोग इस पैटर्न का अध्ययन करने के लिए हरियाणा आ रहे हैं। सभी एडीसी को संवेदनशीलता के साथ इस काम को पूरा करना

चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी का लक्ष्य गरीब और जरूरतमंद परिवारों को आगे बढ़ाना है। हमें पूरे जिले को आत्मनिर्भर बनाना है। युवाओं को नौकरी की तरफ नहीं बल्कि रोजगार की तरफ लेकर जाना है ताकि वे नौकरी लेने वालों के बजाय, नौकरी देने वालों की कतार में शामिल हो सकें। परिवार पहचान पत्र के तीसरे चरण का काम पूरा हो गया है। चौथे चरण का काम जल्द शुरू हो जाएगा। आने वाले दिनों में बहुत सी योजनाओं का लाभ इनके माध्यम से मिलने लगेगा। जो व्यक्ति 55 साल से ऊपर है और अपना काम करना चाहते हैं, उनके लिए भी किसी स्कीम में विशेष प्रविधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों में सामाजिक सेवा व पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक विषयों पर भावना जागृत करने के लिए हायर एजुकेशन विभाग को कदम बढ़ाना चाहिए। भविष्य में ऐसे प्रविधान किए जाएंगे कि कालेज व विश्वविद्यालयों में स्वच्छता, पौधे लगाना, सफाई अभियान व सरकारी योजनाओं से जुड़े कार्यों के नंबर दिए जाएं। उन्होंने जिला उपायुक्तों को समर्पण पोर्टल पर ज्यादा से ज्यादा पंजीकरण करवाने पर बल देने को कहा। उन्होंने कहा कि हर जिले में सेना एवं सरकारी सेवाओं से सेवानिवृत्त कर्मचारियों व अधिकारियों की बड़ी संख्या है। ऐसे लोगों को सामाजिक कार्यों में योगदान के लिए समर्पण पोर्टल पर पंजीकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश भर में हरियाणा स्कूल शिक्षा नियमों की धारा 134-ए के तहत विद्यार्थियों का प्राइवेट स्कूलों में दाखिलों के लिए चयन हुआ है। जिला उपायुक्त जल्द से जल्द जिला शिक्षा अधिकारियों से इनकी सूची लेकर इनकम वैरिफिकेशन करने का काम पूरा करें ताकि इन विद्यार्थियों को स्कूलों में दाखिला मिल सके। इन बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में मुफ्त दाखिला मिलता है। निजी स्कूल इसे देने से मना कर रहे हैं और सरकार पर अपना बकाया क्षतिपूर्ति-फीस का पैसा देने का दबाव बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार पहचान पत्र की तरह देशभर में मेरी फसल-मेरा ब्योरा स्कीम की भी तारीफ हो रही है।

यह किसानों के लिए सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसके तहत साल में दो बार किसानों को अपनी फसल का ब्योरा देना होता है। इससे 100 प्रतिशत भूमि की मैड्क्षपग का कार्य भी हो जाएगा। जिला उपायुक्तों को ग्रामीण स्तर पर कैंप लगाकर ज्यादा से ज्यादा किसानों को इस संदर्भ में जागरूक करना चाहिए। इसके साथ-साथ जिन किसानों ने पंजीकरण करवा लिया है उनके नाम का चार्ट गांवों में लगाना चाहिए।

शहरी वोटरों में बढ़ा आम आदमी पार्टी का दायरा, चंडीगढ़ नगर निगम में जीत के बाद पार्टी उत्साहित

चंडीगढ़ (एजेंसी)
आम आदमी पार्टी ने जिस तरह से चंडीगढ़ शहर के नगर निगम चुनाव में अपनी एंट्री की है उससे इस बात की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं कि 2022 के चुनाव में पंजाब के शहरों पर भी इसका असर होगा। दरअसल, ऐसा इसलिए कहा जा रहा है कि 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की जबरदस्त लहर के बावजूद पार्टी को मात्र 20 सीटें ही मिलीं।

इनमें भी बरनाला, मानसा सीटों को छोड़कर ज्यादातर सीटें या तो ग्रामीण हलकों से आई थी या फिर सेमी अर्बन से, इसलिए पार्टी पिछली बार की गलती इस बार दोहराना नहीं चाहती है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल हों या फिर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया दोनों ही शहरी क्षेत्रों को ज्यादा प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं।

जालंधर जैसे शहरी इलाके में तिरंगा यात्रा निकालने के बाद अब अरविंद केजरीवाल 31 दिसंबर को पटियाला में शांति मार्च निकालेंगे।

पार्टी के प्रदेश प्रधान भगवंत मान ने इस यात्रा के संदर्भ में कहा कि एक षडयंत्र के तहत पिछले कुछ दिनों से पंजाब के शांतिपूर्ण माहौल और भाईचारे को बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है, श्री हरमंदिर साहिब में बेअदबी या लुधियाना कोर्ट ब्लास्ट इसका एक प्रयास है, लेकिन पंजाब अपने सामाजिक बंधन और भाईचारे के लिए जाना जाता है।

मान ने कहा, पंजाब के लोग, भले ही उनका धर्म या जाति कुछ भी हो, नफरत या भय के प्रति उनके दिल में कोई जगह नहीं है। पार्टी जानती है कि किस तरह से पिछले चुनाव के हुए मौड़ बम कांड के बाद शहरी वोटरों ने अपना मुंह आम आदमी पार्टी से अपना मुंह मोड लिया और यह क्रम इस बार भी दोहराया जा सकता है, इसलिए अरविंद केजरीवाल अन्य वर्गों में भी विश्वास बनाना चाहते हैं। जालंधर की तरह पटियाला भी शहरी सीट है। यही नहीं, मनीष सिसोदिया भी लगातार शहरी क्षेत्रों में जाकर व्यापारी और इंडस्ट्री वर्ग से बात करके उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि पार्टी जब अपना मेनिफेस्टो तैयार करे तो इन समस्याओं को सुलझाने का प्लान भी उसमें रखे। खुद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का कहना है, मुझे याद है जब 2017 के चुनाव के नतीजों के बाद राजनीतिक पंडितों ने कहा था कि 2017 के चुनाव में आम आदमी पार्टी को शहरी मतदाताओं का साथ नहीं मिला। शहरी वोट कम थे, लेकिन चंडीगढ़ की जीत ने साबित कर दिया है कि इस बार पंजाब की शहरी जनता भी पूरी ताकत और भरोसे के साथ आम आदमी पार्टी के साथ खड़ी है।

आज पंजाब की पूरी ग्रामीण और शहरी आबादी आम आदमी पार्टी को एक बड़ी उम्मीद के रूप में देखती है, क्योंकि जनता पारंपरिक पुरानी पार्टियों को बार-बार मौके देने के बाद निराश और नाराज हो गई है। पूरा पंजाब बदलाव चाहता है। दिल्ली और चंडीगढ़ की तरह पंजाब भी नया चेहरा और ईमानदार राजनीति चाहता है।

पंजाब चुनाव 2022: सबसे बुजुर्ग प्रत्याशी बने 82 वर्षीय रंजीत ब्रह्मपुरा, शिअद ने खडूर साहिब से चुनाव मैदान में उतारा

चंडीगढ़ (एजेंसी) वयोवृद्ध नेता 82 वर्षीय जत्थेदार रंजीत सिंह ब्रह्मपुरा खडूर साहिब हलके से शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार होंगे। उनके नाम की मंगलवार को अधिकारिक घोषणा कर दी गई है। 2017 में पार्टी की हार का ठीकरा सुखबीर सिंह बादल पर फोड़कर अकाली दल से अलग होने वाले रंजीत सिंह ब्रह्मपुरा पिछले हफ्ते ही प्रकाश सिंह बादल की हाजिरी में शिअद में शामिल हुए थे। तब सुखबीर बादल ने उन्हें पार्टी का उप सररस्त बनाने की घोषणा भी की थी लेकिन उन्होंने सहर्ष अस्वीकार कर दी।

माना जा रहा था कि अपनी नासाज सेहत को देखते हुए वह अपने बेटे रविंदर सिंह ब्रह्मपुरा के लिए टिकट लेंगे जो पहले भी खडूर साहिब से पार्टी की नुमाइंदगी कर चुके हैं लेकिन पार्टी ने उनके बेटे को टिकट देने की बजाए रंजीत सिंह ब्रह्मपुरा को मैदान में उतारा है। शिअद से अलग होने के बाद ब्रह्मपुरा ने शिरोमणि अकाली दल टकसाली बना

लिया था और दूसरी ओर एक और सीनियर लीडर सुखदेव सिंह ढींडसा ने भी शिअद छोड़कर अपना नया शिरोमणि अकाली दल डेमोक्रेटिकट बना लिया। बाद में दोनों संगठन इकट्ठे हो गए और शिरोमणि अकाली दल संयुक्त गठित कर लिया।

लेकिन जैसे ही सुखदेव सिंह ढींडसा की भाजपा के साथ नजदीकियां बढ़ीं, ब्रह्मपुरा नाराज हो गए। दो सप्ताह पहले दोनों सीनियर नेताओं की अगुवाई में भाजपा के साथ जाने को लेकर चर्चा हुई तो ज्यादातर नेताओं ने यह कहते हुए मना कर दिया कि तीन कृषि कानूनों को लेकर हुए आंदोलन से भाजपा के प्रति लोगों में बहुत नाराजगी है।

लेकिन ढींडसा नहीं माने। ऐसे में रंजीत सिंह ब्रह्मपुरा ने शिअद में अपनी वापसी कर ली। अब पार्टी ने उनको खडूर साहिब विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में खड़ा कर दिया है।

पंजाब में ओमिक्रोन अलर्ट, अगर ये गाइडलाइन नहीं पूरी की तो सार्वजनिक स्थानों पर नहीं जा पाएंगे आप

जालंधर (एजेंसी)
पंजाब सरकार ने देश में ओमिक्रोन के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए नई हिदायतें जारी की हैं। सरकारी व गैर-सरकारी संस्थानों के अलावा सार्वजनिक स्थानों पर जाने से पहले लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज लगी होना अनिवार्य है। स्टाफ को भी दोनों डोज लगी होना जरूरी है।

ये आदेश 15 जनवरी 2022 से लागू होंगे। पुलिस विभाग को इन नियमों की सख्ती के साथ पालना करवाने के निर्देश दिए गए हैं। सब्जी मंडी, ग्रेन मार्केट, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, पार्क, धार्मिक स्थान, शापिंग कांप्लेक्स, बाजार, होटल, बार, मॉल्स, सिनेमा हॉल, फिटनेस सेंटर व जिम सहित सभी सार्वजनिक स्थान इसमें शामिल होंगे।

सभी सरकारी बैंक, गैर सरकारी बैंक, बोर्ड, कारपोरेशन व प्राइवेट सेक्टर के कार्यालय व स्टोर पर भी यह नियम लागू होगा। लोगों को दूसरी डोज लगी होने की हार्ड या साफ्ट कापी अपने पास रखनी होगी। जिनके पास स्मार्टफोन नहीं है, उनको कोविन पोर्टल द्वारा भेजा गया टेक्स्ट मैसेज दिखाना होगा। अरोग्य सेतु मोबाइल एप पर भी वेक्सीनेटड सर्टिफिकेट दिखा सकते हैं। जिनकी दूसरी डोज को कोविशील्ड के लिए 84 दिन व कोवैक्सीन के लिए 28 दिन शेष है, उनको छूट रहेगी।

बता दें कि देश के कई राज्यों में ओमिक्रोन के मामले सामने आए हैं। हालांकि अभी तक पंजाब में एक भी केस नहीं मिला है लेकिन चंडीगढ़ और पंचकूला में ओमिक्रोन के मामले सामने आने से स्वास्थ्य विभाग चिंतित है।

विशेष बात यह है कि पंजाब में बड़ी संख्या में एनआरआई लौटते हैं। इनमें से बहुत से ऐसे हैं जो उन देशों से लौट रहे हैं जहां ओमिक्रोन का प्रकोप बहुत ज्यादा बढ़ चुका है। इन देशों में कई एरिया में लाकडाउन लगाने तक की नौबत आ चुकी है।

हरियाणा मंत्रिमंडल विस्तार : न किसी को हटाया और न किसी को बदला, दो मंत्रियों के साथ अब पूरी हुई मनोहर कैबिनेट

चंडीगढ़ (एजेंसी)
मुख्यमंत्री मनोहर लाल की कैबिनेट में आज कमल गुप्ता व देवेंद्र बबली मंत्री के रूप में शामिल हो गए हैं। मनोहर लाल ने अपने कैबिनेट के पुराने साथियों को न तो हटाया और न ही बदला है। ऐसा करने से तमाम अटकलें खत्म हो गई और राज्य मंत्री ओप्रकाश यादव व कमलेश ढांडा के सिर पर लटकी तलवार हट गई। उम्मीद के मुताबिक खेल राज्य मंत्री संदीप सिंह को कैबिनेट मंत्री का दर्जा नहीं मिल पाया। गृह मंत्री अनिल विज के गृह विभाग से भी किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं की गई। एक प्रेस कान्फ्रेंस में मंत्रियों को बदले जाने से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि किसी भी कैबिनेट में सबकी सामूहिक जिम्मेदारी होती है। जिस तरह क्रिकेट टीम में सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन को एक टीम के प्रदर्शन के रूप में आका जाता है, उसी तरह वह अपने मंत्रिमंडल की टीम के कार्यों तथा प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। हालांकि मुख्यमंत्री की इस राय के राजनीतिक मतलब हैं, लेकिन माना जा रहा है कि चार मंत्रियों का कामकाज संतोषजनक नहीं है, जिन्हें

अप्रैल में संभावित बदलाव के दौरान वापस भेजा जा सकता है। नए मंत्रियों में कमल गुप्ता को जिम्मेदारी सौंपकर मुख्यमंत्री ने वैश्य समुदाय के लोगों का भरोसा जीतने की कोशिश की है। राज्य में भाजपा के आठ विधायक वैश्य समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। इस समुदाय का कोई मंत्री नहीं होने के कारण वैश्य समुदाय में नाराजगी बढ़ रही थी। कमल गुप्ता के साथ-साथ स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता, विधायक नरेंद्र गुप्ता, सुधीर सिंगला, असीम गोयल और दीपक मंगला के नाम भी चर्चा में थे, लेकिन कमल गुप्ता की किस्मत का कमल खिला है। किसान संगठनों के आंदोलन की वजह से जननायक जनता पार्टी से एक खास वर्ग नाराज था। उसे मनाने की उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बार-बार कोशिश की, लेकिन मंत्रिमंडल में देवेंद्र बबली को प्रतिनिधित्व देकर जाटों व किसानों को खुश करने की कोशिश की गई है। हालांकि जजपा कोटे से मंत्री बनने के तलबगार ईश्वर सिंह और रामकुमार गौतम के साथ अमरजीत ढांडा में अपने पार्टी नेतृत्व के प्रति नाराजगी बढ़ सकती है, लेकिन बबली उन्हें मनाने में कामयाब हो सकते हैं। डा. कमल गुप्ता और देवेंद्र सहरावत बबली को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल के मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्रियों की संख्या नौ हो गई है। पहले से कैबिनेट मंत्रियों में उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, गृह मंत्री अनिल विज, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, संसदीय कार्य व शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर, बिजली मंत्री रणजीत चौटाला, कृषि मंत्री जेपी दलाल और सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल शामिल हैं। मंत्रिमंडल में चार राज्य मंत्री हैं, जिनमें खेल राज्य मंत्री संदीप सिंह, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ओमप्रकाश यादव, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा और पुरातत्व एवं संग्रहालय राज्य मंत्री अनूप धानक।

पंजाब विधानसभा चुनाव: ग्रेट खली ने राजनीति में आने से किया इंकार, केजरीवाल से हुई मुलाकात पर कही बड़ी बात

मोगा (एजेंसी)
डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू ई चैंपियन ग्रेट खली ने कहा कि राजनीति में आने का यह सही समय नहीं है। वह स्पोर्ट्समैन है और स्पोर्ट्समैन ही रहना चाहते हैं। खली मंगलवार को 14वें बीबीएस गेम्स में हिस्सा लेने ब्लूमिंग बड्स स्कूल में पहुंचे थे।

इस मौके पर उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा राजनीति में आने का फिलहाल उनका कोई इरादा नहीं है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से हुई मुलाकात को उन्होंने एक सामान्य मुलाकात कहा ग्रेट खली ने कहा वह तमाम मुख्यमंत्रियों से मिलते रहते हैं। केजरीवाल के साथ ही मुलाकात वैसी ही थी। राजनीतिक मुलाकात नहीं थी।

देश में खेलों को लेकर सरकारी व्यवस्थाओं को लेकर खली का दर्द छलक पड़ा। उन्होंने कहा कि बीबीएस जैसे ग्राउंड अगर देश के खिलाड़ियों को मिलें तो बच्चे खेलों में तरक्की कर सकते हैं। सरकार के स्तर पर हालत यह है कि यहां खिलाड़ी का सम्मान तब होता है जब वह ओलिंपिक में मेडल जीतकर आते हैं। उससे पहले तो जूतों के लिए भी तरसते हैं। ग्रेट खली ने कहा कि नौजवानों से हम कहते हैं कि नशा ना करें वह कह सकते हैं नौजवान नशा नहीं करेंगे नौजवानों से अपील भी करते हैं, लेकिन सरकार अगर उन्हें सुविधाएं दे तो वह दावे के साथ कह सकते हैं कि नौजवान नशा नहीं करेंगे। विकसित देशों और हमारे देश में यही बड़ा मूलभूत अंतर है। वहां स्कूल स्तर से सरकारें खिलाड़ियों को सुविधाएं देती हैं हमारे यहां स्कूल ही नहीं कॉलेज लेवल तक पहुंचने के बाद भी खिलाड़ी अपने सुविधाओं के आधार पर संघर्ष करते हुए आगे बढ़ते हैं।

स्पोर्ट्स एकेडमी की हालत भी ऐसी है खिलाड़ी स्पोर्ट्स शूज के लिए भी तरसते हैं। बच्चों को सुविधाएं मिले तो वह बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। भारत दुनिया का सबसे अच्छा देश है। कमी देश में नहीं कमी जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों में है। इस मौके पर बीबीएस ग्रुप के चेयरमैन संजीव कुमार सैनी भी मौजूद थे।

पति ने बनाई पत्नी के अपहरण की प्लानिंग, फिल्मी स्टाइल में बीच सड़क पर कनपट्टी पर तान दी बंदूक

पंचकूला (एजेंसी)
पंचकूला में फिल्मी स्टाइल में महिला का अपहरण की कोशिश की गई। एक व्यक्ति ने पिस्टल दिखाकर आटो सवार महिला की किडनैप करने की कोशिश की, लेकिन आरोपित अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सका। आटो चालक ने पुलिस को कॉल कर सूचित किया और आरोपित को दबोच लिया। दरअसल जिस व्यक्ति ने महिला को किडनैप करने की कोशिश की थी वह उस महिला का पति था। दोनों पति-पत्नी के बीच दो दिन से विवाद चल रहा था।

आपसी विवाद के चलते महिला अपने मायके चल गई थी। इस वजह से पति ने अपनी ही पत्नी के अपहरण की योजना बनाई और तैस में आकर दिनदहाड़े बीच सड़क पर कनपट्टी पर बंदूक तान पत्नी को अपहरण करने की कोशिश की। इतना ही नहीं आरोपित ने उसके साथ मारपीट भी की और जिस आटो पर महिला सवार थी आरोपित ने उसका शीशा भी तोड़ दिया। सेक्टर-14 थाना एसएचओ राजीव मिगलानी ने बताया कि पति-पत्नी सेक्टर-19 में रहते हैं। उनका 2 दिन से आपसी विवाद चल रहा था। इसलिए महिला अपने पिता के घर चली गई थी।

महिला प्राइवेट जॉब करती है और मंगवार को वह किसी काम से जीरकपुर आई थी। वहां से आटो से घर वापस आते समय उसके पति ने रास्ते आटो रोक कर महिला का अपहरण करने की कोशिश की। आरोपित के पास नकली पिस्टल (टॉय गन) थी। आटो चालक की शिकायत पर आरोपित को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ केस दर्ज किया है।

एक नज़र

लुधियाना ब्लास्टः एनआइए के राडार पर आए दो पूर्व एसएचओ व एक कांस्टेबल, जेल में गगनदीप से कई बार की बात

लुधियाना (एजेंसी) जिला अदालत परिसर में हुए बम धमाके में मास्टरमाइंड गगनदीप सिंह से संदेहास्पद संबंधों को लेकर खन्ना पुलिस के कई अधिकारी और कर्मचारी शक के दायरे में आ गए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने इसके सुबूत हाथ लगने के बाद संबंधित अधिकारियों से पूछताछ भी की है। बम धमाके की जांच में जुटी एजेंसियों को एक नया एंगल मिला है। सूत्रों के अनुसार एनआइए ने खन्ना पुलिस के दो पूर्व एसएचओ को पूछताछ के लिए तलब किया है।

इन दोनों से गगनदीप के संबंध में कई सवाल पूछे गए हैं। बताया जा रहा है कि एनआइए को कुछ सवालों के जवाब संतोषजनक नहीं मिले हैं। दोनों को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। इनमें से एक पूर्व एसएचओ जिले से बाहर और दूसरा जिले में ही रहता है। गगनदीप जब जेल में था तो उस समय इन दोनों ने उससे बातचीत की थी। एनआइए जानना चाहती है कि आखिर जेल में बंद एक बर्खास्त हेड कांस्टेबल से उन्हें क्या जरूरी काम था जिसको लेकर बार-बार दोनों पूर्व एसएचओ उससे फोन पर बात कर रहे थे। बताया जा रहा है कि एनआइए ने खन्ना पुलिस के एक कांस्टेबल से भी पूछताछ की है।

गगनदीप अक्सर इस कांस्टेबल की कार का इस्तेमाल करता था। इससे गगनदीप के काफी करीबी संबंध थे। शक है कि गगनदीप के आतंकी गतिविधियों में शामिल होने की जानकारी इस कांस्टेबल को हो सकती है। यह भी आशंका है कि विस्फोटक एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए गगनदीप ने इसी कांस्टेबल की कार का इस्तेमाल किया हो। एनआइए ने कांस्टेबल से पूछा है कि उसकी कार को लेकर गगनदीप किस-किस शहर में गया था?

लुधियाना में शर्मनाक वारदात: झोलाछाप डाक्टर ने 4 साल की बच्ची को बनाया हवस का शिकार

लुधियाना (एजेंसी) शहर के टिब्बा रोड के गुलाबी बाग इलाके के एक झोला छाप डाक्टर ने 4 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। अब थाना टिब्बा पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया। उसे अदालत में पेश किया गया। जहां से एक दिन का रिमांड हासिल करके कड़ी पूछताछ की जा रही है।

एसएचओ नरदेव सिंह ने बताया कि अरोपित की पहचान टिब्बा रोड के गुरु नानक इस्टेट की गली नंबर 1 निवासी अजय शर्मा के रूप में हुई। पुलिस ने गुलाबी बाग इलाके में रहने वाली महिला की शिकायत पर उसके खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया। अपने बयान में उसने बताया कि सोमवार को उसकी 4 साल की बेटी खेलने के लिए घर से बाहर गई थी। खेलते हुए वो डाक्टर अजय शर्मा के क्लीनिक पर चली गई। मगर जब वो वहां से वापस आई तो बाथरूम में जाकर रोने लग गई।

पूछने पर उसने बताया कि डाक्टर अंकल उसे अंदर अपने केबिन में ले गए। जहां उसने उसके पकड़े उतार कर गलत काम किया। पुलिस ने केस दर्ज करके मौके पर ही उसे गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार बच्ची का सिविल अस्पताल में मेडिकल कराया गया। जिसके स्वैब को जांच के लिए फोरेंसिक लैब में भेज दिया गया है।

सर्दी में जानलेवा बनी कमरे में जलती अंगीठी! पंजाब के अबोहर में दम घुटने से 3 बच्चों की दर्दनाक मौत

अबोहर (एजेंसी) नजदीकी गांव अजीत नगर सीड फार्म में दम घुटने से तीन मासूम बच्चों की दुखद मौत हो गई। बच्चों के माता-पिता की हालत गंभीर होने पर उन्हें फरीदकोट रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार कृष्ण व राधा अपने तीनों बच्चों के साथ कमरे में सोए हुए थे। उन्होंने ठंड से बचने के लिए कोयले की अंगीठी जलाई थी।

इस कारण कमरे के अंदर आक्सीजन की कमी के कारण तीनों बच्चों 7 वर्षीय पूजा, 5 वर्षीय दीपा व 2 वर्षीय पूनम की मौत हो गई। पिता कृष्ण व माता राधा की हालत गंभीर होने पर उन्हें फरीदकोट रेफर किया गया है। घटना का पता सुबह पड़ोसियों को चला तो उन्होंने शहर की समाजसेवी संस्था नर सेवा समिति को दी जिनके सदस्य मौके पर पहुंचे व सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डाक्टरों ने तीनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। कृष्ण यहां पर एक पोल्ट्री फार्म में काम करता है और परिवार समेत वहीं रहता है। घर या कमरे में अंगीठी जलाएं तो यह ध्यान रखें कि खिड़की खुली हो। हवा की आवाजाही के लिए व्यवस्था बनी हो।

अगर बच्चे साथ हैं तो कमरे के अंदर अंगीठी या अलाव न जलाना ही बेतहर है। रात में अंगीठी का इस्तेमाल खतरनाक है क्योंकि इससे आग भी लग सकती है। अंगीठी का इस्तेमाल थोड़े समय के लिए ही करें। इससे कमरे में आक्सीजन की मात्रा कम नहीं होगी। इस कारण चली जाती है जान हीटर, ब्लोअर या अंगीठी जलाते समय कमरे को पूरी तरह से बंद नहीं करना चाहिए। गर्मी से धीरे-धीरे कमरे में उपलब्ध आक्सीजन खत्म हो जाती है।

आग जलने से कार्बन मोनोआक्साइड जैसी जहरीली गैस बनती है। इसमें सांस लेने से खून में हीमोग्लोबिन घट जाता है और बेहोशी छाने लगती है। कुछ देर बाद मौत हो जाती है। अगर कमरे में एक से ज्यादा व्यक्ति सो रहे हैं तो ज्यादा देर तक आग न जलाएं। कमरे में जितने ज्यादा लोग होंगे आक्सीजन उतनी तेजी से कम होगी।

सिरसा में विवाहिता ने फंदा लगाकर दी जान, पिता बोला दहेज प्रताड़ना से तंग आकर की आत्महत्या

सिरसा (एजेंसी) बेगू रोड स्थित कीर्तिनगर में रहने वाली विवाहिता ने फंदा लगाकर जान दे दी। इस मामले में मृतका के पिता विजय कुमार निवासी अबोहर की शिकायत पर शहर थाना पुलिस ने मृतका के पति रमन सोनी, मां सुनीता रानी व भाई संदीप के खिलाफ मामला दर्ज किया है। विजय कुमार ने

आरोप लगाया कि उसकी बेटी ने आरोपित रमन सोनी के साथ 24 जून को कोर्ट में शादी करवाई थी।

शादी के दो महीने बाद आरोपित का परिवार गांव ओढ़ां से आकर सिरसा में रहने लग गया। विजय कुमार ने बताया कि आरोपितों का उनके घर भी आना जाना हो गया। शादी के तीन चार महीनों के बाद आरोपित उसकी बेटी प्रियंका को दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। प्रियंका का पति रमन उसके साथ मारपीट करता था। वहीं उसकी मां व भाई उसे उकसाते और भड़काते थे। इस बात से वह अपनी बेटी को कुछ न कुछ सामान देते रहते थे। विजय कुमार ने आरोप लगाया कि जब उसकी बेटी गर्भवती थी तो आरोपितें ने उनसे कार की डिमांड की थी। इस बात को लेकर वे उसकी बेटी के साथ मारपीट की और घर से निकाल दिया। विजय ने आरोप लगाया कि बीती 22 दिसंबर को आरोपित रमन ने उसकी बेटी के साथ मारपीट की और उसे घर से निकाल दिया।

उसकी बेटी प्रियंका अपनी नौ माह की बेटी के साथ उनके पास अबोहर आ गई। बाद में आरोपितों को समझाया तो उन्होंने दोबारा ऐसा न करने की बात कही। जिसके बाद 24 दिसंबर को उन्होंने प्रियंका को उसकी ससुराल भेज दिया। परंतु बाद में भी प्रियंका ने कहा कि उससे ससुरालजन उसे परेशान करते हैं। विजय ने बताया कि 27 दिसंबर को उन्हें पता चला कि उसकी बेटी प्रियंका ने अपने ससुराल वालों से तंग आकर घर में फंदा लगाकर जीवनलीला समाप्त की ली। कीर्तिनगर पुलिस चौकी के एएसआइ राजेश कुमार मामले की जांच कर रहे हैं।

एक नज़र

हिम्मत है तो समर्थन वापस लेने को कह दें, बिहार में भाजपा को जीतन राम मांझी की पार्टी की ललकार

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के ब्राह्मणों पर दिए गए विवादित बयान के बाद आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तेज है। बात समर्थन वापसी और सरकार गिराने तक की आ गई। बिहार सरकार के मंत्री नीरज कुमार बबलू ने कह दिया कि मांझी की पार्टी के चार विधायकों की बदौलत सरकार नहीं चल रही है। अब मांझी की पार्टी ने भाजपा को एक तरह से ललकार दिया है। कहा है कि यदि हमारे चार विधायकों की जरूरत नहीं तो समर्थन वापसी को कह दें। हम प्रवक्ता दानिश रिजवान ने कहा कि मीडिया में बने रहने के लिए मंत्री अनर्गल बयानबाजी करते हैं। एनडीए के वे तमाम नेता जो इस तरह की बयानबाजी करते हैं, आरोप-प्रत्यारोप लगाना बंद कर दें।

अभी सरकार के पास वैसे भी विधायकों की तादाद कम है। दो विधायकों का देहांत हो गया था तब चुनाव प्रचार के लिए पूरी ताकत लगानी पड़ी। अगर हमारे विधायक हट जाएं तो फिर इनके विधायक कम हो जाएंगे तो फिर कहां के रहेंगे ये लोग। प्रवक्ता ने कहा कि नीरज सिंह बबलू का बयान देखा कि संतोष मांझी भी रोड पर आ जाएंगे। तो उन्हें पता होना चाहिए कि मांझी समाज रोड किनारे रहने वाले लोग हैं। सड़क पर आ जाएंगे तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा। फर्क उन्हें पड़ेगा जो आलिशान कोठियों में रहनेवाले हैं। उन्हें जब निकलना पड़ेगा तब पता चलेगा। इस बयान पर कि चार विधायक से सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता, हम प्रवक्ता ने कहा कि फिर साथ क्यों रखे हुए हैं। हटवा दें। वे मंत्री हैं, केंद्र में उनकी सरकार है, आकर कह दें कि मांझी जी आप समर्थन वापस ले लीजिए। दानिश रिजवान ने कहा कि मंत्री जी को गणित का ज्ञान होना चाहिए। जब दो विधायकों का निधन हो गया था तब पूरी सरकार हिली हुई थी। अब ये चार विधायकों को लेकर ऐसा बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूपी विधानसभा चुनाव में पूरी मजबूती से लड़ेंगे। वीआइपी के साथ बात अभी प्रारंभिक स्तर पर है।

मंत्री जीवेश मिश्रा का बड़ा बयान, बिहार को विशेष राज्य के दर्जे पर जनता को भटकाने की कोशिश ना करें

पटना (एजेंसी)। बिहार को विशेष राज्य के मुद्दे पर एक सत्तारूढ़ दलों जदयू और भाजपा आमने-सामने है। पहले उपमुख्यमंत्री रेणु देवी फिर कृषि मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह और अब मंत्री जीवेश मिश्रा ने इस मुद्दे पर फिर कह दिया है कि बिहार को यह दर्जा नहीं मिल सकता। यह विशेष राज्य ही है। केंद्र से बिहार को विशेष पैकेज मिल ही रहा है। हम लोग काम कर ही रहे हैं। पिछले 15 वर्षों से बिहार में लगातार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास का काम हो रहा है। लेकिन कुछ नियमावली है जिसके कारण स्पेशल स्टेटस मिलना संभव नहीं है। बता दें कि सीएम नीतीश कुमार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने को लेकर मुखरता से आवाज उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के लिए यह अत्यंत जरूरी है। ऐसे में बिहार के मंत्री जीवेश मिश्रा का बयान सियासत गरमा सकता है। उन्होंने कहा कि विशेष राज्य के दर्जा के लिए कुछ नियमावली है। यह यूपीए की सरकार के समय ही बनाए गए थे। उसके अनुरूप मैदानी इलाके के राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल सकता है। पत्रकारों के सवालों से झल्लाए मंत्री ने कहा कि आप बार-बार एक ही बात क्यों सुनना चाहते हैं। हम तो पहले भी कहते रहे हैं कि बिहार विशेष राज्य ही है। केंद्र सरकार का पूरा ध्यान बिहार की ओर है। हमलोग लगातार बिहार के विकास के लिए काम कर रहे हैं। आप नजरें घुमाकर देख लीजिए बदलाव नजर आ जाएगा। इस क्रम में उन्होंने कहा कि जो लोग इस तरह की मांग उठा रहे हैं, वे भी केंद्र सरकार में मंत्री रहे हैं चाहे वे राजद के लोग हों या एनडीए के। ऐसे में वे भी जानते हैं कि क्या नियमावली है। बावजूद बार-बार यह मुद्दा उछालकर जनता को भरमाने की कोशिश की जा रही है। ऐसा नहीं किया जाए। सीएम नीतीश कुमार अपने कार्यों की बदौलत बिहार को विशेष राज्य बना चुके हैं।

बिहार में ओमिक्रोन को देखते हुए बड़ा निर्णय, नए साल पर चिड़ियाघर समेत सभी पार्क किए गए बंद

पटना (एजेंसी)। इस बार नए साल का जश्न चिड़ियाघर, राजधानी वाटिका व अन्य पार्कों-उद्यानों में नहीं मनाया जाएगा। मंगलवार को आपदा प्रबंधन समूह की बैठक के बाद मुख्य सचिव त्रिपुरारी शरण ने 31 दिसंबर से दो जनवरी तक चिड़ियाघर समेत सभी पार्क व उद्यान को पूरी तरह बंद करने का आदेश जारी किया है। गृह विभाग (विशेष शाखा) की ओर से मंगलवार की रात जारी निर्देश में कहा गया है कि कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन के प्रसार के बीच नववर्ष की पूर्व संध्या तथा प्रथम दिवस को होने वाले आयोजन को लेकर सार्वजनिक स्थल पर भीड़ एकत्रित होने की संभावना है। ऐसे में कोरोना को लेकर 15 दिसंबर को जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए पार्कों को तीन दिनों तक बंद करने का आदेश दिया गया है।

इसके अतिरिक्त सभी प्रकार के सामाजिक, राजनीतिक, मनोरंजन, खेलकूद, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों व कार्यक्रमों में उपस्थित व्यक्तियों को हर हाल में कोविड-19 को लेकर जारी मानकों का पालन करने का निर्देश दिया गया है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले व्यक्तियों को मास्क पहनना व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना अनिवार्य होगा। इसका अनुपालन सुनिश्चित कराने का दायित्व कार्यक्रम के प्रबंधक का होगा। बता दें कि बिहार में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। मंगलवार की बात करें तो राजधानी पटना से 10, गया से 17 समेत 47 नए कोरोना पाजिटिव मिले हैं। एक दिन पहले राज्य के शेखपुरा जिले से 16 बच्चों समेत 20 मरीज मिले थे।

बीएसएफ के रिटायर्ड जवान के घर एनआइए व झारखंड एटीएस की रेड, सोनपुर में चल रही छापेमारी

सोनपुर (एजेंसी)। सारण जिले के सोनपुर के शाहपुर गांव में बीएसएफ के रिटायर्ड जवान अरुण सिंह के आवास पर एनआइए की टीम छापेमारी कर रही है। सुबह पांच बजे से एनआइए की टीम घर का कोना-कोना खंगाल रही है। नक्सलियों से साठगांठ और गोलियों की आपूर्ति मामले में अरुण सिंह की गिरफ्तारी हुई थी। बताया जा रहा है कि एनआइए के साथ झारखंड पुलिस भी छापेमारी कर रही है। छापेमारी में दो कर्मी विटनेस के रूप में मौजूद हैं। इस संबंध में जांच अधिकारी कुछ भी बताने से इंकार कर रहे हैं। बता दें कि कुछ दिनों पहले नक्सलियों को हथियार सप्लाई करने की सूचना जांच एजेंसी को मिली थी। झारखंड पुलिस ने जांच की तो वैशाली जिले के रसुलपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले अरुण सिंह की संलिप्तता उजागर हुई। इसके बाद अरुण सिंह को 18 नवंबर को शाहपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। एटीएस की टीम ने घर पर छापोमरी कर करीब एक हजार कारतूस बरामद किए थे। तब पता चला कि वह नक्सलियों को हथियार की आपूर्ति करते थे।

गेहूं और धान छोड़कर जौ, बाजरा, ज्वार, मडुआ, सावां एवं कोदो की खेती कर रहे बिहार के ये किसान

पटना (एजेंसी)।
बिहार की खेती एक बार फिर करवट ले रही है। रसायनिक खादों के अंधाधुंध प्रयोग से बंजर हो रही धरती से चिंतित किसान फसलों की पुरानी प्रजातियों की ओर लौट रहे हैं। कुछ किसान इसे परंपरागत खेती तो कुछ प्राकृतिक खेती का नाम दे रहे हैं। अब किसान पैदावार की अंधी होड़ से बचना चाहते हैं। उनकी प्राथमिकताएं बदल रही है। ऐसे किसानों को मदद करने के लिए सरकार भी आगे आ रही है। परंपरागत खेती में शामिल जौ, ज्वार, बाजरा, मडुआ, सामा एवं कोदो की खेती को भी सरकार बढ़ावा दे रही है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (पूर्वी क्षेत्र) पटना के निदेशक डा. उज्जवल कुमार का कहना है कि रासायनिक खादों के उपयोग से किसानों का मोह भंग होने लगा है। अब वे एक बार फिर अपनी परंपराओं की ओर लौटना चाहते हैं। प्रगतिशील किसान

जीरो बजट की खेती को प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रदेश के प्रगतिशील किसानों के लिए जीरो बजट की खेती खूब भा रही है। डा.उज्ज्वल का कहना है कि जीरो बजट की खेती में लागत नाममात्र आती है। प्रयोग के तौर पर परिषद् की ओर से गया जिले में लगभग दस एकड़ में ऐसी खेती शुरू की गई है। इसके लिए किसानों को मडुआ का बीज मुहैया कराया गया है। वर्तमान में परंपरागत खेती के बीजों को लेकर थोड़ी परेशानी हो रही है। जैसे-जैसे बीज की व्यवस्था हो रही है, वैसे-वैसे परंपरागत खेती का दायरा बढ़ते जा रहा है। गया जिला पानी की कमी वाले जिलों में शामिल है। पुरानी कृषि पद्धति या परंपरागत खेती में पटना जिला अग्रणी है। यहां पर लगभग 4250 एकड़ में ज्वार, बाजरा, सावां-कोदो, मडुआ आदि की खेती की जा रही है। बागवानी अधिकारी विजय पंडित का कहना है कि वर्तमान में जिले में परंपरागत खेती के लिए 85 क्लस्टर बनाये गए हैं। एक क्लस्टर में 50 एकड़ शामिल है। एक क्लस्टर में 20 से लेकर 50 किसानों को शामिल किया गया है। परंपरागत खेती में न तो रसायनिक खादों का उपयोग किया जाता है न ही रसायनिक कीटनाशी का। इन खेतों में उपयोग करने के लिए नीमाष्ट का उपयोग किया जाता है। नीमाष्ट नीम के तेल से बनाया जाता है। नीम के तेल में लहसुन, तंबाकू को मिलाकर कुछ दिन सडने के लिए छोड़ दिया जाता है। उसके बाद उसे छानकर पानी में मिलाकर फसलों पर छिड़काव किया जाता है। इससे फसलों पर लगे कीट मर जाते हैं। पुरानी प्रजाति के धान के चावल एवं चूड़े की काफी मांग हो रही है। मीठापुर कृषि अनुसंधान संस्थान के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक एवं धान की प्रजातियों पर रिसर्च करने वाले विज्ञानी डा.अनिल कुमार का कहना है कि बिहार में चंपारण इलाके में पैदा की जाने वाली मिरचईया, भागलपुर की कतरनी एवं भोजपुर इलाके के सोनाचूर के चावल एवं चूड़े की मांग दुनियाभर में हो रही है। कतरनी एवं मिरचइया सुगंधित प्रजाति का धान है। परंपरागत फसलों का कारोबार करने वाले युवा उद्यमी संतोष कुमार का कहना जौ, ज्वार, बाजरा, मडुआ, सावां, कोदो की मांग काफी तेजी से बढ़ रही है। पहले केवल पटना में इसकी मांग होती थी लेकिन अब तक छोटे-छोटे शहरों से भी मांग हो रही है। अभी प्रतिमाह 500 किलोग्राम से ज्यादा इन फसलों का आटा बिक जाता है। केवल राजधानी में ही 300 किलोग्राम से ज्यादा की बिक्री हो रही है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने वाले लोग गेहूं के बदले ज्वार, बाजरा एवं मडुआ के आटे की मांग कर रहे हैं। राजधानी के अलावा महानगरों में भी मडुआ एवं बाजरा के आटे की आनलाइन मांग हो रही है। पटना से भेजा भी जा रहा है।

बांका गैस सिलेंडर ब्लास्ट:
सीएम नीतीश कुमार ने व्यक्त किया शोक, मृतकों को चार-चार लाख रुपये मुआवजे का ऐलान

बांका (एजेंसी)।
बांका जिले के रजौन प्रखंड के राजावर गांव में मंगलवार की शाम गैस सिलेंडर विस्फोट में एक ही परिवार के पांच बच्चों की मौत हो गई। गैस सिलेंडर विस्फोट में हुई मौतों पर सीएम नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदन व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना काफी दुखद है और मैं इस घटना से मर्माहत हूं। इसके साथ ही उन्होंने आपदा प्रबंधन विभाग एवं जिलाधिकारी, बांका को मृत बच्चों के परिजनों को आज ही चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि के भुगतान का निर्देश दिया है। राजावार में एक सिलेंडर हादसे से प्रकाश पासवान की पूरी दुनिया उजड़ गई है। इसके छोटे-छोटे चार बच्चे की मौत हो गई। जबकि अशोक के भाई प्रकाश पासवान की एक बेटी की मौत हुई है। बच्चे को बचाने में जख्मी हुए अशोक को इलाज के लिए रजौन पीएचसी में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद हर आखें रोई है। कई घरों में हादसे के बाद चूल्हें भी नहीं चले। प्रकाश एवं अशोक दोनों भाई मछली का कारोबारी है। मंगल का दिन उनके लिए अमंगल साबित हो गया है। रोते हुए अशोक ने बताया कि दो दिन पहले ही नया सिलेंडर लाए थे। उन्हें क्या पता था कि यह सिलेंडर उनकी दुनिया उजाड़ देगी।

शिवानी, सीमा, अंशु एवं अंशुका कुमार उसके चार बच्चे की एक साथ मौत ने परिवार को हिला कर रख दिया है। उनके तीन बच्चे गांव के ही सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। जबकि, प्रकाश की बेटी सोनी गोद में थी। सोनी की मां रेणु देवी, दादी सहित सभी परिवार का सदमें में हैं। जबकि सरिता देवी पिछले सप्ताह पथरी का इलाज कराई है। इस कारण उसकी स्थिति और खराब है।

बिहार के एमएलसी चुनाव में जदयू को चाहिए आधी सीटें!

पटना (एजेंसी)।
जिला परिषद और प्रखंड पंचायत समितियों के चुनाव तीन जनवरी को समाप्त हो जाएंगे। इधर विधान परिषद की खाली पड़ी (स्थानीय निकाय प्राधिकार) 24 सीटों पर चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधि इसके वोटर होते हैं। एनडीए के दो घटक दलों, भाजपा और जदयू में सीटों के बंटवारा पर अनौपचारिक बातचीत हुई है। यह बातचीत मंगलवार को कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में हुई। इसमें जदयू की ओर से शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी और भाजपा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष डा. संजय जायसवाल व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद शामिल हुए। जदयू की ओर से विजय चौधरी ही सहयोगी दलों से बातचीत के लिए अधिकृत हैं। सूत्रों ने बताया कि जदयू ने 12 यानी आधी सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की है। इन सीटों के लिए लिए पिछला चुनाव 2015 में हुआ था। तब भाजपा, रालोसपा और लोजपा साझे में लड़ी थी। भाजपा की 11 और लोजपा की एक सीट पर जीत हुई थी। बाद में लोजपा की नूतन सिंह और निर्दलीय अशोक कुमार अग्रवाल भाजपा में शामिल हो गए। जदयू का दावा इस आधार पर है कि उसके पांच उम्मीदवार जीते थे। उस चुनाव में जीते राजद के तीन और कांग्रेस के एक विधान पार्षद जदयू में शामिल हुए। यह संख्या नौ हुई। उसके अलावा उसे तीन ऐसी सीटें भी चाहिए, जहां 2009 के विधान परिषद चुनाव में जदयू की जीत हुई थी। सूत्रों ने बताया कि भाजपा और जदयू के बीच सीटों के लिए विवाद नहीं होगा। ऐसी ही समस्या 2019 के लोकसभा और 2020 के विधानसभा चुनाव के समय भी आई थी। जदयू ने 2009 के लोकसभा और 2015 के विधानसभा चुनाव में जीती अपनी कई सीटों पर दावा किया। भाजपा इसे देने पर सहमत भी हो गई। दोनों दलों ने एक दूसरे के लिए अपनी जीती हुई सीटें भी छोड़ी। मुश्किल की आशंका हिन्दुस्तानी अवामी मोर्चा (HAM) और विकासशील इंसान पार्टी (VIP) से है। ये दल भी सीटों की मांग कर रहे हैं। संभव है कि भाजपा और जदयू आपस में सीटें बांट कर इन दलों के लिए अपने-अपने कोटे से कुछ सीटें दे दे। जहां तक पशुपति कुमार पारस की अगुआई वाली लोजपा का सवाल है, उसे एक सीट देने पर सहमति बन चुकी है। पिछले चुनाव में एकीकृत लोजपा के उम्मीदवार सहरसा, हाजीपुर और नालंदा से चुनाव लड़े थे।

गया के सरकारी स्कूल में मिला अधेड़ का शव

गुरुआ (गया)। गया जिले के गुरुआ प्रखंड के बेलौटी गांव के मध्य विद्यालय के प्रांगण में बुधवार की सुबह एक अज्ञात पुरुष का शव मिला है। बेलौटी के ग्रामीणों ने शव मिलने की सूचना गुरुआ पुलिस प्रशासन को दिया। सूचना मिलने के बाद थाना अध्यक्ष दिवाकर कुमार विश्वकर्मा दल बदल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव की जांच में जुट गए। युवक की उम्र लगभग 55 वर्ष है। पुलिस ने ग्रामीणों और आसपास के इलाकों में शव की पहचान करवाने की कोशिश की, लेकिन शव की पहचान नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस शव की पहचान करने में जुटी हुई है। वहां उपस्थित लोगों का कहना है कि व्यक्ति की मौत कल बारिश में भीगने के बाद ठंड लगने के कारण हुई है। कुछ लोगों का ये भी कहना है कि विद्यालय के पास इतनी घर है तो वो अपने लिए मदद मांग ही सकता था। मौत का वास्तविक कारण अब तक नहीं पता लगा है पुलिस का कहना है की वास्तविक कारण पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा।

सीएम नीतीश कुमार ने जीविका दीदियों की सुनीं समस्याएं, इंडो-नेपाल बार्डर पर सख्ती के निर्देश

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)।
सीएम नीतीश कुमार अपने समाज सुधार अभियान के क्रम में बुधवार को मुजफ्फरपुर के एमआइटी ग्राउंड पहुंच चुके हैं। खराब मौसम की वजह से उन्हें अपने कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा। हवाई मार्ग की जगह वे सड़क मार्ग से यहां पहुंचे। यहां आने के बाद सबसे पहले उन्होंने जीविका दीदियों के स्टाल का निरीक्षण किया। इसके बाद मंच पर पहुंचे। जहां प्रमंडल के चार जिलों से पहुंची दीदियों ने सरकार के समाज सुधार से जुड़े कार्यक्रमों के बारे में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने सीएम के सामने बताया कि कैसे शराबबंदी व बाल विवाह पर रोक लगाए जाने की वजह से लोगों का जीवन बदल रहा है। परेशानियां कम हो रही हैं। सीतामढ़ी की रुबीना खातून के अपने अनुभव साझा करते हुए इंडो-नेपाल बार्डर पर जारी शराब की तस्करी को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि कैसे तस्कर मछलियों के बीच शराब की बोतलें लेकर आ जाते हैं। इसकी वजह से शराबबंदी में परेशानी हो रही है। इस पर सीएम ने मुख्य सचिव और डीजीपी को मंच पर अपने समीप बुलाकर नजर रखने का निर्देश दिया। सीएम नीतीश कुमार मुजफ्फरपुर के एमआइटी ग्राउंड पहुंच गए हैं। वे अभी स्टालों का निरीक्षण कर रहे हैं। इसके अलावा मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर और वैशाली के अधिकारियों के साथ वे समाहरणालय के सभाकक्ष में शराबबंदी, दहेज उन्मूलन, बाल विवाह समेत अन्य विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक करेंगे। कार्यक्रम की तैयारी पूरी कर ली गई है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। शराब, दहेज प्रथा व बाल विवाह जैसे सामाजिक मुद्दों के वर्तमान हालात पर बीआरए बिहार विवि के समाजशास्त्र विभाग की पूर्व अध्यक्ष व समाजशास्त्री डा. रंजना सिन्हा कहती हैं कि सरकार का यह सकारात्मक प्रयास है। शराबबंदी से कई घर टूटने से बच गए। समाज में बहुत बड़ा असर पड़ा है। बाल विवाह अब बहुत कम होता है। कई जगहों पर शिक्षा लेने के कारण कई लड़कियों ने बाल विवाह का विरोध किया। बाल विवाह व दहेज प्रथा की कुरीतियों के पीछे शिक्षा की कमी की बात आती है। जहां भी शिक्षा की कमी होगी, वहीं पर इस तरह की घटनाएं होती हैं। अब लड़कियां स्वावलंबी हो रही हैं। इसलिए इन सभी कुरीतियों को दूर करने के लिए शिक्षा की बुनियाद को और मजबूत करना पड़ेगा। तभी जाकर यह सभी कुरीतियों को दूर करने में हम सफल होंगे।

दिल्ली की निर्भया को इंसाफ दिलाने वाली वकील सीमा समृद्धि अब बिहार की बेटी को दिलाएंगी न्याय

नवादा (एजेंसी)।
नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र के रजौली बाजार स्थित बभनटोली मोहल्ले में विवाहिता काजोल कुमारी की हत्या मामले में अबतक आरोपितों को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। जिससे मायके के स्वजनों में काफी नाराजगी है। मृतका के पिता नगर थाना क्षेत्र के रामनगर मोहल्ला निवासी देवेंद्र प्रसाद ने बताया कि 12 दिसंबर को प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी में मृतका के पति धीरज कुमार, भैसुर नीरज कुमार, सास वीणा देवी और गोतनी ज्योति कुमारी को नामजद किया गया है। लेकिन, रजौली थाना की पुलिस अबतक आरोपितों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में बेटी काजोल की शादी धीरज के साथ हिंदू रीति रिवाज से हुई थी। शादी के वक्त 17 लाख रुपये नगद एवं तीन लाख रुपये का सामान दिया गया था। शादी के कुछ दिन बाद ही आठ लाख रुपये या फिर चार पहिया वाहन की मांग होने लगी। असमर्थता जताने पर बेटी को ससुराल में प्रताड़ित किया जाने लगा। मांग की पूर्ति नहीं होने पर बेटी को जलाकर मारने की कोशिश भी की गई। जिससे वह काफी झुलस गई थी। निजी क्लीनिक में इलाज कराना पड़ा था। 9 दिसंबर की रात बेटी के ससुराल से किसी ने फोन किया काजोल की तबीयत काफी बिगड़ गई है और उसे सूई दिलवाने गए हैं।

स्थिति गंभीर होने पर बेटी को विम्स पावापुरी, में भर्ती कराया गया। फिर वहां से पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। लेकिन, ससुरालवालों ने पीएमसीएच (पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल) नहीं ले जाकर बिहार शरीफ में एक निजी अस्पताल में भर्ती करवा दिया। जहां उसकी मौत हो गई। उसकी मौत के बाद ससुराल के लोग फरार हो गए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बेटी को घसीट-घसीटकर मारा गया।

सीमांचल क्षेत्र में तेंदुआ का आतंक जारी, छह से अधिक ग्रामीण हो चुके हैं घायल

अररिया (एजेंसी)।
अमुनन लोग शेर, बाघ, चीता,तेंदुआ, जंगली हाथी, जंगली सुअर जैसे जंगली जानवरों का नाम सुन कर ही घबरा जाते है। ऐसे में अगर इस में से अगर किसी खतरनाक जंगली जानवरों का प्रत्यक्ष दर्शन हो जाय तो लोगों का दहशत में आना लाजिमी है। यही हाल नरपतगंज प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र में दिखने को मिला। जहां तेंदुआ के घुस आने से इसका आतंक दिन भर बना रहा। तेंदुआ के हमले से आधा दर्जन ग्रामीण भी घायल हो गया। तेंदुआ के गांव में घुस आने की खबर सोमवार को जंगल में लगी आग की तरह आसपास के क्षेत्रों में फैल गई। लोग दहशतजदा हो गए। इसकी भनक पर पुलिस प्रशासन एवं वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई। दिन भर के ड्रामे के बाद लाठी डंडे से लैस ग्रामीणों के सहयोग से दो जिलों की पुलिस एवं वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा इसे घंटों कड़ी मशक्कत बाद ड्क्षपजरे में कैद किया गया। हुआ यूं कि सोमवार को नरपतगंज प्रखंड के फतेहपुर पंचायत के एक गांव में खेत में कार्य कर रहे कुछ लोगों की नजर तेंदुएं पर पड़ी। यह ख़बर गांव में फैलते ही लोग सहम उठे। इधर वन विभाग के टीम में मौके पर मौजूद वन परिसर पदाधिकारी प्रभात कुमार मिश्रा ने बताया कि फतेहपुर पंचायत के संथाली टोला वार्ड संख्या 11 में

तेंदुआ की सूचना पर विभाग सहित पुलिस की टीम द्वारा इसे कब्जे में लेने की कवायद शुरु हुई।उन्होंने बताया कि हो हल्ला के कारण तेंदुआ संथाली टोला के उपेंद्र टुडू के घर में बने मचान के नीचे बैठ गया था। जिसे पकडने के लिए घर के दो तरफ से दूर से जाल से घेराव किया किया गया। उसके बाद उसके घर में लगे तट्टी को काट कर रास्ता बनाया गया फिर उस रास्ते के मुंह पर पिंजरे को रखा गया। जिसके बाद तेंदुआ पकड़ में आया। बथनाहा के वन परिसर पदाधिकारी ने बताया कि ऐसा माना जाता है कि सीमावर्ती भाग होने के कारण पड़ोसी राष्ट्र नेपाल से अमूमन जंगली जानवर भटक के आ जाता है। उन्होंने बताया कि अगर तेंदुआ या अन्य खूंखार जंगली जानवर आने या देखे जाने की बात सामने आए तो लोग घर में रहे,उसे शांत छोड़ दे, उसे अनावश्यक तंग नही करे तो इससे बचाव हो सकता है। फिर इसकी सूचना अविलंब वन विभाग सहित प्रशासनिक टीम को दे। वन विभाग द्वारा जाल और पिंजरे के सहारे उसे काबू में लाया जाता है।

या फिर खूंखार जंगली जानवर जो भटक गया हो अगर खुले में हो तो उसे ट्रिंकुलाइजर गन से बेहोश कर जाल के सहारे पकड़ा जाता है। वही दुसरी और इससे पूर्व इसी वर्ष नरपतगंज के ही फुलकहा मानिकपुर क्षेत्र में नेपाल से भटक कर आए जंगली हाथी का तांडव लोग भूले नही है। वहीं सिकटी प्रखंड क्षेत्र में भी दो वर्ष पूर्व नेपाल क्षेत्र से आए जंगली हाथी का उत्पात लोग झेल चुके है।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड ने किया खुलासा, कड़ी प्रतियोगिता देखने के लिए तरस रहे हैं पोटिंग और बॉर्डर

मेलबर्न (एजेंसी) । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड ने खुलासा किया कि ऑस्ट्रेलिया के एकतरफा एशेज सीरीज जीतने से पूर्व कप्तानों रिकी पोंटिंग और एलन बॉर्डर को कड़ी प्रतियोगिता देखने को नहीं मिली है। उन्होंने आगे कहा कि एशेज में इंग्लैंड के खराब प्रदर्शन के कारण क्रिकेट प्रेमियों ने आगे के मैचों को भी देखने से इनकार कर दिया है। लॉयड ने डेली मेल में लिखा, पिछले कुछ हफ्तों में कई लोगों ने एशेज देखने से मना कर दिया है। मैं चैनल 7 के लिए काम कर रहा हूं और रिकी पोंटिंग और एलन बॉर्डर जैसे लोग एक कड़ी प्रतियोगिता के लिए तरस रहे हैं, क्योंकि इंग्लैंड ने अब तक बेहद खराब प्रदर्शन किया है। ऑस्ट्रेलिया ने 2021/22 एशेज के पहले तीन मैचों में ब्रिस्बेन, एडिलेड और मेलबर्न में इंग्लैंड को क्रमश~ नौ विकेट, 275 रन और एक पारी और 14 रनों से हराया है। इंग्लैंड के इस प्रदर्शन ने पूरे क्रिकेट जगत को निराश कर दिया है। लॉयड को लगता है कि टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के इस प्रदर्शन पर तुरंत जांच होनी चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि एक और समीक्षा होगी। वे तीसरे टेस्ट के मात्र छह सत्रों में ही मैच गंवा दिए। यह बेहद निराशाजनक प्रदर्शन है। साथ ही, उन्होंने महसूस किया कि इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को काउंटी चैम्पियनशिप के आयोजन की समयावधि पर फिर से विचार करने की आवश्यकता है।

एमसीजी में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटरों की लिस्ट में शामिल हुए बोलैंड

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड का नाम बुधवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) ऑनर बोर्ड पर आ गया। साथ ही वह बॉक्सिंग डे टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटरों की लिस्ट में भी शामिल हो गए। एमसीजी ने बुधवार को ऑनर बोर्ड पर बोलैंड के नाम की तस्वीरें पोस्ट कीं और ट्वीट किया, इतिहास की किताबों में बोलैंड ने अपना नाम दर्ज कर लिया है। 32 वर्षीय बोलैंड ने दूसरी पारी में सिर्फ सात रन देकर छह विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड की टीम 68 रनों पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया तीसरा एशेज टेस्ट एक पारी और 14 रनों से जीत गया। 1904 के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर इंग्लैंड का यह सबसे कम स्कोर है। 144 सालों में बोलैंड (6/7) द्वारा किए गए एमसीजी पर एक डेब्यू खिलाड़ी के रूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और अधिक विकेट लेने वाले एकमात्र खिलाड़ी टॉम केंडल हैं, जिन्होंने 1877 में 7/55 रिकॉर्ड विकेट अपने नाम किए थे। 1996 से 2006 के बीच 71 टेस्ट खेलने वाले तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी के बाद बोलैंड दूसरे आदिवासी खिलाड़ी हैं।

कोविड के कारण आयरलैंड और यूएसए के खिलाफ होने वाली अंतरराष्ट्रीय सीरीज रद्द

लॉडरहिल (फ्लोरिडा) (एजेंसी) । यूएसए क्रिकेट ने कहा कि आयरलैंड और यूएसए के खिलाफ तीन मैचों की एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज रद्द होने की खबर से वह निराश हैं। 26 दिसंबर की शाम को होने वाले पहले वनडे मैच को यूएसए स्टाफ और अंपायरिंग स्टाफ में कोविड के मामले निकलने के कारण रद्द करना पड़ा था। शेष दो वनडे 29 और 30 दिसंबर को भी रद्द करना पड़ा क्योंकि आयरिश स्टाफ के दो सदस्य कोविड से संक्रमित पाए गए है। उन्होंने कहा, हम सभी बुधवार को होने वाली एकदिवसीय सीरीज रद्द होने की खबर से निराश हैं। यूएसए क्रिकेट और क्रिकेट आयरलैंड ने अंतरराष्ट्रीय सीरीज को रद्द करने पर सहमति व्यक्त की है, जहां आज कोविड के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, कोविड टेस्ट कराने के बाद दोनों टीम के खिलाड़ी कोविड से संक्रमित नहीं मिले हैं, लेकिन आयरिश स्पोर्ट स्टाफ के दो सदस्य कोविड से संक्रमित पाए गए हैं। आयरलैंड अब वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी सीरीज के लिए 31 दिसंबर को किंग्स्टन और जमैका के लिए फ्लोरिडा से रवाना होगी। हालांकि, सहयोगी स्टाफ के जो दो सदस्य कोविड से संक्रमित पाए गए हैं, वे अपनी आगे की यात्रा तभी कर पाएंगे जब फ्लोरिडा में वे अपने क्वारंटीन का समय पूरा कर लेंगे।

ज्वेरेव, सितसिपास और सबालेंका आस्ट्रेलियाई ओपन से पहले आस्ट्रेलिया पहुंचे

सिडनी (एजेंसी)। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव और चौथे नंबर के खिलाड़ी स्टीफानोस सितसिपास 2022 के पहले ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट आस्ट्रेलियाई ओपन से पहले बुधवार को आस्ट्रेलिया के सिडनी पहुंच गए। इन दोनों खिलाड़ियों ने 2021 आस्ट्रेलिया ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

एरिना सबालेंका और पाउला बेडोसा भी बुधवार को एडीलेड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंची। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी सबालेंका ने 2021 सत्र में विंबलडन और अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी और आस्ट्रेलिया ओपन के चौथे दौर में पहुंची थी। बेडोसा ने इंडियन वेल्स ओपन का खिताब जीतकर पिछले सत्र में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाई थी। आस्ट्रेलियाई ओपन में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दूसरे दौर में जगह बनाना है।

आई लीग में कोविड से कई संक्रमित मामले मिले, बुलाई आपात बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी) । आई लीग फुटबॉल की कुछ टीमें बुधवार को कोरोना की चपेट में आ गई और बायो बबल में रहने और खेलने के बावजूद कई खिलाड़ी पॉजिटिव पाए गए। बढ़ते मामलों को देखते हुए समिति ने बुधवार को एक आपातकालीन बैठक बुलाई है। बैठक में लीग को जारी रखने या निलंबित करने पर फैसला लिया जाएगा। आई लीग की समिति ने कहा, खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा सर्वोच्च है। हालांकि अभी पॉजिटिव मामलों की संख्या का खुलासा नहीं किया है। लीग के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर ट्वीट किया गया कि , आई लीग टीम के बीच कुछ खिलाड़ी कोविड से संक्रमित पाए गए हैं। लीग मामले पर नजर रखे हुए है और क्लबों से इस बारे में बात की जा चुकी है। इसके अलावा लीग समिति की आपात बैठक दोपहर के समय बुलाई गई है। आगे की जानकारी जल्द दी जाएगी। इस साल आई लीग में 13 टीमें हिस्सा ले रही हैं और मुकाबलों का आयोजन तीन स्थलों, कोलकाता में मोहन बागान ग्राउंड, कल्याणी में क्ल्याणी स्टेडियम और नैहाटी में नैहाटी स्टेडियम पर हो रहा है। आई लीग में तीन नई टीमों, श्रीनिदी डेक्कन एफसी, राजस्थान यूनाइटेड एफसी और केनक्रे एफसी ने भी भाग लिया है।

दूसरी हार से लिवरपूल की खिताब की उम्मीदों को करारा झटका

लीसेस्टर (एजेंसी) । लिवरपूल का हारना और मोहम्मद सालाह का पेनल्टी चूकना, दोनों ही फुटबॉलप्रेमियों को असंभव से लगते हैं लेकिन दोनों बातें इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में हुई जिससे खिताब जीतने की लिवरपूल की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। लीसेस्टर ने मंगलवार को खेले गए मैच में लिवरपूल को 1 . 0 से हराया। शीर्ष पर काबिज मैनचेस्टर सिटी अगर बुधवार के मैच में ब्रेंटफोर्ड को हरा देती है तो उसकी बढत नौ अंक की हो जायेगी। सिटी न अभी तक लगातार नौ मैच जीत लिये हैं और पिछले तीन मैचों में 17 गोल दागे। लिवरपूल के स्टार फॉरवर्ड सालाह और सादियो माने अगले सप्ताह अफ्रीकी कप आफ नेशंस खेलने जा रहे हैं। उन्हें अपनी राष्ट्रीय टीमों के साथ देर से जुड़ने की अनुमति दी गई थी ताकि त्यौहार के इस दौर में वे लिवरपूल की जीत में योगदान दे सकें लेकिन ऐसा हुआ नहीं। सालाह को 16वें मिनट में पेनल्टी मिली लेकिन उनका कमजोर शॉट विरोधी गोलकीपर ने बचा लिया। वह 16 प्रयासों में पहली बार पेनल्टी पर गोल नहीं कर सके।आखिरी बार वह अक्टूबर 2017 में पेनल्टी भुनाने में नाकाम रहे थे। लिवरपूल और चेलसी के 41 अंक हैं और दोनों सिटी से छह अंक पीछे हैं। तीनों टीमों ने 19 मैच खेल लिये हैं। अन्य मैचों में क्रिस्टल पैलेस ने नॉर्विच को 3 . 0 से हराया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम और मुझे तेज गेंदबाज बोलैंड से काफी उम्मीदें हैं : कोच रोजर्स

मेलबर्न (एजेंसी) । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर क्रिस रोजर्स ने कहा कि तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड अपने फार्म में हैं, वे बल्लेबाजों को परेशान में माहिर हैं। तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ किए गए उनके प्रदर्शन को देखते हुए हमे और ऑस्ट्रेलिया टीम को उनसे काफी उम्मीदें हैं। वह टीम के लिए और भी टेस्ट खेलेंगे।

रोजर्स ने कहा, वह टीम में शीर्ष गेंदबाजों में से एक हैं। उन्होंने टेस्ट में डेब्यू के दौरान कई रिकार्ड तोडे हैं जो दशकों से भी पुराने हैं। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में खेलने वाले जेसन गिलेस्पी के बाद दूसरे स्वदेशी क्रिकेटर बोलैंड ने अपने टेस्ट करियर की एक शानदार शुरुआत की है, जिसमें उन्होंने दूसरी पारी में चार ओवर के दौरान सात रन देकर छह विकेट लिए हैं। 1877 में ऑस्ट्रेलियाई पूर्व गेंदबाज टॉम केंडल ने 55 रन देकर सात विकेट लिए थे। वहीं, 144 वर्ष बाद डेब्यू के दौरान बोलैंड ने सात रन देकर छह विकेट अपने नाम कर लिए। सेन डॉट कॉम डॉट एयू के हवाले से रोजर्स ने कहा कि बोलैंड एक सवश्रेष्ठ गेंदबाज हैं, उन्होंने जीवन में खेल के लिए काफी संघर्ष किया है, जिससे वे मैचों में शानदार तरीके से गेंदबाजी करते हैं।

वे बल्लेबाजों को गेंद फेंकने में माहिर हैं, वे लय में गेंद फेंकते हैं। बोलैंड जानते हैं कि हमे बल्लेबाजों के अनुसार गेंद फेंकनी हैं, जिससे क्रीज में खड़े बल्लेबाज उनकी गेंद समझने में देर कर देते हैं और वे अपना विकेट गंवा बैठते हैं। टीम को ऐसे ही एक गेंदबाज की जरूरत थी जो सभी प्रारूपों में गेंद फेंकने में माहिर हो।

रोजर्स ने महसूस किया कि पाकिस्तान, श्रीलंका और भारत में आगामी सीरीज के लिए बोलैंड पर विचार किया जाना चाहिए।

ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले साल मार्च-अप्रैल में पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट, तीन वनडे और एक टी20 मैच खेलेगी। वे साल के दूसरे भाग में श्रीलंका में दो और भारत में चार टेस्ट खेलेंगे।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि कप्तान पैट कमिंस और चयनकर्ताओं को उनके बारे में सोचना चाहिए, अगर वे टीम की तरफ से खेलते हैं तो वे उन्हें निराश नहीं करेंगे। एससीजी में चौथे टेस्ट से पहले टीम में चयन के लिए रोजर्स ने कहा कि बोलैंड द्वारा दूसरी पारी में छह विकेट लेने के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल होगा।

कुलदीप यादव को मिल सकती है इस टीम की कप्तानी, फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारतीय चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलते हुए रणजी ट्रॉफी में वापसी करेंगे। इस साल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आइपीएल के दूसरे सत्र में वह चोटिल हो गए थे और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के लिए एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए थे। सितंबर में उनके घुटने की सर्जरी हुई, जिसके बाद उन्होंने बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रीहैब किया। अब वह पूरी तरह मैच फिट है।

उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के चयनकर्ता इस बार रणजी टीम की कमान उन्हें दे सकते हैं क्योंकि वही सबसे तगड़े दावेदार हैं। विजय हजारे में अंतिम मुकाबलों में उप्र की तरफ से खेलने वाले भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार रणजी ट्रॉफी के शुरुआती दो-तीन मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में कप्तानी करने वाले करन शर्मा रणजी में कप्तान नहीं होंगे।

2019 विश्व कप के बाद से कुलदीप का समय ठीक नहीं रहा है। उन्हें काफी समय टीम इंडिया में रखा गया लेकिन खिलाया नहीं गया और जब खिलाया गया तब उनका प्रदर्शन बेहतर नहीं हो सका। इसका असर उनकी फ्रेंचाइजी पर भी पड़ा। केकेआर ने भी पिछले दो सत्र में उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए। कुलदीप ने 45 आइपीएल मैच खेले हैं और 8.27 की इकोनामी से 40 विकेट लिए हैं। उन्हें केकेआर ने पिछली बार 5.8 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। अगले साल आइपीएल की मेगा नीलामी होनी है। इसमें उत्तर प्रदेश की नई टीम और केकेआर फिर उन पर बोली लगा सकती है।

सात टेस्ट, 65 वनडे और 23 टी-20 खेलने वाले कुलदीप ने भारत के लिए आखिरी मैच 29 जुलाई को कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। उस समय मुख्य टीम विराट के नेतृत्व में इंग्लैंड में थी और शिखर धवन के नेतृत्व में दूसरी टीम श्रीलंका गई थी। 2018-19 में आस्ट्रेलिया दौरे पर पारी में पांच विकेट लेने के बाद पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कुलदीप को विदेश में टीम इंडिया का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर बताया था लेकिन इसके बाद उनको मौके नहीं दिए गए जिससे खिलाड़ी का मनोबल गिरना स्वाभाविक था। 13 जनवरी से शुरू हो रहा है। रणजी सत्र रणजी सत्र 13 जनवरी से शुरू हो रहा है। उप्र का पहला मुकाबला ओडिशा से होगा। एलीट ग्रुप-ई में उप्र और ओडिशा के अलावा बड़ोदरा, पुडुचेरी, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश हैं। हर टीम को ग्रुप के पांच मुकाबले खेलने हैं।

श्रेय उन खिलाड़ियों को जाता है जिन्होंने कड़ी मेहनत की है : शमी

सेंचुरियन (एजेंसी) । यहां के सुपरस्पोर्ट पार्क में मंगलवार को तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कमांडिंग पोजीशन में भारत को तीन विकेट दिलाने वाले मोहम्मद शमी ने कहा कि भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण का श्रेय हर उस सदस्य को जाना चाहिए, जिसने पिछले 6-7 वर्षों में कड़ी मेहनत की है।

31 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार गेंदबाजी की और पांच विकेट (5/44) लिए, जिससे भारत को दक्षिण अफ्रीका को कम स्कोर पर समेटने में मदद मिली। टेस्ट में यह उनका छठा पांच विकेट था। शमी ने मैच के बाद मीडिया से कहा, भारतीय तेज गेंदबाजी दुर्जेय है, क्योंकि प्रत्येक सदस्य ने कड़ी मेहनत की है और अपनी कड़ी मेहनत से यह सब हासिल किया है। उन्होंने अपने लिए अपनी एक छोटी सी जगह बनाई है और हां वे वही हैं, जिन्होंने बहुत अधिक मेहनत की है पिछले 6-7 वर्षों में काम किया। वे यहां अपने दम पर हैं। शमी के

अर्धशतक ने भी उन्हें 200 विकेट का व्यक्तिगत मील का पत्थर हासिल करने में मदद की। वह अब अपने 55वें टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारतीय तेज गेंदबाजों में तीसरे सबसे तेज हैं। कुल मिलाकर, वह 200 या अधिक विकेट लेने वाले 11वें भारतीय गेंदबाज हैं और इस मुकाम तक पहुंचने वाले केवल पांचवें तेज गेंदबाज हैं। शमी फिलहाल कपिल देव (434), इशांत शर्मा (311), जहीर खान (311) और जवागल श्रीनाथ (236) से पीछे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कभी 200 टेस्ट विकेट लेने का सपना देखा था, शमी ने कहा कि वह केवल कड़ी मेहनत करने में विश्वास करते हैं और परिणाम प्रक्रिया का हिस्सा हैं।

रिटायरमेंट लेने के बाद इस टीम से जुड़ सकते हैं हरभजन सिंह, सामने आई जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी) । हाल ही में हर तरह के क्रिकेट से संन्यास ले चुके भारतीय आफ स्पिनर हरभजन सिंह का अगला प्लान क्या है, ये अभी तक उजागर नहीं हुआ है। हालांकि, इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल में एक टीम के साथ जुड़ सकते हैं। इस बार उनकी नई पारी

एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि एक मेंटर के रूप में होगी। इसका खुलासा जल्द हो जाएगा। जानकारी के अनुसार, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह आइपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स यानी केकेआर के मेंटर बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी और हरभजन के बीच इस मसले पर बात चल रही है। हरभजन ने भी संन्यास के बाद दैनिक जागरण को दिए इंटरव्यू में संकेत दिए थे कि वह किसी आइपीएल फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ सकते हैं। हरभजन खिलाड़ी के तौर पर चेन्नई सुपर किंग्स, केकेआर और मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे हैं। गौरतलब है कि लंबे समय तक टीम इंडिया के लिए खेल चुके हरभजन सिंह इस साल भी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेले हैं, लेकिन अब उन्होंने क्रिकेट की दुनिया को एक खिलाड़ी के तौर पर अलविदा कह दिया है। वे मेंटर की भूमिका में नजर आएंगे और इस तरह कोचिंग की दुनिया में कदम रखेंगे। इसके अलावा वे कमेंट्री भी कर चुके हैं और खास बात ये है कि वे हिंदी के अलावा अंग्रेजी में भी कमेंट्री करने में माहिर हो गए हैं। इस तरह उनके पास कई विकल्प हैं। भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में 400 से ज्यादा विकेट चटकाने वाले हरभजन सिंह राजनीति की दुनिया में भी कदम रख सकते हैं। इस बात के संकेत भी उन्होंने दैनिक जागरण को दिए इंटरव्यू में दिए थे। हालांकि, इस पर उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा था, लेकिन उन्होंने ये बात जरूर कही थी कि अगर वे राजनीति में आते हैं तो अपनी मांग और इरादों के साथ आएंगे और पंजाब में खेल के क्षेत्र में विकास करना चाहेंगे।

इस धुरंधर को प्लेइंग इलेवन से अब होना पड़ेगा बाहर, पूर्व दिग्गज ने बताया खतरे में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारतीय क्रिकेट टीम साउथ अफ्रीका में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच में खेल रही है। टीम इंडिया की बल्लेबाजी एक बार फिर से इस मैच में निराश करने वाली रही। दोनों ही पारी में बड़े बल्लेबाज रन बनाने में नाकाम रहे। कप्तान विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे ने टीम को निराश किया। पूर्व क्रिकेटर मदन लाल ने पुजारा की जगह को लेकर बात की है। भारत के अनुभवी बल्लेबाज पुजारा के फार्म को लेकर काफी बातें की जा रही है। सेंचुरियन टेस्ट की पहली पारी में वह बिना खाता खोले वापस लौटे थे जबकि दूसरी पारी में भी महज 16 रन ही बना पाए। साल 2019 में आस्ट्रेलिया के दौरे पर सिडनी में आखिरी बार शतकीय पारी खेली थी। मदन ने उनकी टीम में जगह पर सवाल उठाते हुए कहा खिलाड़ी ऐसे है जो उनको प्लेइंग इलेवन से बाहर कर सकते हैं। पुजारा संघर्ष कर रहे हैं। इसको लेकर कोई दूसरा रास्ता नहीं। इस टीम में ऐसे काफी खिलाड़ी हैं जो उनको प्लेइंग इलेवन से बाहर कर सकते हैं। तीसरे नंबर तो कप्तान को भी एक ऐसा खिलाड़ी चाहिए जो पारी को

संभाल कर सक सके और ज्यादा से ज्यादा रन भी टीम के बनाकर दे सके। एक वक्त था जब पिच पर पुजारा ज्यादा से ज्यादा वक्त बिताया करते थे। तो यह बात एक दम से साफ है कि वह इस वक्त संघर्ष कर रहे हैं। रहाणे ने सेंचुरियन टेस्ट की पहली पारी में महज दो रन से अर्धशतक से चूक गए थे। 102 गेंद का सामना करते हुए उन्होंने 48 रन बनाए थे। वहीं दूसरी पारी में वह 20 रन बनाकर आउट हुए। इस पारी में उन्होंने महज 23 गेंद का ही सामना किया था। खराब फार्म से गुजर रहे इस खिलाड़ी को हाल ही में टेस्ट की उप कप्तानी से हटाया गया। रोहित शर्मा को उनकी जगह साउथ अफ्रीका दौरे से पहले यह जिम्मेदारी दी गई थी।मदन ने उनके बारे में बात करते हुए कहा, अजिंक्य रहाणे को रन बनाना चाहिए क्योंकि भारतीय टीम को मिडिल आर्डर में उनके जैसे एक बल्लेबाजी की जरुरत है। वह तकनीकी रूप से काफी ज्यादा अच्छे हैं और जब वह रन बनाते हैं तो उनको इससे काफी आत्मविश्वास भी मिलता है। आगे बढ़े तो अगर जो आपकी टीम के कुछ खिलाड़ी खराब फार्म से गुजर रहे हों तो मिडिल आर्डर में ऐसे बल्लेबाजों की जरूरत होती है जो टीम को मजबूत दे सके।

चोट से उबरने के बाद कॉनवे बांग्लादेश सीरीज के लिए तैयार

माउंट मॉन्गनुई (एजेंसी) । न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने बुधवार को कहा है कि वह बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं। 30 वर्षीय खिलाड़ी को संयुक्त अरब अमीरात में आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ चोट लग गई थी।

वह चोट के कारण भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से भी बाहर रहे थे। बुधवार को न्यूजीलैंड इलेवन और बांग्लादेश के बीच दो दिवसीय अभ्यास मैच में कॉनवे ने करीब 77 ओवर तक फिल्डिंग किया, जिसमें उन्हें कोई भी परेशानी नहीं हुई।

इस साल जून में लॉर्डस में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू पर दोहरा शतक बनाया और साउथेम्प्टन में भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में शीर्ष स्कोरर रहने वाले कॉनवे ने कहा कि अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं। कॉनवे ने बुधवार को स्टफ से कहा, मेरा हाथ वास्तव में अच्छी तरह से ठीक हो गया है और मैं टेस्ट सीरीज खेलने के लिए उत्साहित हूं।

डेविड वार्नर ने इंग्लैंड की टीम को दी सलाह, बताया कैसे करनी हैं आगे की तैयारी

मेलबर्न (एजेंसी)। एशेज सीरीज को आस्ट्रेलिया ने अपने नाम कर लिया है। इसके बाद आस्ट्रेलिया के स्टार सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने इंग्लैंड की टीम को एक सलाह दी है। एशेज सीरीज के अभी दो मैच बाकी हैं और इससे पहले डेविड वार्नर ने इंग्लिश टीम को सलाह दी है कि वह सिंथेटिक विकेटों पर तैयारी करें, ताकि वह पिचों में अतिरिक्त उछाल के साथ तालमेल बिठा सकें। मंगलवार को यहां बाक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन के पहले ही सत्र में आस्ट्रेलिया ने पारी और 14 रन से जीत दर्ज कर इंग्लैंड की एशेज की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। आस्ट्रेलिया की टीम ने पहला टेस्ट मैच ब्रिसबेन में 9 विकेट से जीता था, जबकि एडिलेड में पिंक बाल से खेले गए डे-नाइट टेस्ट मैच में मेजबानों ने 275 रनों से दमदार जीत दर्ज की थी। वहीं, बल्लेबाजी में संघर्ष कर रही इंग्लैंड की टीम को लेकर डेविड वार्नर ने कहा कि उनके बल्लेबाज उछाल के साथ सामंज्य नहीं बैठा पा रहे हैं और असफल हो रहे हैं। उन्होंने आस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस से बात करते हुए कहा, बल्लेबाजी के दृष्टिकोण से उछाल बहुत बड़ा कारण है। यहां आस्ट्रेलिया में पले-बढ़े

और इन विकेटों पर खेलना इस बात से अलग है कि हम इंग्लैंड की तुलना में इसे कैसे अपनाएंगे। उन्होंने आगे कहा, मैं शायद इंग्लैंड को सिंथोस (सिंथेटिक विकेट) पर जाने और (अतिरिक्त) उछाल के खिलाफ अभ्यास करने का सुझाव दूंगा। आपको हमेशा तैयारी करने के तरीके खोजने होते हैं और उछाल के लिए तैयारी करने का एकमात्र तरीका इंग्लैंड में सिंथोस है। वार्नर ने यह भी कहा कि इंग्लैंड के गेंदबाजों ने पहले तीन एशेज टेस्ट में बैक लेंथ की गेंदबाजी में गलती की, यह एक चाल है। जो आमतौर पर आस्ट्रेलियाई पिचों पर काम नहीं करता है। उन्होंने कहा, इंग्लैंड में बैक आफ लेंथ स्टंप्स को हिट करेगी, लेकिन ये लेंथ एडिलेड या गाबा में स्टंप्स को हिट नहीं करेगी। 5 जनवरी से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट मैच से पहले डेविड वार्नर ने कहा, यहां गेंद को पिच करने के लिए आपको काफी बहादुर बनना होगा। हम एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में महसूस करते हैं जब इंग्लैंड का कोई गेंदबाज गेंद को आगे पिच कराता है, हम उन्हें जमीन के सहारे खेलते हैं, लेकिन आपको यह मौका बनाने के लिए करना होगा, उन किनारों को खोजने के लिए आपको बैट-पैड का अंतर पैदा करना होगा।

टेस्ट छोड़ने से पहले 2023 एशेज और भारत में श्रृंखला जीतना चाहते हैं वॉर्नर

मेलबर्न (एजेंसी) । आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर टेस्ट क्रिकेट से विदा लेने से पहले इंग्लैंड में 2023 एशेज श्रृंखला जीतना और भारत को उसकी सरजमीं पर हराना चाहते हैं। एशेज श्रृंखला में 12 दिन के भीतर 3 . 0 से बढत बनाने के बाद 35 वर्ष के वॉर्नर ने स्वीकार किया कि उनका काम अभी पूरा नहीं हुआ है। वॉर्नर इस साल टी20 विश्व कप में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहे थे और आस्ट्रेलिया ने पहली बार खिताब जीता था। उन्होंने 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' से कहा,'' हमने अभी भारत को भारत में नहीं हराया है। हम ऐसा करना चाहेंगे। इंग्लैंड में 2019 में श्रृंखला ड्रॉ रही थी लेकिन उम्मीद है कि अगली बार हम जीतेंगे।'' इंग्लैंड में तीन श्रृंखलाओं में 13 और भारत में दो श्रृंखलाओं में आठ टेस्ट खेल चुके वॉर्नर का दोनों देशों में खराब रिकॉर्ड रहा है।उन्होंने क्रमश~ 26 और 24 की औसत से रन बनाये और एक भी शतक नहीं जमा सके। अगली

एशेज श्रृंखला तक वह 37 वर्ष के हो जायेंगे लेकिन उम्र उनके लिये महज एक आंकड़ा है। उन्होंने कहा,'' जेम्स एंडरसन ने उम्रदराज खिलाड़ियों के लिये मानदंड कायम कर दिये हैं।

काशी का कायाकल्प

पद्मश्री हरिहर कृपालु त्रिपाठी

बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी भारत की आध्यात्मिक विरासत और सांस्कृतिक राजधानी है। हमारे शास्त्र और पुराण हमें बताते हैं कि मां गंगा और भगवान शिव के बीच एक रिश्ता है। मां गंगा के तट से विश्वनाथ दिखायी देते हैं और विश्वनाथ के द्वार से मां गंगा। संभवतः सदियों के बीतने के साथ ही एक अवरोध उत्पन्न हो गया इसलिए मां गंगा के तट पर खड़े होकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन नहीं कर सकते थे और बाबा विश्वनाथ के द्वार से गंगा जी को देख पाना असंभव हो गया लेकिन अब ऐसा नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मर्म को समझा और विश्वनाथ धाम का निर्माण कराकर पौराणिक वैभव की पुनर्प्रतिष्ठा करने के साथ-साथ एक बहुत बड़ी कमी को पूरा कर दिया। अब मां गंगा के तट पर खड़े होकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए जा सकते हैं और बाबा विश्वनाथ के द्वार से मां गंगा की अद्भुत छवि देखी जा सकती है। दूसरे शब्दों में कहें तो पतित पावनी मां गंगा अब देवाधिदेव बाबा विश्वनाथ के चरण पखारने के साथ ही श्रद्धालुओं को काशी विश्वनाथ धाम में होने के अद्भुत गौरव की अनुभूति भी होगी।

हमारे शास्त्र बताते हैं कि भगवत जल तीरे अर्थात गंगा के किनारे विश्वनाथ जी हैं। कालांतर में जनसंख्या की अधिक बसावट के कारण गंगा तट से विश्वनाथ मंदिर का दिखना बंद हो गया। यह अवरोध न ही दर्शनार्थियों की दृष्टि से उचित था और न ही मां गंगा और बाबा विश्वनाथ की पूरकता की दृष्टि से। लेकिन आज जब श्री काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण हो गया बाबा का द्वार इतना भव्य और विस्तारित हो चुका है कि अब वह बाधा समाप्त हो गयी। धाम में चार-चार द्वार बने हैं। चार वेदों की तरह विश्वनाथ धाम के चार द्वार हैं। सात तरह के पत्थरों से धाम को भव्य रूप प्रदान किया गया है। इस भव्य धाम से एक समय में लगभग दो लाख श्रद्धालु प्रवेश कर सकेंगे और दर्शनार्थी धाम के बाहरी हिस्से में टेरेस पर खड़े होकर मां गंगा के साथ-साथ मणिकर्णिका और ललिता घाट को भी निहार सकेंगे। जबकि पहले काशी विश्वनाथ मंदिर में केवल 15-20 श्रद्धालु ही दर्शन कर पाते थे। यही नहीं धार्मिक-आध्यात्मिक पर्यटकों की दृष्टि से भी धाम में कई अहम चीजें बनायी गयी हैं जैसे कि मंदिर चौक, मुमुक्ष भवन, सिटी म्यूजियम, वाराणसी गैलरी... आदि।

पर्यटन की दृष्टि से काशी बहुत ही महत्वपूर्ण जगह है। यहां बाबा विश्वनाथ के धाम के साथ-साथ सारनाथ भी है जहां महात्मा बुद्ध ने धर्मचक्र प्रवर्तन नाम से अपना पहला प्रवचन दिया था। इस स्थान पर उनका स्तूप भी बना हुआ है। काशी विश्वनाथ धाम में कनाडा से 108 वर्षों के बाद माता अन्नपूर्णा जी को वापस लाकर श्री काशी विश्वनाथ धाम में उनकी पुनः प्राण

प्रतिष्ठा से न केवल काशी बल्कि उत्तर प्रदेश और उसके साथ देश भर के लोगों में एक उत्साह और आकर्षण को देखा जा सकता है। अगर श्री काशी विश्वनाथ धाम का यह विस्तार न होता तो माता अन्नपूर्णा के लिए स्थान ही नहीं मिल पाता। इस विस्तार के कारण ही माता अन्नपूर्णा आज यहां विराजमान हो पायी हैं। विशेष बात यह है कि भगवान विश्वनाथ का अन्नकूट चलता है जिसके लिए पहले स्थान बहुत कम पड़ा जाता था। मैं स्वयं 3 वर्षों तक इसका अध्यक्ष रहा हूं इसलिए मैंने उन असुविधाओं को काफी करीब से महसूस किया है। भगवान विश्वनाथ के अन्नकूट से आए हुए श्रद्धालुओं को भोजन कराया जाता है। धाम बनने से पहले इसके लिए स्थान बहुत ही कम पड़ जाता था। ऐसे में एक साथ हजारों लोग बैठकर भोजन नहीं कर सकते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है अब एक समय में हजारों लोग बैठकर बाबा विश्वनाथ का प्रसाद ग्रहण कर सकते हैं। इतनी बड़ी व्यवस्था प्रधानमंत्री मोदी जी और योगी जी के कारण ही हो पायी है। प्रधानमंत्री जी के व्यक्तिगत सहयोग से और उनके संसदीय क्षेत्र होने के कारण भी यह धर्मकार्य पूर्ण हो पाया।

काशी का कायाकल्प और पौराणिक गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, विशेषकर धार्मिक पर्यटन का। इससे धर्म एवं संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा और काशी हमारी संस्कृति व सभ्यता के मौलिक केन्द्र के रूप में गौरव की पुनः अनुभूति करेगी।

उल्लेखनीय है कि यहां बाबा विश्वनाथ धाम के अतिरिक्त बौद्धों का आध्यात्मिक-धार्मिक केन्द्र सारनाथ, रैदास की जन्मस्थली और कबीर की कर्मभूमि भी है। इन सबका संयोग अब काशी के पुराने गौरव से लोगों को परिचित कराएगा। काशी का रिंग रोड और एयरपोर्ट कनेक्टिविटी सहज यातायात को और गति प्रदान करेगा। काशी को एक नया रूप देने के लिए यहां की जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बहुत ही पवित्र मन से धन्यवाद कहती है। 'वाह मोदी जी, वाह योगी जी आपने काशी को काशी बना दिया' यह भाव आज न केवल काशीवासियों के मन में है बल्कि मेरी दृष्टि में तो हर प्रदेश और देशवासी में भी होगा। घाटों का दृश्य और रंग उनकी जीवंतता की नई कहानी लिख रही है। गंगा की अविरलता और पवित्रता नई स्फूर्ति एवं उल्लास पैदा कर रही है। काशी का यह कायाकल्प, घाटों को अद्भुत सौंदर्य और प्रवेश द्वारों का अद्भुत वैभव काशी के उन्नयन की पटकथा लिख रहा है। वास्तव में यह धाम भारत के आत्मगौरव और प्रदेश की आर्थिक समृद्धि का एक नया प्रवेश द्वार सा प्रतीत होता है। हमारी आने वाली पीढ़ियां काशी के इतिहास से जुड़े पन्नों को जब उलटेंगी तो वे इसकी अनुभूति अवश्य करेंगी। हम सभी काशीवासी इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी के ऋणी हैं और मोदी जी को व योगी जी को इसके लिए साधुवाद देना चाहते हैं।

आर्थिक विकास को रफ्तार

श्री काशी विश्वनाथ धाम को मूर्त रूप देकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करोड़ों भक्तों की आस्था का सम्मान किया है, साथ ही पूर्वांचल के आर्थिक विकास को भी गति प्रदान की है। देश के अन्य हिस्सों के अतिरिक्त एक बड़ी संख्या उन लाखों दक्षिण भारतीयों की है जो प्रतिवर्ष श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन करने आते हैं। काशी आने वालों में विदेशी पर्यटकों की तादाद भी कम नहीं है। सांस्कृतिक, साहित्यिक, धार्मिक व आध्यात्मिक केंद्र वाराणसी अब श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के जरिए आर्थिक विकास की राह सुगम करेगा। वाराणसी सहित पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास को पंख लगेंगे। पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक के अनुसार, वाराणसी में हर साल 55 लाख देशी व साढ़े चार लाख विदेशी पर्यटक आते हैं। श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण होने से देशी पर्यटकों में 10 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि की संभावना है।

श्री काशी विश्वनाथ धाम आज जितना दिव्य दिख रहा है, उसका निर्माण उतना आसान नहीं था। सभी लोगों को साथ में लेकर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में श्री काशी विश्वनाथ धाम का रिकॉर्ड समय में कार्य पूरा हुआ है। इसके लिए पीएम व सीएम दोनों को आभार...
- पद्मश्री डॉ. एनएन खन्ना

श्री काशी विश्वनाथ धाम की परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से साकार हुई है। सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में श्री काशी विश्वनाथ धाम की बड़ी भूमिका साबित होगी। इसके लिए केंद्र व प्रदेश सरकार का जितना धन्यवाद किया जाए, वह कम होगा।
प्रो. राम नारायण द्विवेदी
महामंत्री, काशी विद्वत परिषद

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की प्रसिद्धि को धाम और ऊंचाई देगा। इसके लिए प्रधानमंत्री जी की जितनी दृढ़ता थी, उतनी ही अधिकारियों की निष्ठा भी दिखी है। तमाम अवरोध के बीच श्री काशी विश्वनाथ धाम बनाने के लिए सभी को धन्यवाद।
- पद्मश्री सरोज चूड़ामणि

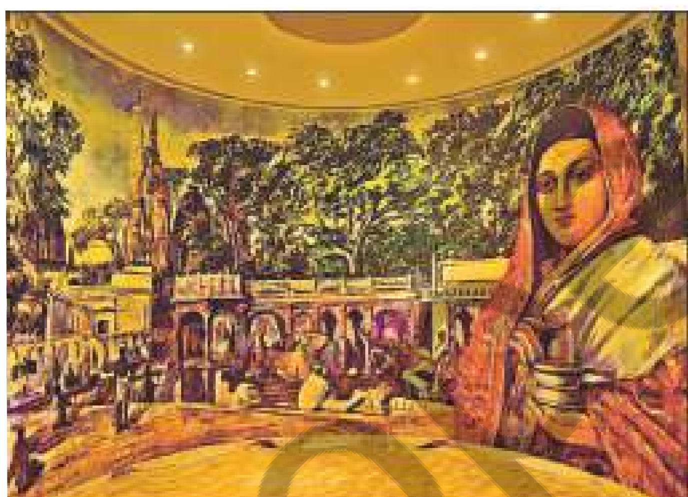

धाम के प्रांगण में बनी पेंटिंग आगंतुकों के आकर्षण का केन्द्र बनी

धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन के साथ

विकसित होगा नया बाजार

बनारस में धार्मिक पर्यटन बढ़ने का असर होटल, टूर एंड ट्रैवल्स, हस्तशिल्प और हथकरघा व साड़ी के अलावा अन्य उत्पादों के बाजार पर भी पड़ेगा।

श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण की चर्चा देश-विदेश में हो रही है। इस कॉरिडोर के निर्माण से सांस्कृतिक व धार्मिक पर्यटन के ढाई गुना तक बढ़ने की संभावना है। बनारस में पर्यटन उद्योग कारोबार और रोजगार का सबसे प्रमुख माध्यम है। धार्मिक पर्यटन बढ़ने का सीधा असर होटल, टूर एंड ट्रैवल्स, साड़ी, हस्तशिल्प व हथकरघा उत्पादों के अलावा अन्य सभी बाजार पर पड़ेगा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए देश-विदेश के कई हिस्सों से श्रद्धालु आते हैं। यह पर्यटक दो से तीन दिन ठहरते हैं। पहले श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के कुछ समय बाद ही वे वापस चले जाते थे। लेकिन अब बाबा विश्वनाथ धाम में श्रद्धालु अथवा धार्मिक पर्यटक लम्बे प्रवास पर रहना चाहेंगे। धाम से गंगा दर्शन का सौभाग्य भी श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगा। बेंगलुरु, चेन्नई, कोच्चि, विजयवाड़ा, हैदराबाद, जयपुर, मुंबई, अहमदाबाद, सूरत, बड़ौदा, दिल्ली, गुरुग्राम समेत अन्य राज्यों से लाखों श्रद्धालु हर साल दर्शन-पूजन के लिए काशी आते हैं। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से रेस्टोरेंट व्यवसाय को भी गति मिलेगी। बनारस में हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पाद तैयार किये जाते हैं जिनकी देश-विदेश में खासी मांग है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के दिव्य और भव्य स्वरूप से बनारस में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने का सीधा असर पूर्वांचल के दूसरे जनपदों पर भी पड़ेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी की विरासत को पुनर्जीवित करने का काम किया है। यह अकल्पनीय था। काशी देश के धार्मिक पर्यटन का बड़ा केन्द्र बनेगा जिससे जिले में रोजगार की असीम संभावनाएं बढ़ेंगी।
-अशोक गुप्ता
अध्यक्ष, बनारस इंडस्ट्रियल एंड ट्रेड एसोसिएशन

बनारस के लिए ऐतिहासिक, अद्भुत क्षण है। श्री काशी विश्वनाथ धाम की जो कल्पना मेरे मन में थी उससे कहीं ज्यादा यह अद्भुत और विलक्षण है। धाम से सीधे मां गंगा का दर्शन, इसे और दर्शनीय बनाता है। हम सब इस अद्वितीय क्षण के साक्षी बने, यह बड़ी बात है।
-आरके चौधरी
राष्ट्रीय सचिव
इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन

साल 2019 में 67 लाख पर्यटक आए

पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार बनारस में पिछले कुछ वर्षों के दौरान पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। साल 2019 में 67 लाख देशी-विदेशी पर्यटक आए थे। इनमें 64 लाख केवल देशी पर्यटक रहे। कोरोना के कारण दो साल से विदेशी पर्यटकों का आना बहुत सीमित हो गया है। लेकिन इस दौरान देखा गया कि देशी पर्यटकों ने विदेशी पर्यटकों की कमी पूरी कर दी। श्री काशी विश्वनाथ धाम में सुविधाएं बढ़ने के कारण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। पर्यटक बेहतर सुविधाएं मिलने के कारण बार-बार यहां अब वैष्णो देवी और शिर्डी साईं बाबा मंदिर की तर्ज पर आना पसंद करेंगे।

काशी का होटल उद्योग करेगा बम-बम

वाराणसी में कई ऐसे अवसर आते हैं जब होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशालाएं फुल हो जाती हैं। धार्मिक पर्यटन बढ़ने से नए होटल, गेस्ट हाउस भी बनेंगे। होटल उद्योग को जिसका सीधा फायदा पहुंचेगा। स्टाफ की भर्ती होगी। इसके अलावा श्रद्धालुओं को ठहराने के लिए घाट किनारे पेइंग गेस्ट की तर्ज पर शहर के अन्य इलाकों में भी इसकी संभावना बढ़ी है। इस विकल्प के जरिए भी शहरवासियों को अपनी आय बढ़ाने का अवसर मिलेगा। महाशिवरात्रि, सावन के दौरान काफी संख्या में श्रद्धालु काशी आते हैं। श्रद्धालुओं के लिए श्री काशी विश्वनाथ धाम में बेहतर सुविधाएं विकसित होने के सकारात्मक परिणाम मिलने लगे हैं।

OPEN SEARCH INITIATIVE